झुनझुनवाला (खेताराकमली)
मारवाड़ी गीत संग्रह।

कृपया यह ग्रन्थ नीचे निर्देशित तिथि के पूर्व अथवा उक्त तिथि तक वापस कर दें। विलम्ब से लौटाने पर प्रतिदिन दस पैसे विलम्ब शुल्क देना होगा।

श्रीगणेशाय नमः ।

मारवाड़ी गीत संग्रह ।

पहिला भाग ।

संग्रहकर्त्ता—खेताराम माली झुंझनुवाला ।



जिसको

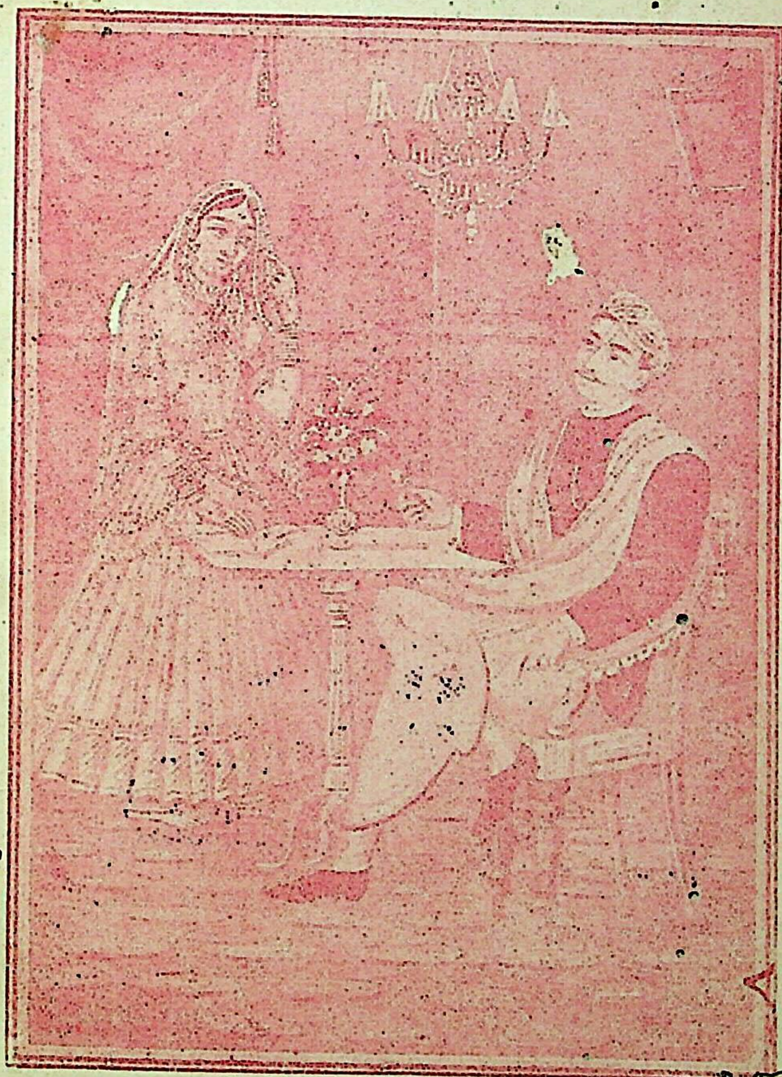
रामलाल नेमाणीने अपने निजके "रामप्रेस"

यन्त्रालय नं० ६७ तुलापट्टीमें

प्रकाशित किया ।



1926



उमराव ।



बूढ़ो बालम ।

श्रीगणेशाय नमः ॥



मारवाड़ी गीत संग्रह ।

प्रथम भाग ।

उमराव

चौबोला ।

आद मनाऊं गणपति दीज्यो बुधबताय। महाकाली मातेश्वरी सदा कीजिये सहाय॥ सदा कीजिये सहाय माय मैं हिरदे ध्यान लगाऊं। धूप दीप नैवेद्य आरती श्रीफल भेट चढाऊं॥ शुभगण देवो अशुभगण टारो विद्या वर मैं चाहुं। सरब आपदा हरो भगवती मैं तेरो गुण गाऊं॥ चौपाई॥ महाकाली महा माई रानो। तीनु लोक तेरी जोत भवानी॥ ब्रह्माके मुख वेद बखानो। शक्ति आदि रही नहीं छानी॥ झड़॥ मात बुधी बिसतारो। अरज सेवकी उरधारो॥ काम मेरा सरब सुधारो। रामलाल चरननंको चेरो सब आफत से टारो॥

दोहा ।

आप झरोखां बैठता ललवलीया सरदार । हाजर रहती गोरड़ी सज सोला सीणगार । जी सिरकार थारी सुरत प्यारी लागे मेरी जान ॥ १ ॥

आबू चिमके बिजली सीकर बरसे मेह । छांटा लागे प्रेमकी भीजे सारी देह ॥ जी उमराव थारो पचरंग पेचो भीजे मेरी जान । उमरावजी ओ रसीया ॥ २ ॥

राजन चाल्या चाकरी कांधे धर बन्दूक । केतो सागे ले चलो के करडारो दो टूक ॥ एजी उमराव धणने सागे लेकर चालो मेरी ज्यान । उमरावजी वो रसीया ॥ ३ ॥

साजन चले दिसावरां पगमें उलझी डोर । पीछा फिरके देखियो थारे धणलारां गणगोर ॥ एजी सरदार धण थारी लारचा लागी आवे मेरी जान । उमरावजी वो रसीया ॥ ४ ॥

फुल गुलाबी पोमचो पड्यो बीरंगो होय ।
मैं मेरी माके लाडली कद मुकलावा होय ॥
जी उमराव थेतो लेबा बेगपधारो मेरी जान ।
उमरावजी बो रसीया ॥ ५ ॥

मैं मेरी माके लाडली मोत्यां बीचली लाल ।
सासुके अनखावणी मेरो राजन आगे न्याव ॥
जी उमराव म्हारो सेजां न्यावचुकावो मेरी जान । उमरावजी बो रसीया ॥ ६ ॥

आटी डोरा कांगसी शीश गुंथावन जांय ।
स्यामी थिलगो सायबो मेरी छाती धड़का खाय ।
जी उमराब थारी बोली हीरातोली मेरी जान ॥
उमरावजी ॥ ७ ॥

बैंगणतो काचा भला पाकी भली अनार ।
प्रितमतो पतला भला मोटा जाट गंवार ॥ जी उमराव थारी चाल पियारी लागे मेरीजान ॥ ८ ॥

अव्वल सकड़ी कोटड़ी दूजी माजल रात ।

तीजो सकड़ो ढोलियो मतवाले को साथ॥ जी उमराव थारी सुरत प्यारी लागै मेरी जान। उमरावजी॥

प्रीतम तुम मत जानियो दूर देसका बास। खोड हमारी यहां पड़ी प्राण तुम्हारे पास॥ जी उमराव थाने कींण सोकण बीलमाया मेरी जान॥ उमरावजी॥ १०॥

डुंगर उपर डुंगरी सोनो घड़े सुनार। मेरी घड़दे पंजणी मेरे प्रीतमको कडवार॥ जीउमराव थारी सुरत प्यारी लागे ी जान। उम-रावजी॥ ११॥

साजन खाई काकड़ी मैं खायो खरबूज। राजन राखी जाटणी मैं राख्यो रजपूत॥ जी उमराव थारी चलगत प्यारी लागे मेरी जान। उमरावजी॥ १२॥

सज्जन गये तो वे गये देगये परवत

पूठ। छतीयां ऊपर लेटता कदेन कहती ऊठ॥ जी उमराव थारी बोलीप्यारी लागे मेरी जान। उमराव॥ १३॥

पीवजी बसे दिसावरा हमें देई छीटकाय। कागद होतो बांचल्युं करम न बांच्यो जाय॥ जी उमराव म्हानै बातां में बीलमाई मेरी जान॥ उमराव॥ १४॥

डुंगर ऊपर डुंगरी डुंगर ऊपर कैर। कर मुकलावो छोड गयो तेरो मेरो कद्को बैर॥ ओ उमराव थारी ओलु म्हाने आवे मेरी जान। उमराव॥ १५॥

जैपरके बाजारमें लांबी बधी खजुर। च्हढुं तो चाखुं प्रेमरस पडुंतो चकनाचूर॥ जी उमराव प्रेमरस सेजा आप चखावो मेरी जान। उमरावजी॥ १६॥

अगरचंदनको ओलसुं ओढु बार त्युहार।

पीवजी कहे गारी ओढले मेरी सासु भुलस्यां खाय ॥ जी उमराव सास म्हारी ताना देर हटावे मेरी जान। उनरावजी ॥ १७ ॥

आंगण पड़ीयो काचरो लावण सुं गुड़ ज्याय। वीना अकलको सायबो सेजा सुं उठ उठ ज्याय। जी उमराव चतरहो थेवथु मोये छीटकाई मेरी जान। उमरावजी ॥ १८ ॥

काची कली अनार की पाकण द्यो दीन च्यार। खातां लागे खांडसी अंत पराई नार ॥ ओजी सीरकार थेतो काच्याने मत तोडो मेरी जान ॥ १६ ॥

ओछे पाया ढोलियो सेजां लाल गुलाल। हुकम होय सरकारको रल मील सोवा साथ ॥ ओ उमराव आपां सेजा रलमील सोवां मेरी जान। उमरावजी ॥ २० ॥

सारणपरली टेकरी घस घस पतलीहोय।

परदेशी की गोरडी झुरझुर पींजर होय ॥ ओ सीरदार म्हाने एकबर सूरत दीखावो मेरी जान। उमरावजी ॥ २१ ॥

जैपरके बाजारमें पड्यो पेमली बोर। नीची होय उठावतो गयो कमरमें जोर ॥ ओ उमराव म्हारे रात्युं चसका चाले मेरी जान। उमरावजी ॥ २२ ॥

जैपरके बाजारमें सैन कबूतर जाय। सीटी देय उडाय द्युं मेरो जोड़ो बिछड्यो जाय। जी उमराव थारी सुरत प्यारी लागे मेरी जान। उमरावजी ॥ २३ ॥

पीयो आयो परदेशसे जाजम दई बिछाय। मनतनकी फेर पुछस्यां हिवडे ल्यो लिपटाय ॥ जी उमराव थारी बोली प्यारी लागे मेरी जान। उमरावजी ॥ २४ ॥

डाक्या टोडा टोडड़ी लोपानदी बनास।

आडो गेलो उलांगीया जद्धण छोडी आस । ओ उमराव म्हाने कर दुखिया चढ चाल्या मेरी जान ॥ २५ ॥

पिया गये परदेशमें नैना टपके नीर । ओलु ं आवे पीवकी जीवड़ो धरेन धीर ॥ जी उमराव थारे लैरां लागी आऊं मेरी जान । उमरावजी रसिया ॥ २६ ॥

जयपुरके बाजारमें च्यार लुगाई जाय । दो गोरी दो सांवली दोदो फलका खाय ॥ ओ उमराव थारे लैरां लागी आऊं मेरी ज्यान । उमरावजी ॥ २७ ॥

राजन चाल्या पगांपगां लसकर रह गया दूर । बीलखत छोड़ी कामनी परीयांकी सी हूर ॥ एजी उमराव थारी चलगत प्यारी लागे मेरी जान ॥ २८ ॥

चन्द बदन मृग लोचनी ... चमेली

जान। भंवरकली काचीअली धीरे धीरे माण॥ एजी उमराव थारी नाजक धण दुख पावे मेरी जान॥ २९॥

सज्जन भया तो वह गया गया समन्द्रा पार। सुनी सेजा कर गया वीलखत छोड़ी नार॥ ओ सीरदार थारी ओल्युं म्हाने आवे मेरी जान॥ ३०॥

चान्या तेरे चानणै सूती पीलंग बिछाय। जद जागूं जद एकली मरुं कटारी खांय॥ ओ उमराव म्हारो जोबन अल्यो जावे मेरी जान॥ ३१॥

पीव परदेसां छारह्या गया परीने धूल। जोबनीयो ढल जायसी थारी है दौलतमें धुल॥ ओ उमराव म्हाने घरआ कंठ लगावो मेरी जान॥ ३२॥

पीव पीव करती मैं फिरुं पीव न मेरे पास।

सुनी सेजामें पड़ी रात्यूं मारु सांस ॥ ओ उमराव थे प्यारीकी पीर पोछानु मेरी जान ॥ ३३ ॥

च्यार कुंटकी बावड़ी जीमें सीतलनीर । आपां रलमील न्हायस्यां म्हारी लाल नणादरा बीर । ओ उमराव थेतो हुकुम करो धणा हाज़र मेरी जान ॥ ३४ ॥

बागां जाज्यो बावड़ी नीमवा ल्याज्यो च्यार । छोटोसी नारंजी ल्याज्यो थेम्हारा भरतार ॥ ओ उमराव थारी बालक धणाने चाव मेरो गान ॥ ३५ ॥

चांदी कौ एक बाटको जीमें बुरा भात । हुकम होय सीरकारको दोन्यूं जीमा साथ ॥ ओ सीरदार थाने पंखो ढोल जिमाऊं मेरी जान ॥ ३६ ॥

सेज रमावो बालमा मो सुगणोरा पीव । थांवीन गौरीरा सायबा म्हारो पलकन लागे

जीव ॥ ओ उमराव थारे चन्दा बदनी हाजर मेरी जान ॥ ३७ ॥

सूरत लागे सोवनी थारा दांत दाडुका बीज। प्यारी बकसे प्रीतसे पड़दे मांली चीज ॥ ओ उमराव म्हारी सेजां बेग पधारो मेरी जान ॥ ३८ ॥

घर घोड़ी पीव अचपला वैरी बाडवास। नितउठ खुडके ढालड़ा ना चुड़लेरी आस ॥ ओ उमराव थारी प्यारी धण समजावे मेरी जान ॥ ३९ ॥

राजन गुढी उडावता लम्बी देता डोर। गुढीघर राजन नहीं चले न मेरो जोर ॥ ओ दीलज्यान म्हाने एकबर दरस दीखावो मेरी जान ॥ ४० ॥

जिन सील राजन बैठता बो सील सदां सुरंग। सील दोले साजन नहीं म्हारे वहे

कटारी अंग ॥ ओ दीलदार म्हारो अबक्षु अंग जराबो मेरी जान ॥ ४१ ॥

मैं राजन थाने बरजती भगतनके मत गाय। पीसा लागे रोकड़ी आछ्यो रोग लगाय। ओ ऊमराव थारे गरमी बागी होज्या मेरी जान ॥ ४२ ॥

साजन आया हे सखी कर म्हारो सीण-गार। कांई चुक बीचारके ना बोल्या भरतार ॥ ओ सीरदार म्हारे तनकी तपत मिटाबो मेरी जान ॥ ४३ ॥

पीव पधारया सेजमें हरी मदनकी त्रास। ख्याल मचायो कोकको पूरी म्हारी आस ॥ गोरीपर जुलम गुदासरे मन भरिया मेरी जान ॥४४॥

नणद भावजका जबाब सवाल।

कोठे से आई सूंठ कोठे से आयो जीरो

कोठे से आयो ये भोली बाईथारो बीरो ॥ १ ॥
जैपुर से आई सूंठ दिल्ली से आयो जीरो कल-
कत्ते से आयो ये भोली भावजम्हारो बीरो ॥ २ ॥
क्या में आई सूंठ काये में आयो जीरो
काये में आयो ये भोली बाई थारो बीरो ॥ ३ ॥
ऊंटा में आई सूंठ गाड़ी में आयो जीरो ॥ रेलां
में आयो ये भोली भावज म्हारो बीरो ॥ ४ ॥
काये में चाये सूंठ काये में चाये जीरो ॥ कायेमें
चाये यै भोली बाई थारो बीरो ॥ ५ ॥ जापै
में चाये सूंठ यो साग संबारे जीरो ॥ सेजामें
चाये ये भोली भावज म्हारो बीरो ॥ ६ ॥ खींड
गई सूंठ बिखर गयो जीरो ॥ योरुस गयो ये
भोली भावज म्हारो बीरो ॥ ७ ॥

चुग लेस्यां सूंठ पछाड़ लेस्यां जीरो ॥
मनाय लेस्यांये भोली नणदो थारो बीरो ॥ ८ ॥



बुढो बालम गीत नं० ३

ज्यानी मेरा सज सोला सीणगार बूडलेकी सेजा धणगई वो मेरा स्याम बूडलेकी सेंजा धण गई ॥ १ ॥

ज्यानी मेरा ले दीवलो ले बात बूडले की सेजां धणगई बो मेरा स्याम बूडलेकी सेजा धणगई ॥ २ ॥

ज्यानी मेरा एक बर पल्लो ये ऊघाड़ सीराणे ऊबी पदमणी वो मेरा स्याम सीराणे उभी पदमणी ॥ ३ ॥

गोरी म्हारी आख्यांके फीर गयो कांच कनपटिया धोला आगया ये मेरी नार कनपटिया धोला आगया ॥ गोरी म्हारी डगमग हालैछै ज्याड़ गोडामें पाणी पड़गयो ये म्हारी नार गोडामें पाणी पड़ गयो ॥ ४ ॥

ज्यानी मेरा मरुं जहर बीस खाय बूडेने बेटी क्युंदई ये मेरी माय बूढलेने बेटी क्युंदई ।५।

गोरी म्हारी दमडारो लोभी थारो बाप मायारी लोभण मावड़ीये मेरी जान। मायारी लोभण मावड़ी ॥ ६ ॥

गोरी म्हारी जीमोथे जीनवारा भात ओढोना सेलाबाफता। ये मेरी जानपहरो ना सेला बाफता ॥ ७ ॥

ज्यानी म्हारी नदीयां भुंवाऊं चावल दाल कुवेमें सेला बाफता वो म्हारा स्याम कुवे में सेला बाफता ॥ ८ ॥

ज्यानी मेरा फीको लागे सीणगार ऊमंगा जोबन ना छटेवो मेरा स्याम ऊमंगा जोबननाछटे।६।

गोरी म्हारी कड़वासा बोलन बोल। कदेये तो कबडी खेलता ये मेरी नार कदे तो कबड़ी खेलता ॥ १० ॥

गोरी म्हारी छैल दिसावर जाय ॥ बूडलो तो सोवे सेजमेंजी म्हारी नार बूडलो तो सोवे सेजमें ॥ ११ ॥

गोरी म्हारी बूडलेके दुरा तीर पूत छैलांकी डोले बांझड़ी ये म्हारी नार छैलाकी डोले बांझडी

गोरी म्हारी छैला खरीदे गुडखांड बूडलो तो करड़ा खोपराये मेरी जान ॥ १३ ॥

गोरी म्हारी छैला करेये ऊधार । बूडलो तो देवे रोकड़ी ये म्हारी नार ॥ १४ ॥

दलसुख नः ४

चन्द्या तेरी चमकरात पनलपरदेसी लसकर निसरो पनामारु राज ॥ १ ॥

बसोयेतो बासाजीद्या पनामारु राज आज बसोना दलसुख महलमें ओं पनामारु राज ॥२॥

बसोयन बासोयेल्या हांये म्हारी मोरगानैणी राज परधर बासाये सुन्दर नालेवांजी म्हारा राज ॥ ३ ॥

कुंणथाने दीनीछै सीख पन्ना मारूजी राज। कुंणारो सीखांसे वो चाल्या राजन चाकरी जीम्हारा राज ॥ ४ ॥

बाधण पन्नामारु म्हानेजीबताय भंवर वादी-लाजो। जांके उमाव छोड़ो घरको गोरड़ीजी म्हारा राज ॥५ ॥

बाधण कहीये घणीये सरूप म्हारी चन्दा बदनी राज। थारीये लीलाड़ी प्यारीकी पग थलीजी म्हाराराज ॥ ६ ॥

सुरजजीसोये उजास मीरगानैणी राज। चन्दाजीसीये बाधण उजलीजी महाराज ॥ ७ ॥

दूदां जीसोये उफांण घणीये पीयारीजीराज। दहीये सरीसी बाधण कठकठीजी महाराज ॥ ८ ॥

मिश्रीयेजीसोये मीठास मृगानैणी राज।
लुंग सरीसी प्यारी धण चरचरीजी महाराज ॥ ९ ॥
सीस वन्योये नारेल मृगानैणीजी राज।
चोटीतो कहीये वासग नागकीजी महाराज ॥ १० ॥
नैननीम्बूकाजी फाड मृगनैणीजी राज।
भंवाराबीजली खीवजी महाराज ॥ ११ ॥
नाक सुवेकीजी चांच मीरगानैणी राज।
अधरनलाली छारहीजो महाराज ॥ १२ ॥
दांत दाड़ुकाजी बीज मृगानैणी राज।
जीभड़ल्या इमरत वसे महाराज ॥ १३ ॥
बेलण बेलीजी बांय चन्दा बदनीय राज।
मुंगफलीसीधणकी आंगलीजी म्हाराज ॥ १४ ॥
मंगर वन्या मसतुल्य मीरगानैणी राज।
पसवाडा पासा ढलेजी म्हाराज ॥ १५ ॥
पेटगींवाकी जीलोथ मीरगानैणी राज।
सुंडी तो कहीये रतन कचोलियाजी म्हाराज ॥ १६ ॥

जांग केलेकीजी खंभ मीरगानैणी राज।
पींडीतो कहिये रतनालीया म्हाराज ॥ १७ ॥
पांव पीपल काजी पान मृगानैणी राज।
ओडी तो कहियेसुरंग सुपारीयांजी राज ॥ १८ ॥
मरुयेकजीऊं मेरी माय आली जा भंवरजी।
राज। पनल सराई गजबी गोरड़ीजी राज ॥१९ ॥
थारी घीयेड मरेये बलाय चीतालंकीजी
राज। जींवो जंवाई मरज्यो दुसरीजी राज ॥
हंस भावज बुजेछे बात नणदलबाईराज। रातरो
नणदोई कांई देगयोजी राज ॥ २० ॥
मोहरां म्हारीपसेये भराय भावज म्हारीये ॥
घणी तो उदासी दलसुख दे गयोजी राज ॥ २१ ॥
हंसहंस साथण बूजेबात सैयो म्हारीये।
रातरो भणोई केके देगयोजी राज ॥ २२ ॥
बाल्यो साथण एक धेलेरोतेल साथणम्हा-
रीये। बोबी तो छैलो राल्योधूलमेंजी राज ॥२३ ॥

मांग्याछा लाडु ल्याया मोंगणा साथणा म्हारीये। मांग्याछा रीपोया रैपट देगयो राज। डुपटारे सागे लेगयो दोखनी चोर साथणा म्हारीये। अंगोछारे सारे अंगीया लेगयो जी राज॥ २४॥

भायली न० ५

सुती सयानी सभर नीन्द सुपनोतो आयो भायलीरे रुपकोजी म्हाराज॥ १॥

जेथानै पन्नामारू भायेलीरोचाव करो ना सगाई जयपुर सहरमेंजी म्हाराज॥ २॥

सांझ्यारे भाई जलदीरे सांडपीलाण। बेग पधारां भायेलीरे देसनेजी म्हाराज॥ ३॥

रलक्या सेलामारू ढलतोजीरात। दीनतो उगायो भायेलीरे देसमेंजी म्हाराज॥ ४॥

बुज्यो पन्नामारू गायांरो गुवाल। सींव बतावो भायेलीरे देसकीजी म्हाराज ॥५॥

योईछे पन्नामारू भायलीरो देस। सालर थोड़ा सरवर भोघणाजी म्हाराज ॥६॥

बुज्यो पन्नामारू सहेल्यांरो साथ। बाग बतावो भायेलीरो कुंणसोजी म्हाराज ॥ ७ ॥

योईछे पन्नामारू भायेलीरो बाग। आमुतो पाक्यानीम्बूरस भरयाजी म्हाराज ॥ ८ ॥

घुडला सेलामारु पाछाजीम्होड़ । बाग बीगाड़्योबाबाजीरो नोलखोजा म्हाराज ॥ ९ ॥

घुडला मीरगानैणी म्होड़्यायन जाय। थारा तोम्हारा घुडला रलचरेजी म्हाराज ॥ १० ॥

बाबाजीथे मोयपरणाय। म्हारीतो जोडीकी कहीये सासरे जी म्हाराज ॥ ११ ॥

झुठीलाडो झुठनबोल। थारीबे जोड़ीकी झुले पालणेजी महाराज ॥ १२ ॥

पढीया बीप्र बुलाय। हल हथलेवो जुड़ाय
द्योजी म्हाराज ॥ १३ ॥

आलागीला बांस कटाय। तोरणथाम
रूपाय द्योजी महाराज ॥ १४ ॥

सांड्यारे भाई सांडपिलाण। दीनतो उगायो
बाबे जीरे देसमेंजी महाराज ॥१५ ॥

चढीया सेलामारु माजलरात। रसतामें
संजा होगईजी महाराज ॥ १६ ॥

कांई बीछास्यां कांई ओडस्यांजी म्हाराज ॥१७॥

मारुणीरा लंबालंबा केस। आंदाजी
बीछाल्यो आंदा ओड़ल्योजी महाराज ॥ १८ ॥

येछे म्हारा माकाजी पालया केस। सालुये
बीछाबो थीरमा ओडल्योजी म्हारारराज ॥ १९ ॥

मृगानेणी खोल कींवाड़ बायर भीजे थारी
दुसरीजी म्हाराज ॥ २० ॥

क्यांने पन्ना मारु हंसीये हंसाये। मरद मुंछावालो बोलो नासहेजी म्हाराराज ॥ २१ ॥

थेतो मीरगानैणी बोलीछी बोल। मरद मुंछयालोये फरणीदुजी गोरड़ीजी म्हाराज ॥२२॥

पगाये पड़ेगी थांरी दुसरीजी महाराज ॥२३ ॥

जकड़ी नं० ६

कठे गंगारे कठे जमुनारे सी दीलदार को बंगलो ॥ १ ॥ अठेई गंगारे अठेई जमुनारे अठेई दीलज्यानी को बंगलोरे ॥ २ ॥

ल्यावो सखी कलम दवात लीखुंगी दगा बाज ने पातीरे लीखुंगी बेईमानने पातीरे ॥३॥

बांचत चिठी सुनोरे साथी पड़ेरे दीलदार क आंसुरे ॥ पड़े तो महारे पीवके आंसुरे ॥४ ॥

सुणोरे साथ्योरे सुणोरे भायलो ल्याय मीलावो दीलदाररे गोरीरे मीलावो दीलदाररे गोरी ॥ ५ ॥

ल्यावोरे कागद ल्यावोरे कलमरे लींखुंगा मेरी ज्यानने पुरजोरे। लीखुंगा घरकी नारने पुरजोरे ॥ ६ ॥

बांचत पुरजोरे बांचत चिठीरे खुसी दीलदाररे गोरी। रे खुसी है दीलदाररे गोरी रे ॥ ७ ॥

बान्देतो चीरोरे मंगाद्यूं पेचोरे मंगाद्यूं दील ज्यानने टोपीरे ॥ ८ ॥

पहरे जाकट सीमाद्यूं कूरतोरे मंगाद्यूं मेरे यारने गंजीरे। पहरेतो मोजारे मंगाद्यूं जुतारे मंगाद्यूं मेरे यारने चद्दीरे ॥ ९ ॥



चनणा न० ७

तीजणा चुगरो चनणा म्हे सुणयोजी कोई सहेल्या में पड्यो रमझोल अम्बा मेरी पुछे एक चनणाके हुई ॥ १ ॥

म्हारी तो लगगईयो रमुड़ सूं दोस्तीजी कोई भीड़ गया भीतर नेह अम्बा मेरी पुछेरे क मनड़ाके कहुं ॥ २॥

बतलायासूं एक लाडो बोले नहीं क्युं भयो चीत्त उदास। साचीतो साची चनणाथे कहो ॥ ३ ॥

हंसलीको डांडो एक अम्बा मेरी टुटगो। गई गई रामुड़ेकी हाट झूठो चुगरोयक सखीयां कर रही ॥ ४ ॥

टग टग म्हलांजीक साथण चढ गई

आई आई राणीजी के पास। राणीतो पुछेजी आवण थारो क्युं भयोजी ॥ ५ ॥

तीजण चरखेजो चनणा जावती। नहीं गई सख्यां मांय म्हारोतो आवण राणीजी युं भयो ॥६ ॥

म्हारीतो चनणा एक सहियो अचपलीजी कोई पड़ गई बाण कुबाण। गलितो गलीका एक ल्यावे ओलमाजी ॥ ७ ॥

थारीतो चनणा राणीजी कोई पड़ गई बाण कुबाण। दोस्ती लगाली जीक रामुडे सुनारसुं ॥ ८ ॥

टंग टंग म्हलांजीक राणीजी चढ गई गई गई राजाजीरे पास। झटक दुसालोजीक कोई राव जगाई याजी ॥ ९ ॥

राणीतो राजाजी दोनुं भेला हुयाजी कोई सुण राजा मेरी बात। चनणाने भेजो जीक चनणाके सासरे ॥ १० ॥

केम्हारी चनणा येक राणीजी अचपली जी। केकोईबाण कुबाण किसबिद भेजोयेक बाइने सासरे ॥ ११ ॥

ना थारी चनणाजी राजाजी अचपली। कोई पड़गई बाण कुबाण। गली गलीका ल्यावेलागी ओलमा ॥ १२ ॥

ल्यावाना रानीजी कागद दफतरी। ल्यावो ल्यावो कलम दवात। कागदीया लीख भेजां जीक चनणाके सासरे ॥ १३ ॥

एवड़ छेवड़ लीख्यो बीनती बीच बीच सात सलाम। बेग पधारो जीक जंुवाई प्यारा पावणा ॥ १४ ॥

कोरासा कागज जीक राजाजी लीख दीया। देदीया ओठीडारे हाथ। दिनतो उगा-ज्योरेक चनणारे सासरेजी ॥ १५ ॥

आदि ढलता ओठीड़ा रल कियाजी कोई

चाल्या छे माजल रात। दिनतो उगायोजी रीसालुके देसमें ॥ १६ ॥

भरीतो कचेड़ीजीक रीसालु राजा बैठिया; कासीद करी सलाम। कागद राल्या जीक राजाजीकी गोदमें ॥१७॥

कुण्यां जीरा भेज्याजी ओठिड़ा आईया। कुंण्याजीरा लणीआर। साची साचीरे ओठीड़ा थे कहो ॥ १८ ॥

राजाजीका भेज्याजी कंवरम्हे आईया। थारे घर लखीयार। सासुजी बुलायाजी पधारो सासरे ॥ १९ ॥

डेरातो करलयोजी चम्पा बागमें करलाने नीरो नागर बेल। घणी मीजमानीजी करस्यां आपकी ॥ २० ॥

घुड़लाने दानों राजाजी घर घणो। कर लाने घणी म्हारे बेल॥ सासुजी उडीक जीक पधारो सासरे ॥ २१ ॥

कागद बाच्यांजी कंवरजी सीर धुराय्यु चीत में भया उदास सीरको दुमालोजी कंवरको गीर पड्योजी ॥ २२ ॥

ल्यावोना अम्बाजी पांचु कापड़ा ल्यावो म्हारा पांचु हथियार। तड़के तो जास्यां जीक समरथ सासरे ॥ २३ ॥

के थारी सासुरे क बेटा मेरा उणमणी के थारे सुसरेके चढ गई ताप। आज उणमणो रे बेटा मेरा क्युं फिरे ॥ २४ ॥

ना म्हारी सासु येक अम्बा उणमणी। नाम्हारे सुसरेके चढ गई ताप। सासुजी बुलाया येक जास्यां सासरे ॥ २५ ॥

भायलातो लेल्यांजी कंवर थारे जोड़का। थारे सरीसा उमराव घणोतो गुमरस्यु पधारो सासरे ॥ २६ ॥

बड़ेतो घरांका रेक बेटा मेरा लावड़ा।

राजाजीरा पूत । जात कुहावे रेरु छत्री आपणी ॥ २७ ॥

सगलीतो तैयारी एक अम्बा मेरी होचुकी अब म्हाने देद्यो सीख । बेग पधारांजीक समरथ सासरे ॥ २८ ॥

आदीसी ढलताजीरीसालु राजा रलकोया कोई चढियाछे माभल रात । दिनतो उगायो जीक चनणाके देसमे ॥ २९ ॥

आंगण मोचा कंवरका खुड़कियां । थलियां ठीमक्या सेल भलांई पधारयाजीक कंवर प्यारा पावणा ॥ ३० ॥

चनण चोकीजी कंवरजी बैठणे दुदपखाला पांव । घणी मीजमानी जीक करस्यां आपकी ॥ ३१ ॥

चावलराद्यांजी कंवरजी उजलाजी हरियाये मूंगा की दाल । घी बरतारुजी कंवरजी टोकणाजो ॥ ३२ ॥

कैर करलीजी जंुवाइजी भोघणीजी पापड़ तल्या पचास। रुच रुच जीमोजी कंवर प्यारा पावणाजी ॥ ३३ ॥

मांडातो पोवांजी कंवरजी लबलबाजी। झबक परोसाथाल सासुजी जीमावेजी जंवाइजी न जीमणाजी ॥ ३४ ॥

बीजापुरकोजी जंवाइजी बींजणोजी देव घडाघड थाल। रुचरुच जीमोजी कंवरप्यारा पावणाजी ॥ ३५ ॥

चावल काचाये सासूमेरी रह गयाजी। पापड़के लगगयी चाख। कुणजीमावेजी जंवाईने जीमणाजी ॥ ३६ ॥

चावल रांदाजी जंवाईजी उजलाजी कोई पापड़ और तलाय। सासुजी जीमावेजीक जीमोचावसुंजी ॥ ३७ ॥

जीम्या जठायेक सासु मेरी रमरवाजी।

खोलो सजड़ कींवाड़ । आगल खोलो जीक बीजा सारकीजी ॥ ४९ ॥

ढकीयोतो झांटाये चनणा नाखुलेजी। जीत आई जीत जाय। ढकियोतो झांटोये चनणा ना खुलेजी ॥ ५० ॥

कोयामें काजल रेक रामुड़ा घुलरयोजी। बीन्दली झाला खाय। काजल फीको रामुड़ा तैं कियोजी ॥ ५१ ॥

हाथांरे महदीरे रामुड़ा हद रचीजी । लाल चुड़ो गल बांय। नेह सतावेरे झांटो खोलदे ॥ ५२ ॥

छोटेसे मुख पर रे रामुड़ा रच रहीजी। बीड़ी रही मुख मांय। जाड़ घसाई रैक कोन्या बावड़ीजी ॥ ५३ ॥

बालकपण कीरे रामुडा दोसतीजी। अब म्हासु तोड़ीयन जाय। छाती मेरी फाटेरे रामुड़ा दिल जलेजी ॥ ५४ ॥

एक बर मुख सेरे रामुडा बोल लेजी कोई ले म्हाने हीवडे लिपटाय । रैन बिछोवोरे रामुडा मत करेजी ॥ ५५ ॥

बालक पण में रेक गजबी तैं मोहिजी अब जोबन झाला खाय । भरज्वानी में रेक धोखो मत देवोजी ॥ ५६ ॥

करडा छाती कारे रामुडा तुं भयोजी बजर छाती की तेरी माय । भलोतो पढ़ायो एक साकण पूतनेजी ॥ ५७ ॥

झूठा उभारारेक रामुडा तैं दियाजो । ली धाखे से मोय । भलीता निभाईरे हरामी दोस्तीजी ॥ ५८ ॥

माखन माखनरे रामुडा खागयोजी । छाछ कमीणां जोग । लूंण हरामीरे रामुडा तूं हुयो जी ॥ ५९ ॥

एकबर फलसोरे रामुडा खोलदेजी

सुन म्हारे मनडे की बात। अबका तो बिछड्यारे रामुडा कद मिलांजी ॥ ६० ॥

इतनीसी सुनता जीक रामुडो उठियो जी। खोल्या सजड किंवाड आगल खोली जीक बीजल सारकीजी ॥ ६१ ॥

चनणा रामुडो एक दोनु भेला हुयाजी कोई टपटप टपके नैंन। आंसुतो गेरेजीक हरियल मोर ज्यूंजी ॥ ६२ ॥

आंसुतो पुंछ्या जीक पगड़ी पेचसुंजी लीनी हिवड़े लगाय। मनडेकी बाता जीक चनणा थे कहोजी ॥ ६३ ॥

म्हारे घर आयारे राजाजी पावणाजी लेज्यासी म्हाने साथ। मनड़ें का धोखारे रामुडा मनरह्याजी ॥ ६४ ॥

रिसालुतो लागे जीक प्यारी थारो सायबो। जी प्यारीको लणियार। परतन भेजाजी म्हाने सासरेजी ॥६५ ॥

ना थारी जाणूंरे रामुड़ा दोस्तजी। ना थारी मानूं प्रीत। दिनतो उगायो रेक सारी रातकोजी ॥ ६६ ॥

पैर चनणाकी जी रिसालु राजा पावड़ीजी। खपर लेलियो हाथ। अलख जगायोरे रामुड़े क म्हलमेंजी ॥ ६७ ॥

रामुड़ेकी राणी रेक भिछा घाल ज्योजी जोगीडो उभ्यो द्वार। खैर मनावा जी दोन्यां क जीव कीजी ॥ ६८ ॥

मोती मुंगा जीक चनणा लेलिया। गई गई जोगिडा के पास। भीख घलावांजी जोगीन चावसूंजी ॥ ६९ ॥

मोती मुंगा येक चनणा घर घणांजी। कोई दे तेरे हिवडेको हार। खैर मनावां रेक रामुडे सुनारकीजी ॥ ७० ॥

हार गलेकोरे जोगीड़ा जद देवांजी। कोई

पुछां रामुड़ने जाय। हार गलेकोरे जोगीडा जद देवाजी ॥ ७१ ॥

मोती मुंगा जोगीड़ो नालेवेजी मांगे म्हारो गलेरो हार। हार हमारोरे रामुड़ा ना देवांजी ॥ ७२ ॥

हार गलेको ये प्यारी धण थे देवोजी जोगीड़ो देय आसीस। खैर मनासी ये दोन्याक जीवकीजो ॥ ७४ ॥

हार हमारो रक रामुड़ा जद देवांजी। कोई दे म्हाने और घड़ाय। राजाजीतो पुछेरेक रामुड़ा के कहुंजी ॥ ७५ ॥

दिनमें तो घड़स्यां येक प्यारीजी नोगरी। श्री कोई रात्युं घड़स्यां हार। हारज पहरो येक रतन जड़ावकोजी ॥ ७६ ॥

टग टग म्हलांजीक चनणा उतरीजी। आई आई जोगीड़ेक पास। हार गलेको रे जोगीजी थे लेवोजी ॥ ७७ ॥

हारज बकस्यो जीक चनणा चावस्यूं जी ले म्हारे रामुडे की खैर। खैर मनाजैरै रामुडेक जीवकीजी ॥ ७८ ॥

इतनीसी सुनकरजी रिसालु राजा बाव-ड़याजी आया चानणा चौक। घाल खटोलोजी आंगणा बिच सो रह्याजी ॥ ७९ ॥

रिमझिम करती जीक चनणा बावडीजी। आई आई राजाजीके पास। ओड दुसालो जीक साग सो रहीजी॥ ८० ॥

आबेकीसी जीक चनणा बीजली जी। सूरज जीसोरे उजास। चंदा सरीसी रैक चनणा ऊजलीजी॥ ८१ ॥

के थाने राजा जीक भाया भरमाइयांजी। के सोकणादी सीख। नारक्युं त्यागी जीक चनणा गोरड़ीजी॥ ८२ ॥

होस सम्हालो जीक मारुजी रंग करोजी।

ल्यो म्हाने हिवड़े लगाय। लहर उतारोजी मारूजी कामकीजी ॥ ८३ ॥

मेलो करल्यो जीक राणी थारी मायसुंजी बाबाजीपा ल्यो सीख। बेग पधारो जीक प्यारी धण देसनेजी ॥ ८४ ॥

रथड़ा जुताल्यो येक राणी थारे बापकाजी म्हारे घुड़लामें श्रैब। नार चढ़सुंजी घोडा मेरा चिमकणाजी ॥ ८५ ॥

उठोना कंवरजी जीक दातण मोलल्योजी होय कलेवेन उंवार। दातण मोलो जीक काची केलकाजी ॥ ८६ ॥

दातण कुरला जीक सासु कर चुक्याजी कलेनाने नांय उंवार। सीख दिवावो जीक जास्यां देसनेजी ॥ ८७ ॥

आवोना साथणियो येक म्हासे मिल लेवोजी। कैद्यो सुणाल्यो मनकी बात। तडकेतो जास्यां येक समरथ सासरेजी ॥ ८८ ॥

आधीसी ढलताजीक चनणा नीसरीजी। रामुडो खाईछै पछाड़। खाय तींवालो जीक रामुड़ो गिर पड्योजी ॥ ८९ ॥

मत कोई करियोरेक साथी भायो दोस्तीजो मतना करियो प्रीत। प्रीत लगाकर जीक धोको प्यारी दे चलीजी ॥ ९० ॥

प्रीत बुरीछै रैक भायो पर नार कीजी। लेगई कलेजो काड। प्रीत लगाकर जीक धोखो दे गईजी ॥ ९१ ॥

आधीसी ढलताजी रिसालू राजा रलकिया जी। आया बीखम उजाड़। धणने बूजेरे राजाजी बारताजी ॥ ९२ ॥

औरज गहणां एक चनणा पैरियाजी। कठे तेरे गलेको हार। हार दिखावोजी राणी थारो नो लखोजी ॥ ९३ ॥

तीजण चरखैजी कातण मैं गईजी कोई सखियां

तोड्यो मेरो हार। घर घर मणियो जीक राजाजी होगयोजी ॥ ४६ ॥

झूठा राणी जीक झूठन बोलणा जी झुठ की आवे म्हाने झाल। सांची सांची येक राणीजी थे कहोजी ॥ ६५ ॥

चढ चोबारे जीक न्हावण मैं गईजी। खूंटी टांग्यो हार। हारज भुलीजीक राजाजी म्हल-मेंजी ॥ ६६ ॥

हार हमारो जीक भुल्या म्हलमें जी दे भेजे मेरी माय। माय खीनावे जीक बड बीरनेजी ॥ ६७ ॥

हार तुमारो येक राणीजी म्हेलीयोजी। योलेतेरे गलेरो हार। खैरतो मनाई रेक रामुड़ेक सीवकीजी ॥ ६८ ॥

खाय तींवालो रक चनणा गीरपडीजी। कोई शीथल भयोये सरीर। बतलायासुं राणी बोले नहींजी ॥ ६६ ॥

सुरत लिखाउं जीक कोरे कागदांजी। राखूं महलां मांय। एकबर मुखड़े येक राणी प्यारी बोललेजी ॥ १०० ॥

माय उडावे येक राणी मेरी कागलाजी भैनड़ जोवे म्हारी बाट। एकबर मुखड़े जीक प्यारीजी बोललेजी ॥ १०१ ॥

सांइ सांजका रीसालुराजा बावड्याजी। चीतमें भोत उदास। अम्बातो बुजेजी कंवरने बारताजी ॥ १०२ ॥

कटेतो छोड्यायो बेटा मेरा दायजो। कठे छोड्यायो सुरंगो साथ। कठेतो छोड्यायो बेटा मेरा कुल बहुजी ॥ १०३ ॥

लोडेछी करेला एक चनणा बागमें। डंस गयो कालो नाग। खाय तींवालो ये चनणा गिर पड़ीजी ॥ १०४ ॥

प्रीत अखीरी चनणा करगईजी। कर गई

जुगमें नांव। रैन बिछोवा जीक चनगा ना रह्हीजी ॥ १०५ ॥

प्रीत निभाईजी दोन्या सारसीजी । पाली पूरब प्रीत । चनणा रामुड़ो बिछोवेना रह्याजी ॥१०६॥

जकड़ी न० ८

चान्धा तेरे च्यानणोंजी ढोला सुती पिलंग बिछाय। गयोयन राजन बावड़्योजी ढोला रात्युं जोईं बाट ॥ कोट पर खड़ौ रहो ज्यानी उडावो पतंग सलेमानी ॥ १ ॥

सई संवारी बावड़्यो ढोला बासी बिड़लो हाथ। बिड़लो राल बजारमें जी ढोला रपट म्हलके मांय ॥ २ ॥ कोट पर० ॥

थेराजन ऐसा फिरोजी ऐसा फिरेन कोय। कागदतो काठा करयाजी रतीन राख्यो मोय ॥ कोट पर० ॥ ३ ॥

सुंणा मायड़ तने बातकुं कहता आवे लाज। धीयड़ने मुकलायदे म्हारो सियां मरे भरतार ॥ कोट पर० ॥ ४ ॥

रसिया तो ऐसा बणया झाड़ीका बडबोर। उपर लाली देरह्या भीतर बड़ा कठोर ॥ कोटपर० ॥५॥

गोरीतो ऐसोबणी सींगाडकी बेल। उपर कांटा प्रेमका दिलकी बड़ो दलेल ॥ कोट पर० ॥ ६ ॥

मोती थो एक लाखरो गयो पल्लेसे खुल। गोरीथी एक मोजकी गई बचनकूं भूल ॥ कोट पर० ॥ ७ ॥

प्रीतम प्रीत निभावणा नेह न दीज्यो तोड़। कतवारीके तारज्यूं ज्यूं टूटे ज्यूं जोड़॥ कोटपर० ॥८॥

पीव पियारेके बिना म्हांसे रह्योन जाय। जा छाये परदेसमें लालच बुरी बलाय ॥ कोट पर० ॥ ९ ॥

इति सम्पूर्णम्

मारवाड़ी भाषाकी उत्तमोत्तम पुस्तकें

सचित्र बारामासिया और लावणी संग्रह !

ख्याल और लावणियों तथा बारामासियोंके रसिकोंको यह पुस्तक अवश्य ही देखनी चाहिये। इस एक ही पुस्तकमें सैकड़ों रंगतें देखनेमें आती हैं। इसमें नये नये २५ बारामासियों और मशहूर मशहूर ३६ ख्यालोंकी लावनियोंका संग्रह हैं। लावनियां एकसे एक बढ़कर है। गोबिन्दराम दरजीका बनाया हुआ "नणद-भोजाईका चौबीस मासिया" जो दस दस रूपये देने पर भी कहीं नहीं मिल सकता था, वह भी इस पुस्तकमें दे दिया गया है और कुछ न रहने पर केवल इसी एकसे ग्राहकोंके दाम वसूल हो जाते है, तिसपर अनेक नयी नयी चीजें देकर इसे और सुन्दर तथा दिलचस्प बना देनेकी कोशिश की गई है। गानेके शौकीनों और रंगीन तबियत वालोंके लिये दिल बहलावका अपने ढंगका अच्छा और पहला सामान है। इसकी विशेष प्रशंसा करना व्यर्थ है। इसकी खूबी इतने ही से समझ लीजिये, कि यह किताब कई बार छपकर हाथों हाथ बिकचुकी और फिर भी बराबर छपती और बिकती हो जाती है। ऐसी अच्छी पुस्तक है कि जो एकबार हाथमें लेता है वह इसीका हो रहता है। मूल्य केवल १)

मारवाड़ी ख्याल ।

सचित्र बारामासिया लावनी संग्रह	१)
अमलदार	≡)
विराटपर्व्व पहला भाग	॥)
,, दूसरा भाग	॥)
इन्द्रसभा	।)
हीर रांझा	।)
जगदेव कंकाली	।)
चन्द्रप्रताप	।)
मालदे झालीराणी	।)
हकीम गरमीवाला	।)
बीरमदे सोनगरो	।)
नरसीका माहेरा	।)
चन्दभंवर फुलकंवर	।)
राजाभोज भानुमती	।)
ढोलो मरवण	।)
छोटा कन्थ	≡)
जुरी खतराणी	।)
चकवाबैण	।)
स्यामकलीऊजा इन्द्रपरी	।)
साहेव तु सच	≡)
सेठ मुनोम	≡)
सैयदखां ऊंटवाल	≡)
सहजादा भटियारी	।)
सहजादेका	।)
लैली मजनु	।)
पूरणमल भक्त	।)
कलकत्तेकी गजल	-)
मदनसेन चन्दकिरण (नया)	।)
रुकमणीमङ्गल पहला भाग	≡)
,, दूसरा भाग	≡)

हिन्दीकी हर प्रकारकी पुस्तक मिलनेका पता :—

रामलाल नेमाणी,

न० ६७, काटन ष्ट्रीट, कलकत्ता ।

मारवाड़ी ख्याल।

सचित्र बारामासिया लावनी संग्रह ... ... १)
अमलदार ≡)
विराटपर्व्व पहला भाग ॥)
" दूसरा भाग ॥)
इन्द्रसभा ।)
हीर रांझा ।)
जगदेव कंकाली ।)
चन्द्रप्रताप ।)
मालदे झाडीराणी ।)
हकीम गरमीवाला ।)
बीरमदे सोनगरो ।)
भरसीका माहेरा ।)
चन्द्रभंवर फुलकंवर ।)
राजाभोज भानुमतो ।)

ढोलो मरवण ।)
छोटा कन्थ ≡)
जुरी खतराणी ।)
चकवावैण ।)
स्यामकलीऊजा इन्द्रपरी ।)
साहेब तु सच्च ≡)
सेठ:मुनीम ≡)
सैयदखां ऊंटवाल ≡)
सहजादा भटियारी ।)
सहजादेका ।'
लैली मजनु ।)
पूरणमल भक्त ।)
कलकत्ते की गजल -)
मदनसेन चन्द्रकिरण (नया) ।)
रुकमणीमङ्गल पहला भाग ≡)
" दूसरा भाग ≡)

हिन्दीकी हर प्रकारकी पुस्तक मिलनेका पता :—

रामलाल नेमाणी,
न० ६७, काटन ष्ट्रीट, कलकत्ता।

कलकत्ता नं० ६७ काटन ष्ट्रीट "रामप्रेस"में शिवप्रसाद नेमाणी द्वारा मुद्रित।

मारवाड़ी गीत संग्रह

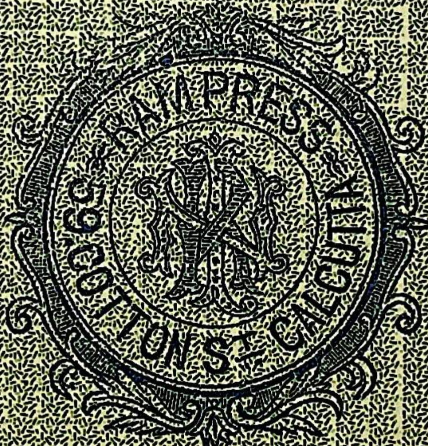
दूसरा भाग।

संग्रह कर्ता—खेतामाली श्री मतुका।

जिसको

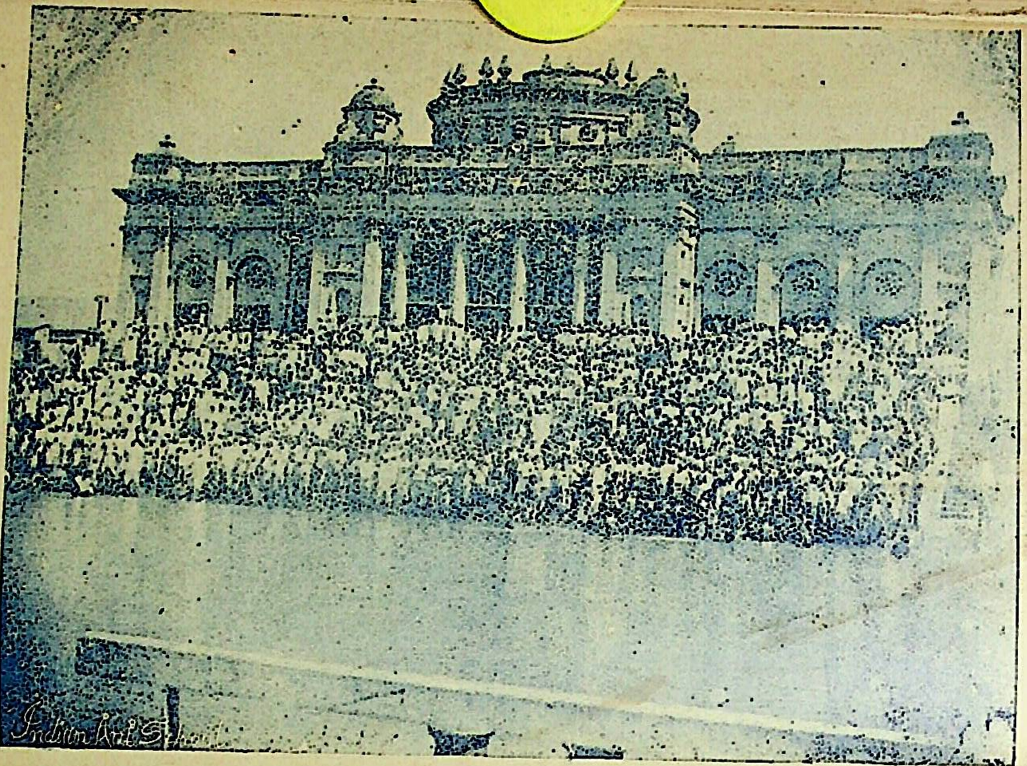
रामलाल नैमानीने अपने निजके "रामप्रेस"
यंत्रालय नं. ५९ तुलापट्टी में मुद्रित
और प्रकाशित किया।

यह किताब रजिष्टरी किया हुआ है।
इसका हक यंत्रालय ने स्वाधिन रखा है



सन १९१३

पहलीवार २०००   दाम चार आना डाकखर्च



श्रीगंगाजी ।

श्रीगणेशाय नमः ।



मारवाड़ी गीत संग्रह ।

दूसरा भाग ।

दोहा

जैगनेस शंकर सुवन बीघ्र हरोकर स्याये
गिरी कन्याके पुत्रकुं सबसे आद मनाये

चौबोला

सबसे आद मनात आपतो रीद्ध सीद्ध के नायकहो पुजत प्रथम महेस सेस सुर सबके बर दायकहो टारो गणका दोस होसदो आप सरब लायकहो बदरीलाल करजोर कहत तुम भक्तन के सहायकहो

कव्वाली

सहाय गणराज कर मेरी दफे सब भीगन करदीजे चढाउं पुस्प और मोदक मुजे विद्याका बरदीजे तुमीहो सीधके दाता आप मंगलके करताहो जानके दास चरनुका आस मेरीकुं भरदीजे

झड़

भरो सब मनस्या मेरी करोमत पलकी देरी आप संतन सुखरासी अरजी करो कबुल कहत कथ खेत झुंझणु बासी

गीत माता जीको नम्बर १

माताके भवनमें जीवो नारळारो बीडलो जीवो सुपारीरो बीडलो नारे ळारे बीडल म्हारी आद भवानी बसरही १॥ मातार भवनम जीवो काजळीयारो बीडलो जीवो महंदीरो बीडलो रोळीर बीडल म्हारी आद भवानी बसरही ॥१॥ माताजी रोजाती म्हारो मोतीचंद आव ॥ चीनरतो हीरद म्हारी आद भवानी बसरही ॥३॥

माताजीन ध्यावे जीवो सदा सुखपाव ॥ जांकतो हीरदे म्हारी आद भवानी बसरही ॥४॥

गीत माता जीको नम्बर २

तुंजुग जल्माया बालक तेरा मेरी माय अबक्युन बकस ॥ मायउगण हंस बालक तेरड़ा दे दाम माई नेरो नाम जाय माय माये मनावणा देवीदामज्यूं समजावणा ॥१॥

पातर नाच धरम दुवार मेरी माय भलोये राजन पार उतार बीप्र पोथी बांचाया तेरे भवन भीतर होत पुजा बार पातर नाचीया तेरो हरयो पीपल धज्जा सोव जोगीनीमे मोतीया जाजा पखेरुं मपाव परसे बार पातुर नाचीया ।२॥ गावो बजावो जात आवो सकल प्रब मनरली ॥ घर दुध पुत अटुट लीक्षमी मन चींत्या पाईय ॥ मेरी माय पुरस घर आईया ॥ जानीडारी बेल भदाईया ॥३॥

कालीजीरो नः ३

मताके द्वार हरो हरो पीपळधजा फरुंके असमान मेरी साची मैया तेरे भावकी भुखी दरसन देमाय परसन होयेजाये तेरे भावकी भुखी ॥१॥ मैयाके माथन मंमद सोह रखडी रो अजब सुहागः मेरी२ मैया।रे कानानै कुंडल सौहः बेसरको सरब सुहागः मेरी ॥३॥ मैयार बांय बाजूबंद सोह नोगरीरो अजब सुहाग छलारी लगरही भार मेरी साची ॥४॥ मैयार कडीन करधनी सोह पायेलरो अजब मुहाग पोलारी लगरही भार मेरी साची ॥५॥ मैयार द्वार आन्दलीया पुकार लेर लोयेन घरजा।ये मेरी कालीमैया तेरे भावकी भुखी ॥६॥ मैयार द्वार नीरधनीया पुकारे लेअनधन घर जाय मेरी ।७। मैयार द्वार बांजडीया पुकारे लेये पुत्तरघर जाये मेरी ॥८॥ माईक द्वार बीपर जीमत है भोग लगे सीरको मेरी ॥९॥

बालजीरो नः ४

कुणचीणायो बोवालाजी थारो देवरो कुण दीराईं गजनीमः बाव बजरंग जीरो बंगलो हद बन्यो ॥१॥ राजाजी चीणायो म्हारो देवरोः सेवगादीराइ गजनीम. बावः ॥२॥ जातीत्तो आवे थारे दुरका सांवलीया मोट्यार बाव ॥३॥

जातण आव थारे कुलभउः गोद जडुलजी पुत बाब ॥४॥ चढे चढावो थारे चुरमो रोक रपई थारी भेट बाव ॥५॥ लाल लंगोटो तीलक सींदुर को बैठा बजरंग आसन ढाल बाब ॥६॥

बाग बीधुन्स्या लंका दलमली साराराजा रामचन्दरका काम बाब ॥७॥

धनमाता अंजनीरी कुख उन जायो. हनमत्त पुत ॥८॥



सतीको नः५

सुमरक मोड उतरी राणी लेगडवो ले धुपवारी जाउ सकड म्हासती ॥१॥

हाथसे गड़वो भुपडो राणी धरती लीयो सीलाम वारी ॥२॥ कुणथाने दीनी चुनडी कूणथाने दीनुजी चीर वारी ॥३॥

सास पसाया कोरमा सती माता नाजन खाये वारो ॥४॥ माये कहे बेटा सासर सास कहे मउ पीर वारी ॥५॥

बीचमै सतीमाता घरकरो अपन पुरसकी गल वारी ॥६॥

भबुतासिधको नः ६

कोठतो बाजा बाजीया भगुतासीध कोठे घुरांछ नीसान भगुतासीध बागाम बागामर बगीचाम थार धुपरही मरनाये भगुतासीध

बागाम ॥१॥ चारणबासी बाजा बाजीया भगुता-
सीध थेलासर घुगछनीसान भगुतो ॥२॥
जातांतो आवड्डुरका भगुतासीध सांवलीया
मोटार भगुतासीध ॥३॥ जातण आवकुल भउ
भगुतासीध गोद जड्डुलपुत बाइरो बीरो बागांम।
बागामर बगीचाम थार धुप रही गरनाये ॥४॥
चढचढाओ थार चुरमो भवुतासींध ओर
चोटालानारेल भगुतो खेल बागाम ॥५॥
बाबोजी उडीक कोटडा भगुतासीध मातर
सोयां रमाये भगुतो ॥६॥ भाण उडीक सासरे
भगुतासीध नार म्हलक माये भवुतो खेल
बागाम ॥७॥ हाथ गगेरण गेडीयो भवुतासीध
रेवडीयो चरावान जाये बाइरो बीरो बागाम ।८।
गेडी टेक खडोहुयो भगुतोसीध पीगयो
पीवण सांप भगुतोसीध बागाम बागामर
बगीचाम थार धुपरही गरणाये ॥ भवुतो ॥९॥

रामदेवजीको न० ७

कोठेतो बाजाओ अजमलजीरा छावा बाजीया वारीजाउ कोठेतो घुराछे नीसान आज अजमलजीरो छावो कलमधोकस्यां ॥१॥ रुणीचतो बाजावो अजमलजीरा छावा बाजीया वारीजाउ कलकत घुराछे नीसान आज ॥२॥ जातीतोआवबो अजमलजीरा छावा दुरका वारीजाउ मांवलीया मोट्यार आज ॥३॥ जातणआववो अजमलजीरा छावा कुलभउ वारीजाउ गोद जडुलजीपुत आज ॥४॥ चढचडावो थार चुरमो ओर चोट्यालाना रेल आज ॥५॥ सेनरआव थान घ्यावता वारी जाउं जाकांथे पुरोआस आज अजमलजीरो छावो कलमैं धोकस्या ॥६॥



भैरवजीरो नः ८

मारवाड मेवाड़ बीचाल अंन्तर सीरसोगाम अंन्तर सरकी गलीयां मकालुड़ रोलमचाइ मतुवाला भैरुं कासीकावासी आज मसुरमान ध्याव-॥१॥ मालण लागो तेलन लागो लागो लाल लुहारी उपराड़क डाकतायाल टको भरक लाली ॥२॥ बणीयां णीक रांगरंगीलो बड़ा गुलगुलाल्याव बामणीक सदारंगीलो गहरामंगलगाव भैरुंनभो त्तरीझावः मतुवाळाभैरु कासीकावासी ॥३॥ जाटण तीर लगे मतुवाला काचो दुदोपाव रांगड़ीक सदा रंगीलो मदका प्याला पाव मतु-वाला भैरुंकासीकावासी आज मसुरमानधाव ॥४॥

चौथ न० ९

थेतोचोथमनाल्योजी कुणचंद योसती थार धन लीछमी भोपालसकड़रीरानी माता चोंथ मना-येलो ॥१॥ सोनकी घडाउ मरी माये रुपरीघडा

उमेरीमाये तनये पुवाउ भवानी पीला पाटम ॥२॥ म्हार सेठाननीवाज मेरी माय सेठाणी अब चल राखी चुडलो ॥३॥

घरवतन: न: १०

गडदीलीरा चेजारा लाये पाटणरो सुसनव अजगज नीम दीवाये सवागज घरती सीगचड ॥१॥ म्हार दसरथजीरो राजा रामचुडाये बांकव राम बुधघनी ॥२॥ म्हाररघवतमवडीयारी घारपहर म्हारी कुलचउ ॥३॥ म्हारी घरवतमरगीया चीर ओडली म्हारी भउ ॥४॥म्हारी घरवत मजकुल न मैंगा पुतसतवार आव कुल भउ ॥५॥ म्हारी घरबत षाजेवो पीरसदा घनवीलसीया ॥६॥

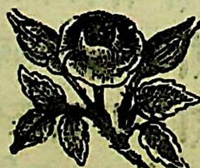
भैरूमालासीरे न: ११

जी भैरुजीकोठेतो बाजा बाजीयाजी भैरुजीकोठे तो घुरयाछ नीसानवो माळा सीरा भैरुवारीवो रीकतमल भैरु कुवंपर बठा भैरुजी भली करो ॥१॥

जी भरुंजी मालासीबाजा बाजीयाजी भैरुंजी कलकत धुराछनीआनवो माला सीरा भैरुंकुवपर ॥ २ ॥ जाती तो आव थार दुरका सांवली यामोठ्यारवोरीका ॥ ३ ॥ जातण आव थार दुरकी गोद जडुलपुत वोमारु ॥४॥ जी भैरुंजी चड चडावा तेलर बाकलाजी भैरुंजी ओरको डाली जुंवारवो माला सीरा भैरुं ॥५॥ जी भैरु जी बणीयांणीक पलथे तो लागजो जी भरुं जी देवगी लाडुडारी छाबवो माला सीरा ॥ ६ ॥ जी भरुं जी तेलन कप्पल थेतो लागज्यो जी भरुंजी देवगी तेल घडो भरवा ये वो माला सीरा भरु ॥७॥ जी भरुं जी मीसराणीक पल मत लागज्योजी भरुंजी देगी थानगीतामभुला य वो मालासीरा भरुं ॥८॥ वारी वोरीकतमल भरुं कुवप बठ्याभरुंजी भलीकरो ॥ ९ ॥



मावलो गांगन भवतीम्हारी मावली मावल्यो राजाजी चीनायों म्हारा देवरा मावल्यो ॥ ३ ॥ सेवगा दीवाई गजनीमये मावल्यो सदातो सुरंगी ॥४॥ जातण आवथार डुरक्की वारीजाउ गोद जडुलपुतः येमा ॥५॥ मावल्यो करडकसुमो थार अंग चड वारी जाउ गेउचावलरो भोगये मावल्यांगांगन भवती ॥ ६॥ मावल्यो सेनर आव थान ध्यावता वारी जाउ जाकी थे रली पजोबोये मावल्यो सदा सुरंगा म्हार्गा माउली ॥७॥ मावल्यो जोनर थारांनादराकरः वारी जाउ जनथे पटक पछाडये मावल्यो बालतो बकस म्हारीमा ॥८॥ मावल्यो रात बसोये कुवा बावड़ी वारीजाउ दीन मतो बसोये आकास ये मावल्यो साची सकलाई म्हारी मावली ॥९॥



गोगजीरो नः १४

कायेकी तेरी गाडी रगडुलणा कायेका तेरा वैल रहां ।१। सोनेकी मेरी गाडी रगडुलणा सुरग उरा दोये बैल रहा ॥२॥ गाडी तो जोड गडुलणा बीजोडोचली बाबुलर देसरहा ॥ ३ ॥ छठ महीन गरब मै बोल्यो मतजा वाबलर देस रहा ॥ ४ ॥ मेरबावल घन भोतेरा लेसी थान ढोल घुराय रहा ॥५॥ दादी तो भुवा मेरा मंगल गाव गुगोजी घरसी मेरो नाम रहा ॥ ६ ॥ बरज्योछोपण मानी नाई चली बाबल देशरहा ॥७ ॥ बंमीमैंसे वासक नीकस्यो लड्यो बळदक पाव रहा ॥ ८ ॥ सीरको डोरो षोलदेवां सगणीत्रान्दु बलदकपाव रहा रुण झुण चाल मेरी बैल रहा ॥९॥



पितराको नः १५

कुण्याजीरा बेटाजीवो कुण्याजीरा पोता कुणसी मायडक उदर लोटीया ॥ १ ॥ बाबा-जीरा बेटा दादाजीरा पोता माता जलमीके उदर लोटीया ॥ २ ॥ धनथारी माताजीवो धन थारो पिता ज्यान वीधाता मातानैं घड्या ॥३॥ कायेरी डांडीजीवा कायेरोतोलो तोल गांधीरा बेटाकीसतुरी ॥४॥ सोनेरी डांडी रुपेरा तोलो ओकुण मुलावे जीवो वो कुण तुलाव ॥५॥ राम चन्द्रजीमु लावजीवो लीछमनजी तुलाव तोल गांधी काबेटा कीसतुरी ॥६॥ मीठडांरा भोजन बहु सीतलदे जीमाव आयो पीतराको लसकर जीमगो ॥७॥ उजळी परानी बहुरुकमादे पहरावे आयो पीतरारोलसकर पैरगो ॥८॥ छोटीसी तळाई जीवो दुधाकी भराई आयो पीतरारो लसकर पी गयो ॥३॥ ठंडासा पाणी बहुपारवती पीलाव

आयो पीतरारो लसकर पीगयो ॥१०॥ चोदसन थे आज्योजीवो मावसन थे जाजो थारीबाडी की वेल वधायजो ॥११॥

पीतराणीको न० १६

बडीतो आया जी लोडीक प्यारा पावणा चोकीतो चावळजी बडीजी थाने बैसना दुद पखाळाला पाव बडीतो ॥१॥ चावल रांधाजी बडीजी थान उजला हरीये मुंग की दाळ ॥२॥ मांडातो पोवांजी बडीजी थानेलबलबा तीवण तीस बतीस धीबर गावांजी बडीजी थाने टो-कणा पापडतळाये पचास ॥३॥ बीजातोपुरको जी बडीजी थाने बीजणु देव घड्यो बडथाळ ॥४॥ आडीतो मेलाजी बडीजी थाने आडणी झबक परोसांगा थाळ ॥५॥ जीमत नीरखांजी बडी जी थारी आंगळी मुळकतनीरखांगा थारा दात ॥६॥ मुगफळीसाजी बडीजी थारी आंगळी

दांत दाडुका बीज ॥५॥ जीम्याती जुठ्याजी बडीजी रस रया पांडण न ठौर बताय ॥६॥ थेतो पोडोय लोडीजी थारा महलमा म्हेसुर-गापत जाय बडीतो ॥७॥

कीसनगुरबाबाको नः १९

कीसनगुर बाबा कोठेतो बाजा बाजीया गुसांई बाबा कोठे घोराछ नीसान मै बलहारी बुडला देवन ॥१॥ कीसन गुर बाबा चुडीम बाजा बाजीया कलकत्ता मघोराछे नीसान ॥२॥ कीसनगुर बाबा जात्रांतो आवे थारा डुरका सावळीयां मोटार ॥३॥ कीसनपुर बाबा जातण आवे थारे डुरकी गोद जडुलाजीपुत ॥४॥ कीसन गुरबाबा चढये चढाव थारे चुरमो और चुंटाळानारेळ ॥५॥ कीसन गुरबाबाजै कोई थारी नीद्राकरे ज्यानेपटक पछाड़ ॥६॥

कीसनपुर बाबाजे कोईथान ध्यावे चीत लगाय॥ ज्याकीथे रव्वायपजाय ॥७॥ कीसन

बीनाणी नं १८

तुंतोराये खातीका चतर सुजान बीनाणी लाल तन रानलकोक बूलाइया ॥१॥

तुंतोमोल चनणीयारो रुख बीनाणीलाल इतरोसो चनण म्हारे चाईये ॥२॥

म्हारी कालीमाता जोगो दीवलडोघड ल्याव बीनाणीलाल सार कलकतमे बीरा चानःणुजे ॥३॥ म्हार हणमत जोगो गोटलीयोघड ल्याव बीनाणीलाल म्हार पीतरां जोगी बीरा बीटलीजे ॥४॥ सीतलामाता जोगो छावड लोघड ल्याव बीनाणीलाल म्हामाया जोगो बीरा पालनु ॥५॥ म्हारा देईये देवता सतीमाता थान होज्यो सुरगनीवास बीनाणीलाल थांरी मांजलरात जगाइयाजे ॥६॥ अबतकतो म्हेबोल्या साचहीसाच बीनाणीलाल अब झुठहीझूठ बखाणस्यां ॥७॥ थेतो सोवो हकजागो साजी रामचदरजीरा पुत गोरा नाथुराम थारी खातर

ल्याई रगरोढालीयोजे ॥८॥ म्हारे राइखाती कनलटक झुंवार बीनाणीलाल खातणनगदी मुंकलांव ठणाजे ॥९॥ म्हाररायें खातीक मुरकी घालुंकान बीनाणीलाल खातण कझवरखबीरा झुटणाराजे ॥१०॥ म्हार राइखातीकनखुलायेक वाये बीनाणीलाल खातणनवोरंग वीरा चुन्न- डीजे म्हाररायें खाती कनकरड़ कसार बीनाणी- लाल खातण न लीचपीच वीरा लापसीजे ॥११॥ तेरीलापमडी मजीलव लीयो ये सुवादवीनाणी लाल तैतो गुडगोडतल सुहागण राणी राषीयो जे ॥१२॥ यातों चलती षातणती मुड मुड देये आसीस वीनाणीलाल राजा रामजी रावधज्यो नांनी दुवज्यु ॥१३॥

दीवो नं १९

कैमण गाह्यारमेरा राजा आकोयेला कैमण गाल्योछलोह अवभरजोउ आमराआ राजा म्हलमजी ॥१॥ नोमणगाल्यावा आमरा राजा

कोयेला दसमण गाल्यो लोह अब भरजोउवो आमेरा राजा म्हलमजी ॥२॥ सोनुतो लाग्यो वोआमेरा राजा सेवनु अरेरूपोतो उजलदंत अवभर जोउवो आमेरा राजा म्हलमजी ॥३॥

मोतीतो लाग्यावो आमेरा राजवाटला लाल लगी लषचार अब भरजोउवो आमेराराजा म्हलमजी ॥४॥ उड़ती लागीवो आमेरा राजा चीड़कली गड़परबतका मोर अवभरजोउवो आमेरा राजा महलमजी ॥५॥ ड़ांड़ी घड़ीजीवो आमेरा राजा मेड़त झावो जेसलमेर अव भरजो उवो आमेरा राजा म्हलमजी ॥६॥ बाती तो घालुवो आमेरा राजा पाटकी पुरुंपुरुंचपलारो तेल अब भरजोउंवो आमेरा राजा म्हलमजीं ॥७॥ जाये घरुंगीवो आमेरा राजा रामरसोयेम जीम म्हारी लाल नणदको बीरः अवभरजो उवो आमेरा राजा म्हलमर्जीं ॥८॥ पली तो पड़ीवो आमेरा राजा पगधरो झवरष दीवलो घणरहाथ अव भरजोउवो आमेरा राजा म्हलमजी ॥९॥

दुजीतो पड़ीवो आमेरा राजा पगधरो दांतण झारीघणरहाथ अव भरजोउवो आमेरा राजा सेजमर्जा ॥१०॥ अगनीतो पेड़ीवो आमेरा राजा पगधरो भोजनीयारो थाल जघणरहाथ अव भरजोउ ॥११॥ चोथीतो पड़ी रदीवला पगधरो पानारी ड़वी घणरहाथ अवः ॥१२॥ पाचवीतो पड़ी रष्यो आमेरा राजा पगधरो गणारो ड़वो घण रहाथ ॥१३॥ छटीतो पेड़ीवो आमेराराजा पग धरो कपडारो बुगचो घणरहाथ ॥१४॥ सातवीतो पडीर दीवला पगधरो रपट म्हलकजीमाये अवः ॥१५॥ गुंठडोतो मोडवो आमेराराव जगा इयो उठो म्हारी लालन णदरा वीर अवभर ।१५। थे घरजावो येम्हारी मीरगानैनी आपक म्हार माथ चडी मथुवाये ।१६। म्हेघर चाल्यावो आमेरा राजा आपक थार नोज चटो मथुवाये ।१७। कुणसी नीरासीवो आमेरा राजा चीत चढी बाधण मोय बताय ।१८। अेक घण देषीये म्हारी मीरगा नेनी जलवा पुजतावाधण अदीक सरुप

अव भरजोउ ।१९। बाधण मनावो आमेरा राज बीसारदो म्हानयेहीवड लगाये ।२०। बाधण मनायेन चन्दाबदनी वीसरः मदज्युं घुलतीजी जाये ।२१। म्हेवीतो जलवावो आमेरा राजा पुजस पहर पील।रांजी वेस अव भरजोउवो आमेरा राजा म्हलमजी ॥२२॥

म्हन्दी नः २०

म्हन्दीतो बावण धणगई सोनारोह लीयोजी हाथ सोदागर म्हन्दी राचणी। म्हन्दी बावणधण चली छोटोसो देवरसाथ सोदागर ॥१॥

देवरबाया दोये उमरा थारी धण बायोसा रोढहर सोदा ॥२॥ म्हन्दीतोसचिनणधण गई सोनारो बीडलोजी हाथ सोदा ॥३॥

देवरसीच्यांदोये उमरा थारी धणसींच्यो सारो ढहर सोदा ॥४॥ म्हन्दी रचालगधण

गई सोनारी चीटीयो हाथ ॥५॥ सोदा ॥ देवर रुखाल्यादोये उमराथारीं धण रुखालो सारो ढहर सोदा ॥६॥ म्हन्दीता चुंटणधण गई सानारा छबल्यां हाथ सोदा ।७। देवर चुंट्यादोये उमरा थारी धण चुंट्योसारो ढहर सोदागर म्हन्दी राचनी ॥८॥ चाकीके घरट पीसाइया म्हन्दी रकपड़जीछान सोदा ॥९॥ रतनकचोल म्हन्दी घोलस्यां राचीछरंगमजीठ ॥१०॥ नणदल मांडी चीटली आगळा थारी धणमाड्यां दोनुहाथ सोदा ॥११॥ राचीतो चीटली आंगळी धणायेसु रंगादोनु हाथ सोदा ॥१२॥ च्यार टकाहुं गांठका जैकोइ इनरगडजाये सोदा ॥१३॥ जाये लस-करीयेन युंकह थारघर बनडको ब्याव सोदा ।१४।

ब्याये मंड्योये भलीहुई दीज्यो थेतो देवड़ तेवड़ दात सोदागर म्हन्दी राचणी ॥१५॥

च्यारटकाहुं गांठका जोकोईइन्दरगढ़ जाये सोदा ।१६। जाये मनभरीयेन युंकह कंवरहुयो घरआव सोदा ।१७। कंवरहुयोया भलीहुई. कर-

ज्योथे हरख उछाव सोदा ।१८। च्यारटकाछुं गांठका जोकोइ इन्दरगड जाये सोदा ।१९।

जाये लसकरीयेन युंकह थारीमाये मुई घर आव ।२०। मायमुइया भलीहुई करज्योथे लोका-चार सोदा ।२१। कोटतलोकर काडज्यों झाल-रक झीनकार सोदा ।२२॥ च्यारटकाछुं गांठका जोकोई ईन्दरगड जाये सोदा ।२३।

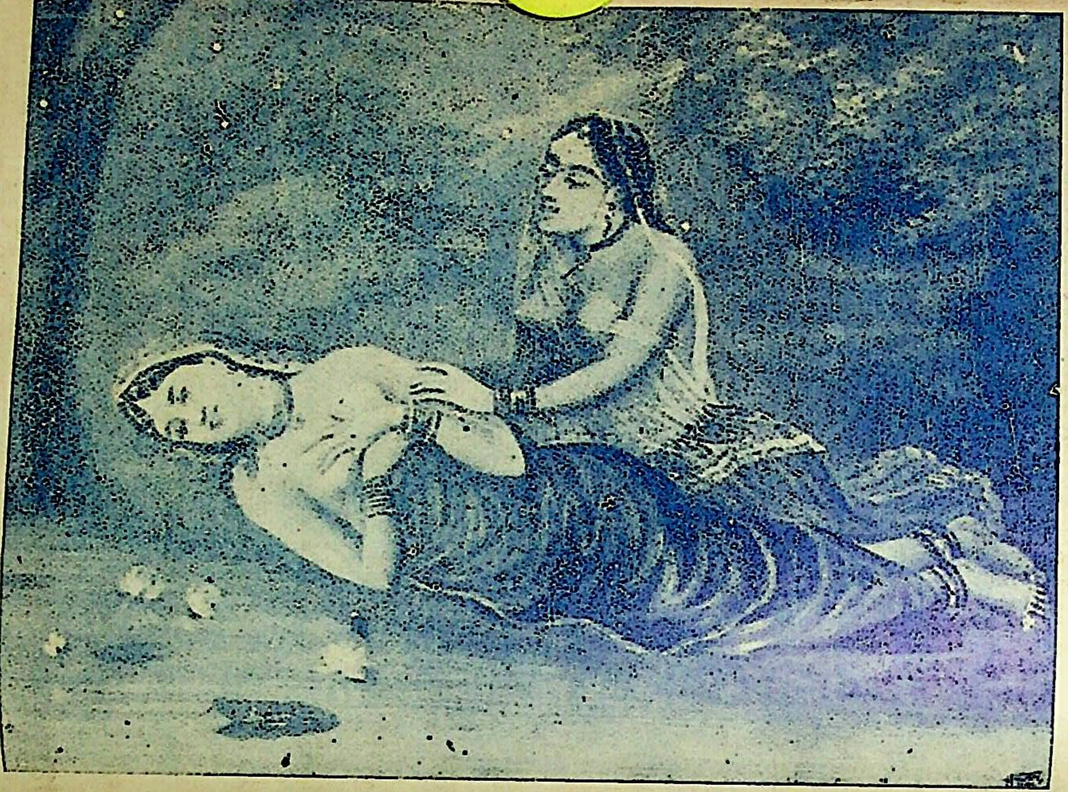
जालसकरीयेन युंकह थारी नारमुइ घर-आव सोदा ॥२४॥ नारमुइया बुरीहुई टाबर बाराजी बाट सोदा ॥२५॥ याल्योराजाजी थारी नोकरी योलोराजाजी थारो देस ।२६। कीणदुख छोड़ो म्हारी चाकरी कुणदुख छोडो म्हारो देस सोदा ।२७। मायमुये छोडी चाकरी नारमुया थारो देस सोदा ।२८। छाणाता चुगती छोरडी घरकीये कुसल बताये सोदा ।२९ मायबीलोव बीलोवणु भाण रसोया माये सोदा । ३० । कंवरज झुलपालननार सेज कमाये सोदा । ३१ । अेछीनगारी म्हारी गोरडी छलकर लीयाये

बुलाये सोदा ।३२। च्यारटकाकी थारी नोकरी लाखम्होरकी म्हारो रात सोदा ।३३। नेडकीफर ज्योराजन चाकरी सांजपड्या घरआव सोदागर म्हन्दी रंगभरा ।३४।

आभलदे नः २१

बाबाजी हुकम करायेवो बाबाजी हुकम करोतो पोकर नायेसा पोकर नायोन जाय बाइबो आभलदे बाडतल खोवरो बसे ।१।

बसयेतो बसणजो द्योवो बाबाजी काई करलो वैरी खोवरा ।२। दलजनलागीछ दाल· बाइवो आवलदे छटजनलागा सांठीया गीण· जणलागाछ दाम बाइबो आभलदे सीमजण· लागी बोरीया ।३। बटजणलागीछ डोरवाइवो आभलदे गुंथजणलागा ताजण ।४। हलहलहुइ· हल कारवाइवो आभलदे चलचलसाजीडारी



कोटडी ।५। रलकीछ मांजलरात बाइवो आभलदे दोनती उगाथो खीवरक देसम ।६। बूज्योछ गायारो गवाळ बाइवो आभलदे सींवबतावो खीवरकी कुणसी ।७। योईछ खीवैजीरो देस सालरथोडा सरवर मोघणा ।८। बुज्योछ माली-डारो पुत बाइवो आभलदे बाग बतावो खीवर को कुणसो ।९। योईछ खीवजीरो बाग बाई आमतो पाक्या नीम्बू रसभरा ।१०। तम्बुडा दीयाछ तणाये बाई आभलदे तमुडारी डोरका ठीकरी ।११। सोवन घडलोलेनी हाथ बाइवो आभलदे आभलरी दासी पाणीड नीसरीजी ।१२। सोघुडलां असवार बाइवो आभलदे खींवरो म्हलानी म्हला नीसरो ।१३।

कुणाजीरीपणीयार ओयेपणीयारी कुणारा चीतरा वेहडा । १४ । आभलरीपणी यारजी षींवराजी आभलरा चीतरा बेहडा । १५ । भावीजी मथारो गुलाम भावीजा भैण मीलावो आभल आपकी । १६ । आभल अषन कंवा-

रवो षीवराजीः मुषडो न देष दुज मरदको ।१७।
म्हेबीछा अषन कंवार ओये भोजाईः पलोयेन
छुवा दुजी नारको । १८ । जैथा न आभलरो
चावओ षीवराजी पहरो जनाना कापडा । १९ ।
माथन म्हमंद पहरओ षीवराजी पीलै सोनारी
राषडी । २० । कानानै कंडल पहरओ षीवरा
जी उपर झवरष झुटणा । २१ । गलन मतलडी
पहरओ षीवराजी हार हमेल जडावका । २२ ।
बायां न बाजुबन्द पहरवो षीवराजी टडारतन
जडावको ॥ २३ ॥ जैहाथा तरकसतीरवोखीव·
राजी जैहाथा पहरो चूडलो । २४ । ज्यांबायां
भवरबदूक ओंषीवराजी ज्यांबाया पहरो कांच·
ळी ।२५। पगल्यानपायेलपहरओजी खीवराजी
नांनांतो बाज बीछीया ।२६ घुमघुमालो दावण
पहर ओखीवराजी उपरओडो बोरंग चुंदडी ।२७

चालोना मदरीजी चालजी खीवराजि
असलकूहावो असतरी ।२८। जीजीबाई भाहर
आव आजीजीबाई बाहरउभी छोटी महनडी ।२९

नाम्हारमाकी जाई भहन ओमतुवाली नाकोई गोत सवामणी ।३०। माम भुवाकीजी भहन बाईओ आभलदे बालकपणका बीछड्या ।३१। भीलीयाछ भूजाये पसार ओखीवराजी करड मरड फुट्या खोपराजे ।३२।

स्मजगइ मनमाये बाईवो आभलदे ल्याये मीलायो बैरी खांवरो । ३२। तम्बूडा दीयाये उठाये बाईवो आभलदे तम्बूडारी डोरढीलीकरी ।३६। जीम्याछा अेकजथार ओजी खीव राजी गासउठाव भलै मरदज्युं । ३४ । पोडाछा अेकजसेज ओजी खीवराजी बीच भगवती धर दइ । ३५ ।

म्हारछ पुसकरन्हाण ओजी खीवराजी बावडाता मेलोकरा ।३६। म्हारछ पुसकरन्हाण प्यारीवो आभलदे जोडस पुसकरन्हायसा ।३७।

साथीभायो करोरबीचार कारीतो काठ चढजे ।३८। चढछतो चडबाजी घोये हांय आभलदे बलतीम डुपटो म्हबीरालस्यां । ३९ ।

फीटखीवरा तेरीमाय ओजी खीवराजी रुपनीरखनारी भयाजी ।१०।

गोहलडी नः २२

गायेगुवाडशे गोबरल्याये खंदतो माटी म्हणा चीकणीजे ।१। गंगा जमनारो नीर मंगाये ईसबीद दीजे गोहलडीजे । २ । गोहलडी भलदीज्येये म्हार दसरथजीरी नार दीवलो सुहागणराणी धीवभरयोजे । ३ ।

स्यामजीरो नं २३

कुण्यारी गाडीहकी योतोसंग कूणाजीरो जाये स्यामसुहावणो ।१। दसरथजीरी गाडीहकी योतोसंग राजारामजीरोजाये स्यामसुवावणो ।२।

धनखाडुधन स्यामजी योतोधनछ डंढाड़ोजी लोग स्यामसुवावणो ।।३।

भोमीयरो न० २४

काहेकोतेरो ओबरो काहेका जब्याकीवाड वारीवो भैयांतेरनामन ।१। माटीरोमेरो ओबरो लोहका जब्यारकीवाढ़ वारीवो भैयांतेरनामन ।२।

अगरचनणरो दीवलो रेसमवाली बात वारीवो भैयांतेरनामन ।३। घीभरभगता जोइयो छट चोदसकीरात वारी ।४। बागोतोसोव थार केसरयो माथम्होर गजपाग वारी ।५। सुथनसोव सावठो नाडोलालगुलाल वारी ।६। कब्याकटांरो वांकड़ो सेरठड़ी तलवार वारी ॥७॥ सीर-सीन्दुरी बीटली ओरसीर छत्र फीराये वारी ।८।

गलजनेउ पाटकी बाबोबीरमाणीरो पुत वारी ।९। पगाचटापट पावड़ी म्हन्दीराच्या पाव वारी ।१०। रतड़ोसो पीलंग नीवारको सुत्यो बाबो चादरताण वारी ।११। सरवरधोया कापड़ा बड़तरकीयो सीनगार वारी ।१२। लीलोसोघोड़ो हांसलो कूण फीरआईरात वारी ।१३।

मैछुंयेभोम्यो भोमको थार खेड़बाड़को रख वाल बारी ।१४। तेरीबडी भउको वाप तेरी समदणरो लगवाल वारी । १५ । तेरीधीयारो पीवसाल तेरी भुवान सदा फलदेउं वारी । १६ ।

जैखेडभोम्यो बसै सेनरसोव नचीत वारी । १७ । बैरीमार दफकरजी सेखावतार षांडजीत वारीवो भैयातेरनामन ।१८ ।

सकल भीयाई न० २५

केतुंबामणीके बणीयाणी कंतुबेटी राव-कीजे ।१। नामबामणी नाबणीयाणी नामबेटी रावकीजे ।२। टुंकटोडकीमै सकलभीयाई फलस बैठ्या जगनवजे ॥३॥ पहरुंगी धबलो ओडुंगी लोई असलकुवाउं जाटणीजे ।४। पहरुंगी सुथन ओडुंगी चादर असलकुंवाउ तुरकणीजे ॥५॥

पहरुंगी घघरो ओडुंगी चुनड असल-कूवांउ लेडणी ।६। बान्दूगा धोतीमै ओडुगी पीली असलकूवाउ बामणीजी ॥७॥ अेकदमडी

रोमतेल मंगायो सारीरैन दीवो जगोजे ॥८॥

लोडेदेवरको मैंव्यावरचायो नणदल गुण मोकल्याजे ।९। खलहलखलहल करी सुवाली घणनाई पीवसापल्योजे ॥१०॥ हलहल करती आइ पडोसण जीनम्हारो तेल मुंघाइयोजे ।११।

हाटभई हटनाला बहगई सामरको संर उजलोजे । १२ । आंगण म्हार लोटांतीरगया गलायार हसर्ता तीरैजे । १३ । जेदुमाग सरया डीघारे तेरुड़ा तीर बावड्याजे ।१४। भोलोराज़न लेखोमांग दमड़ीरो तेल घणकेक़रो । १५ ।

हीन्दुत्यारा तुरक बीडारा दमड़ीरो तेल बरकतकरी । १६ । इतणी बरकतकरो भीयाई नंदलालजीरी हाटमजे ।१७। सोइमनघ्याव सोई मनाव जीनर घरबरकतकरुं ।१८।



बीणजारा नं २६

कुणसी दीसासे आयीया वोबीनजारा मेरा स्याम कुणसी दीसान जाय मारुजी । १ । तेरी बालदमके भरयोर बीनजारा मेरास्याम कांई ढोला भरवाजी जायमारु । २ । मेरी बालदमै सामरांये बीनजारी मेरीज्यान गालागीरी भर वान जाय मारुणी ।३। सामरको कैलादवार बीन जारा म्हारास्याम ल्याद्यो ढोल। भ्याणारोमाल मारुजी । ४ । आज बसोना म्हार म्हलम वोबीनजारा मेरास्याम करस्या ढोला थारी मनवार मारुजी ।५। क्युंकर आवाथार म्हलमये बीनजारी मेरीज्यान बालदम्हारी भुखीजाय प्यारीजी ।६। म्हारपीछोकड़ दूबडी वोबीनजारा मेरास्याम मैखोदूतुं नीरमारुजी । ७ । आज बसोना सुख सेजम वोबीनजारा मेरास्याम कर स्या ढोला थारी मनवार मारुजी । ८ । क्युंकर आवां थारी सेजमये बीणजारी म्हारीनार बालद

म्हारी प्यासी जीजाये मारुणी । ९। म्हारा पीछो कड कुवाबावडीर बीणजार म्हारास्याम कोई मैखींचुतुंप्याये मारुजी ।१०।

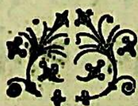
आजबसोना म्हारे म्हलमवो बीनजारा मेरास्याम ॥ करस्यां ढोला थारी मनुवार मारुजी ।११। क्युंकर आवा रंग म्हलमये बीण-जारी म्हारीज्यान बालद म्हारी रीतीजीजाये मारुणी । १२ । आदीमे भरादूं खारक खोपरारे बीनजारा म्हारास्याम आदीम भरादूं सठ्वा सूंठ मारुजी । १३ । आजबसोना म्हारी सेजमर बीनजारा मेरास्याम करस्यां ढोला थारी मनु-वार मारुजी । १४ । क्युंकरआवां थारी सेजमये बीनजारी म्हारीज्यान साथी म्हारा भुखाजी जायेमारुणी । १५ । साथीड़ान लीचपीच लाप सीर बीनजारा म्हारास्याम थान ढोला घुल बांजीखीर मारुजी । १६ । थारतो सरीसीकल-मको नहीये बीनजारी म्हारीनार राखां म्हारही वड़रबीच मारुणी । १७ । थार सरीसा कुलम

कोन्ही वोबीनजारा म्हारास्याम राखां ढोला सेजाबीच मारुजी । १८ ।

घाघरो न० २७

ज्यानीवो घुमघुमालोजी घाघरो कज्या रलकताजी केस ॥ ज्यानीवो अेक तीरीया फीर करगईजी म्हान कंथ हुथारोजी घोये ।१।
गोरी ये कंथ हुधारो नामील कोई नाज हुधारोजे लेये ॥ ज्यानीवो म्हेउठ सोवा म्हारी सासपा उसघबरीन लेरबूलाये गोरी ये टगटग म्हला चडगई जाणजी घरकीवो नार । २। ज्यानीवो मतकोइ बोलो कुकडा मत्तहोज्योजी परभात ॥ ज्यानीवो केसकीसाना रमरया दांतरया रंगलाय गोरी ये झटदे बोल्यो कुक्कडो या फटदेउही परभात ॥ ज्यानीवो घणतो दीना- का बीछड्या सोयरहा रंगलाय ज्यानीवो उठर कूबुदीया बूघले उसघबरीन घराये पुचाये गोरी ये बडातो घरांकी डावडी दीनवोल कीतजाये

गोरी ये खोल जनाना कापडा तुंकर मरदानाजी भेस ॥ गोरी ये कोटतलयोकर नीसरो मुखपर राल रुमाल ॥ गोरीये ओछालामी डगभरो कूनकव नरजाय गोरी ये आग देवर मीलगयो तुंभावज कीतजाय ॥ देवरवो बाबाजीरा करहा हक्या नगर डुडेरोर्जाद्या ॥ भाभिये कदका करहा उछराये कद डूंडण जाये ॥ देवरवो सइये सांजकरला उछरयापरभाते डुंडन जाये ॥ भाभी ये पकड़मंगाउ नबुतर तेरो नठेही चुकाउं न्याव ॥ देवरवो सुमरो हमारो चोदरी म्हारोजेठ बडो उमराव ॥ परणो म्हारो पातलो म्हारो सेजा चूक-सीजी न्याव ॥ देवरवो तैखाइ खाटी काकडी कोई मैखायो खरबूज ॥ देवरवो तैमोई झेटु जाटणी मैमोये लीयो रजपुत ॥



लखपत नं २८

सांवणीयांक पहलीजा मास लखपत घोडा सायेब मोलीयावो उलगाना ।१। भादुडारदूजजीं मास लखपत घुडला साहेबजीन्दीयावोउलगाना ।२। आस्योजाक अगनजी माम लखपत घुडला साहेब फेरीयावो उलगाना । ३ ।

कातीग दलजनलागी दाल छटनतो लाग्या साहेब सांठीयाओ उलगाना ।४। येजीवो बटन लागीछडोर ॥ गुंथण लाग्या सायेब ताजणा वोउलगाना ।५। गीणजण लाग्याछे दाम सीमज़ण लागी साहेब बोरीयावो उलगाना । ६ ।

हलहल हुई हलकार चलचल हुई लाखरी कोटड्यावो उलगाना ।७। दासीयेतु चढचोबारे देख लाखेजीरो साथ कीसो बण्योजी उलगाना । ८ । औरारमाथ बाईजी पचरंगपाग लालदूमाल लखपत राजवीजी उलगाना । ९ ।

औरांक करहा घुंघरमाल लखजीर करह

सांहन सांकलोजी उलगाना ।१०। दासीयेतुं चढ चोबार देख लखपत गया येक वावड्याजी उलगाना । ११ । उलंग्या बाईजी बर्णीये बणास ॥ आडा बळाय उलंगीयावो उलगाना ।१२। दासीयेतुं नगर ढुंढेरो फेर लखपतरे उर्णीयार कुलम ढुंढल्याजी उलगाना ।१३। ढुंड्या बाईजी देस परदेस लखपतरे उर्णीयार ॥ कूलमेंकोनहीजी उलगाना । १४ । येककढुंड्या बाईजी नगर बजार लाखर उर्णीयार भोल्यो डुमकोजी उलगाना ।१५। दासीयेतुं डुमडो बेग बूलाय उमग्या तो जोबन नाडटजी उलगाना । १६ । डुमडारतुं म्हारे घरचाल थान भानुती राणी चीतकरवो उलगाना । १७ । म्हेछाबाई थारे बाप दादेका हुम ॥ थेतो लागो गोत सवासणीजी उलगान । १८ । डुमडारतुं गोत कूत्रमराळ ॥ उमग्यातो जोबन नाडटजी उलगाना ।१९। दासीयेतुं तासोपाणी मेल ॥ उबटम्हाओ मोले डुमनजी उलगाना । २० । दासीयेतुं जीन्द बारा-

भात ॥ रैन्दाये घणोतो मुखाळो भोल्यो डुम-
कोजी उलगाना ।२१। दासीयेतुं म्हला दीवलो
जोय ॥ घणोतो रसीलो भोल्यो डुमकोजी उल-
गाना ।२२। दासीयेतुं फुलडा सेज बीछाय ॥
घणोतो नींदाळु भोल्यो डुमकोजी उलगाना ।२३।
दासीयेतुं चोपड़पासा राळ घणोतो खीलारी
भोल्यो डुमकोजी उलगाना । २४ । कोठेमेला
रणीयेरवाये कोठेतोमला सुवा सारंगीजी उल-
गाना । २५ । आळामेलो रणीयेरवाये ॥ खुंट्यां
टांगो सुवा सारंगीवो उलगाना ।२६। साथीभायो
करोर बीचार सोडीक म्हल दीजो जगोजी उल-
गाना ।२७। केसोडीरो दूखछ पेटक कोई आया
प्यारा पावणाओ उलगाना ।२८। साथ्यो भाईथे
ओलंग जाय॥ म्हेम्हार महल पधारस्यां ओ उल-
गाना ।२९। पोल्या भाई पोळ उघाड़ बाहरउभ्या
लखपत राजबीजी उलगाना ॥३०॥ ताळीराणी
सोडीकपास सुरज उगंता ताळा खोलसीवो
उलगाना ।३१। तोड्या लखजो सजड़कींवाड ॥

सांकळतोडी बीजामारकीजी उलगाना । ३२ ।

थळीयामे ठीमकयाछ सेल ॥ आंगणमोचा मचकीयाजी उलगाना । ३३ । डुमडारतुं भागसकता भाग ॥ बाहर उभ्या लखपत राजबीजी उलगाना ।३४। अबतोराणी भाज्योयनजाये ॥ केमरबांके मारबोजी उलगाना ।३५। अंग बीसारयोजी रोस । काढ कटारो मारयो भींतमजी उलगाना । ३६ । डुमडारतुं मांगसकेतो मांग ॥ थानतो लखपत दानदेजी उलगाना ॥३७॥

मांगा सायेब उण उणीयार ॥ आप चढणको मांग घोडलोजी उलगाना । ३८ ।

झूठा डुमडा झुठंन बोल रात रयासो मांगलेजी उलगाना । ३९ । उगंत परभात लखपत बकसी घरकी गोरडीजी उलगाना । ४० ।

डुमडारतुं जादेसां चाल ज्यांदीस थारो म्हारो को नहीजी उलगाना । ४१ । चालो सैयो देखन चाला डुमडोतो ल्यायो भोली डूमणीजी उलगाना । ४२ । नाडूमडे घर नार नाकोई

गोत सवासणीजी उलगाना ॥४३॥ राव हमीर-सीघंरी दीये ॥ लाखजी फुलाणी घरकी गोर-डीजी उलगाना । ४४ । जीनवारी जीमणहार ॥ बासीतो टुकडा भोल्या नारंजजी । ४५ । मह-लारी पोडणहार टुटीतो टपरी भोल्या नारंज-जी उलगाना । ४६ । झीरमर झीरमर बरसछे मेह ॥ टपकण लागी भोल्या झुपडीजी उल-गाना । ४७ । डूमडारतु जहां देसां चाल ॥ जहां देस लखपत राजवीजी उलगाना ।४८ । थान डूमडा देसीर दान म्हेम्हारा नैन संतोषस्यां जी उलगाना । ४९ । देख्योराणी लखजीरो रूप खायतीवालो सोडी गीरगई ।५० । डूमडारतुं हाथन लाये ॥ आजसरीकी घरकी गोरडीजी उलगाना । ५१ । पढीया गुणीया बीप्र बूलाय ॥ सोडीर मस्तकके लीखीजी उलगाना । ५२ ।

सीरलीखयो सुलतान मस्तग लीखीयो ढाडी डूमकोजी उलगाना । ५३ । मत सोडीन दीज्योजी दोस ॥ लेखछटोका थाल्या नाटल-

जा उलगाना । ५४ । धन लाखातेरी माय । उठ संवारी कूलमें गाइयोजी उलगाना । ५५ ।

झालर नं० २९

अमरजाग्या देई देवता धरतीम जागो बासगनाग ॥ झालरबाजी राजा रामकी । १ । मंड़म कालीमाता जागीया पुरीम जगंनाथ बाबो जागीया ॥ बंगलम हणुमान बाबो जागीया ॥ पीरंडम पीतर देवता जागीया ॥ मंदरम सती-माता जागीया ॥ मंडमै भैरुबाबो जागीया ॥ पाहाडम बद्रीनाथ जागीया ॥ परबतम मालकेत जागीया ॥ जांकपीठ बसै सकराये ॥ झालर-बाज राजा रामकी । २ । उठम्हारा राजीड़ा दानद्योधार हुइछ धरमकी रात ॥ झालरबाज राजा रामकी ॥ थार बाहर गाव कापडी ॥ भीतर गाव गीत झालरबाज राजा रामकी । ३ ।

कापड़ीयान कापडा गीतवालीन चुदंड उडाये ॥ झालरबाज राजा रामकी । ४ ।

भांग नः ३०

गावधणीरो सायेबा हुकम करावोजी ॥ दोये बीघाधरती दीरावो म्हारा राजन भांग पावोजी । १ । बीजातो पुरको सायेबा बीज मंगावोजी ॥ मीरगानैनारी भांगडली भुवावो म्हारा राजन भांग पावोजी । २ । सोनारुपरा दोयेहलीया करावोजी ॥ सुरवीगउका दोयेबैल मंगावोजी ॥ मीरगानण्यारी भांगडली भुवावो म्हारा राजन भांग पावोजी । ३ । दुद घहीरां दोये मसक ढ़ुलावोजी ॥ अलबेल्यारी भांगडली सीचावो म्हारा । ४ । सोनारुपेरा दोयकसीया मंगावोजी ॥ चन्दाबदन्यारी भांगडली नानाणु म्हारा । ५ । हरे बांसका दोयेछबल्या मंगावोजी चीतालंक्यारी भांग चुंटावो म्हारा । ६ । सायेबा

भरभरगाडा मंगावोजी ॥ गजगहन्यार चोबार सुकावो म्हारा । ७ । मकराणरी दोयेकुंडी मंगावोजी ॥ अगडचनणरो घोटो म्हारा । ८ । आपसरीसा दोयैछल बूलावोजी ॥ थारी प्यारी-री भांगडली घुटावो म्हारा । ९ । ल्होडीबडीरा दोयेसालु मंगावोजी ॥ मीरगानैन्यारी भांग-डली छनावो म्हारा । १० । सोनरुपरा दोये-प्याला मंगावोजी ॥ सायबा भरभरप्याला थेतो पावो म्हारा राजन भांग पावोजी । ११ । अेक पीयालो कालीमातान पावोजी ॥ अेक पीया-लो पीतरदेवतान पावोजी ॥ अेक पीयालो सतीमातान पावोजी अेक पीयालो बजरंग-बाबन पावोजी ॥ अेक पीयालो भैरुबाबान पावोजी अेक पीयालो सीतलामातान पावोजी अेक पीयालो देई देवतान पावोजी ॥ जांकी मांजलरात जगावो म्हारा राजन भांग पावो-जी । १२ । अेक पीयालो राजा रामजीन पावो-जी ॥ दसरथजीरा कुंवर रंगीला म्हारा ।१३ ।

भांग रंगीली सायेब भांग छबीलीजी ॥ भांग-डली छैलारी प्यारी म्हारा । १४ । अलीयोबो नाच्यो सायेबा पलीयोबी नाच्योजी ॥ नाच्योछ गोत कडुंबो म्हारा । १५ । झरोखां झूकजाय भांगडली ॥ भंवरजीर उगजाये भांगडली ॥ रुस्योडा मनाल्याय भांगडली ॥ सुत्योडा जगाये-ल्याये भांगडली । १६ ।

चोपड़ नः ३१

चान्द्या थारी चकमकरात ॥ जीकोई चांद्यार उजाल चोमर खेलस्या । १ । थेछो मरवण दुर-बल बापरी धीये ॥ अेजीकोई चोसरतो खेलली हाड रावकी । २ । उठयेदासी म्हला दीवलो जोय ॥ अेजीकोई कागदीया लीखभेजां हाड-रावन । ३ । ल्यावोदासी कलम दवात अेजी-कोई लिखस्या सनेसा दुरबल बापन । ४ ।

अवड छेवड लीखदी सातसलाम अेजीकोई बीचबीचतो लीखीया जांजा ओलमा । ५ । उठरै सांड्या सांडपलाण अेजीकोई कागदर पुचांदे बाबाजीर देसम । ६ । सुत्या बाबोजी सुखभर नींद अेजीकोइ ओठीतो आया डेडा वारन ।७ । बैठा बाबोजी तखत बीछाय अेजि कोई कागदीयातो राला राजाजीर गोदम । ८। कागदीयातो बाचायेन जाय अेजीकोई छातीतो फाट हीवडो उजलै । ९ । बांचा कागद बडोड जीबीर अेजीकोई बांच सुनाया वाबसायेन।१०। अेवड छेवड बांची सातसलाम बीचमतो बांचा जांजां ओलमा । ११ । सांडाभाई सांडपलाण दीनतो उगाये बाईजीर देसम । १२ । चढीया बाबोसा ढलतीजी रात ॥ अेजीकोई दीनतो उगायो बाइर सासर । १३ । उठोना पनामारु डागलीये चडदेख दलतो उलट्याया दुरबल बापका । १४। थानये गोरी सातसलाम ॥ अेजी कोई फोजाये रानीजी पाछी फेरदो ।१५।करो

ना पीयाजी थारी मायेडन सलाम ॥ फौजांतो आयोडी पीछीना फीर । १६ । थान मरवण सवा-लाखरो हार ॥ फोजातो आयोडी पाछा फेर-दो । १७ । हारज थारी बडीन पहराये म्हेतो अबजास्या ओ मारुजी म्हार वापक ।१८।

सम्पूर्ण ।



श्रीगणेशाय नमः।

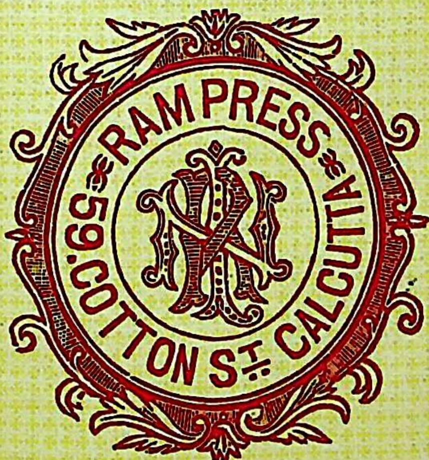
मारवाड़ी गीत संग्रह

तीसरा भाग।

संग्रहकर्त्ता—खेताराम माली झुंझनुवाला।

जिसको

रामलाल नेमाणीने अपने निजके "रामप्रेस" यन्त्रालय नं० ६७ तुलापट्टीमें प्रकाशित किया।



1924



मारवाड़ी गीत संग्रह

भाग तीसरा ।

दोहा । नमोनमो सीधीपती नमोनमो गनराय ।
बीणा पुस्तकधारणी भुल्याहरफ बताय ॥
चौ० भुल्या हरफ बताय स्हायकर पारबतीके नन्दन । हीतसे पुजाकरुं तीहारी पान पुष्पले चंदन रीधिसीधके दातार आपहो सबरे भीगन नीकंदन सीधी हीत द्वीज बद्रीलाल नीतकरै आपको बंदन कड़ा । देवोजी अरजी करोजी कबुल भुलओं चुकसुधारो । बालक मुजकुं जान दोस ददपदका टारो ॥ दुवो । दोसनीवारन करो भगतके तुमहो दीन दयाला ॥ दर्फ करो सब बीधन कहतहुं खेत

झुझनुंवाला ॥ झड़ । बालबुदी है म्हारी । सरण प्रभु लई तुमारी । कामना सुफल करोसब द्यो बीद्याबरदान बासमम हीरदै आन करोअब ॥

जकड़ी न० १

कालाकाला मीरग जंगलमें चरता मत चर माल बीराणारे वारी मेरा हाकम वारी मन भरीया तुजबीन नार अलुणीरे । १ । राजा बीन राज राज बीनराजा बीनराजा कुछराजनहीं वारी लसकरीया वारी मनभरीया तुजबीन नार अलुणीरे । २ । हाकम हुकम हुकम बीन हाकम बीन हाकम कुछ हुकम नही । वारी मेरा लटवा वारी मेरा ज्यानी तुजबीन जगत हंदरारे । ३ । कायथ कलम कलमबीन कायथ बीन कायथ कुछ कलमनही । वारी म्हारा सुरज वारी म्हारा चन्दा तुजबीन सेज बीरंगीरे । ४ । बणीयां बीणज बीणज बीन बणीयां बणीये बीन कुछ

बीणजनही। वारी दीलज्यानी वारी मेरा दीलभर तुजबीन जगत हंदेरारे। ५। बामण बेद बेद बीन बामण बामण बीन कुछ बेदनही। वारी अलवलीया वारी मेरा बालम तुमबीन सेजा सुनीरे। ६। सायब सेज सेज बीन सायब बीन सायब कुछ सेजनही वारी रंगरसीया वारी मेरा मारुजी थाबीन नार अलुणीरे। ७। गोरी रुप रुप बीन गोरी बीन गोरी कुछ रूपनही वारी मेरा राजन वारी मेरा ज्यानी तुम बिन नींदन आवेरे ॥ ८ ॥ एक पलैमें लुंग सुपारी एक पलैमें केसररे अपने पीयेकुं मनावण चाली बीच दियो पणमेसररे वारी० ॥ ९ ॥ झीरमीर झीरमीर मेहुड़ो बरसे गलीयां कीच घणरोरे एक पीलंगपर दो जणा पोडे जीनमें रही सकडाईरे वारी० ॥ १० ॥

बीजो भाणजो नं० २

खंदेतोमाटी चीकणी घड़लाघड़ेये कुम्हार। हस्तीतो घुमेराजा रुड़के चालो सैयो देखन चाल। चंदनरुंख कटायकेजी पींजर ल्योर घड़ाय। बेटीतो जलमी राजा रूड़के दीज्यो नदीये भुवाय। रानी सोरठी चम्पक वरन्यावो बीजराव आवोना घरा॥ १॥ बीजराय बसेये पहाड़मेंजी सोरठ कटका जीमाय मामीतो कागद मोकल्या घर बीजरायजीर जाय। रानी सोरठी॥ २॥ बीजराज कागद मोकल्याजी घर सोरठकेजी जाय। ओरमाम्यांने रामरमी सोरठ नेजी सात सलाम रानी सोरठी॥ ३॥ थारोतो मामुजी घरनहीं। पोल रुखालोजी आव। घर रखवाला हाली बालदी सेज रूखालोजी राख। रानी सोरठी। चम्पकबरनीजी बीजा मारू आवो ना घरा॥ ४॥ बीजराय बालद मोकलीजी

घर सोरठकेजी जाय। आदी बालदमें खोपराजी आदीमें सठवांजी सूंठ। राणी सोरठी ॥ ५ ॥

ओर माल्यांनेजी खोपराजी। सोरठ सठ-वांजी सुंठ रानी सोरठी ॥ ६ ॥ बीजराय आया देसमेंजी चीमकीजी च्यारूंकुंट। बीजराय आया बागमेंजी पाक्या दाड्डुजी दाख। रानी सोर-ठी ॥७॥ बीजराय आया कुवा बावड़ीजी निरख रही पनियार। बीजराय आया बजारमेंजी हट-वा छाइजी हाट। रानी सोरठीजी ॥ ८ ॥

बीजराय आया पोलपरजी हरखा डेडीजी वान। बीजराय आया आंगणेजी हरखा देवर जेठ रानी० ॥९॥ बीजराय आवत देखके मामी तोड़ो गलको जी हार। लोगजांणे मोती चुगेजी झकझुक करेये सलाम रानी सोरठी। केसरबर-ण्यावो बीजामारु आवोना घरा ॥ १० ॥ क्यूंकर देवांरे आसीसडीजी घरमें देवर जेठ। कांटकेमीस छुलीयाजी जीवो बीजो क्रोड़ बरस रानीसोरठी ।११।

चन्दनचोकीजी बैठणाजी दुद पखालांजी पांव। चावलरांदा उजलाजी हरीयै मुगांकीजी दाल। रानी सोरठी ॥ १२ ॥ मांडातो पोवां लब झबाजी तीवण तीस बतीस। घी बरतावां टोक- णाजी जालापरकीजी खांड। रानी ॥ १३ ॥ आ- डीतो देस्यां आडणीजी झबक परोसांजी थाल। थाल परोसे पदमणीजी नेवरके झीनकार। रानी- सोरठी॥ १४ ॥ मामी भाणजडो दोनुं जीमस्यां जी. लेस्यां बीचलाजी गास। मामीको मुख जोवतांजी गलमें अटक्योजी गास। रानी सोर ठी ॥ १५ ॥ जीमत नीरखां आंगलीजी बोलत निरखांजीदांत। मुंगफलीसीं आंगलीजी दांत दाडुकाजी बीज। रानी सोरठी ॥ १६ ॥ जीमा जुठ्यारमरयायै। मामी पोडण ठोडबताय। उंची मेड़ी हलहलीजी दीवलो चसेये मुसाल रानी सोरठी ॥ १७ ॥

ओछेजी पाया ढोलीयोजी डरडावरकीजी

सोड़ । गाल मसुरींया गींडवांजी थींरमाकीजी मुसोड़ । रानी सोरठी ॥ १८ ॥ मामी भाणजड़ो दोनुं पोढस्यांजी लाल चुड़जी गलबांय । रानी सोरठी ॥ १९ ॥ केमकेसामें रमरयाजी दांतरया रंगलाय । रानी सोरठी ॥ २० ॥ आगण मोचा मचकीयाजी थलीयां ठीमक्योजीं सेल । रानी सोरठी । हीवड़ेरा जीवड़ावो बीजा मारु आवोना घरां ॥ २१ ॥ भागसकेतो बीजा भागज्याजी आयोआयो राव खंगार रानी सोरठी ॥ २२ ॥ केमरबो केमारबोये मामी अब म्हासे भाग्योना जाय के मामेजीने लेरवां जीके बीजो जीवसेजी जाय रानी सोरठी ॥ २३ ॥ सोरठ मारचा घर डहेजी । बीजराय पुनकीजी पाल । काडं कटारो मारो भींतमेंजी अंग बीसारयोजी रोस रानी सोरठी । केसरबरणा वो बीजराय आवोना घरा ॥ २४ ॥ च्यारटकादुं गांठकाजी जैकोई ओलंग जाय । जाय बनड़ेन युंकहेजी

बीजलीयेन लेर बलाय रानी सोरठी ॥ २५ ॥ केथारा ताला तोड़ीयार वीरा केकोई करयारे उजाड़ । केथारा ताजी हरयाजी केथारा हरया हथीयार रानी सोरठी ॥ २६ ॥ नाम्हारा ताजी हरयाजी नाम्हारो करयोये उजाड़ । सोरठसागढ भेलीयाजी हीवंड़े घाल्योजी हाथ रानी सोरठी ॥ २७ ॥ बीजरायन विद्या करोजी गाडा घालो जी पुर रानी सोरठी ॥ २८ ॥ फाडेमें पत्थर पड्याजी उदर पडीजी अंगार । भरी सभामें ओलमोजी देगयो रावजी खंगार । रानी सोरठी केसर बरनावो बीजामारु आवोना घरा ॥ २९ ॥

करजोड्या सोरठ खडीजी सुनम्हारी राव खंगार । बीजरायने बेदल हुयाजी कहो येतो बूजण जाय रानी सोरठी ॥ ३० ॥ करजोड्या कयाने खड्याये सुनम्हारी सोरठ नार । जीव सुठीमें राखस्यांजी । कुसीये पड़े जहांजी जाय

रानी सोरठी केसरबरनावो बीजामारु आवोना घरा ॥३१॥ सात सख्यांरे झुमकेजी सोरठ भुजण जाय। सातसखी बाहर खडीजी सोरठ तम्बुजी माय रानी सोरठी ॥ ३२ ॥ कवोतो ओखद पछ करांजी कवोयेतो बैद बुलाय रानी सोरठी ।३३।

क्यानेतो ओखद पछ करोजी क्यानेतो बैद बुलाय। याबेदन सोरठतणीजी देखतहीं मीटजाये रानी सोरठी ॥ ३४ ॥ कहोयेतो सुरज साखद्यां जी लोटेये गालाजी लुंण। जीवतड़ा बीछड़ा नहींजी सुवायेन दीज्योजी दोस रानी सोरठी केसरबरणावो बीजराये आवोना घरा ॥ ३५ ॥

सोरठ कालीजी नागनी डसेये बटाउजी लोग। आयो बीजराये भाणजोजी लेगयो लैर लगाय रानी सोरठी ॥३६॥ सोरठ नागर बेलड़ी जी उबी ठान कुठान। बीजराय करहो हीरयाजी लेगयो जडसे उखाड रानी सोरठी ॥ ३७ ॥

सोरठ काची आमलीजी उगरही रसतेजी

माय। बीजराय बन्दर होगयोओ बीनपाक्याजी फलखाय रानी सोरठी ॥ ३८ ॥ जाइछी राजा रुडकेजी ब्याइ राव खंगार माणी बीजराय माणजे देमुंछापर ताव रानी सोरठी। हीवड़ेरा जीवड़ा वो बीजराय आवोना घरा ॥ ३९ ॥

बड़ नं० ३

योबड घेर घुमेर डालातो पाना जोबन झुकरयो ॥१॥ क्यारबनावा बडरांजी पाल क्यांर सीचावां हरीये रुखने ॥ २ ॥ घीवगुड भरावो बडरीजी पाल दुदा सीचावो हरीये रुखने ॥३॥ मतकोई तोडो बडराजी पान मतकोई सतावो हरीये रुखने ॥४॥ नणदल बाई तोड्या बडरा पान। देवरीये छीनगारे तोडी सोटकी॥५॥ नणदल बाईने सासरीये खीनाय। देवरने खीनावो राजाजीरी चाकरी। नणदल बाईने

मोतीडारो हार। देवरने परणावो म्हासे छोटी महनड़ी ॥ ७ ॥ खातीरा तु मोल चनणरो रुख काट घड़लाजे रंगरो ढोलीयो ॥८॥ आया पाया रतन जडाव। इसा ढलावो जांजा हींगलु ॥९॥

चमचीर बेज बनाय । दावण घलावो मख तुलरी ॥१०॥ सुवावरनी सोड भराय गालमसु-री गादी गींडवा ॥११॥ ढोलणीन चोबारे चढाय ढोलो मारुणी दोनु पोडस्यां ॥१२॥ खातीकारे असल गंवार जोडी जोरावर ढोल्यो सांकडो॥१३॥

सुत्यासैया नीस भरनींद बाहर हेलो भंवर कूण मारियो ॥ १४ ॥ योछैगोरी रैबारीरो पुत । करहा लदावण हेलो मारियो ॥ १५ ॥ रैबारीरा सोज्या मेरा बीररैन हंदरी करला ढालदे ॥१६॥

गहली भवड़ असल गंवार करहा लद्योड़ा अब नाढले ॥ १७ ॥ रैबारीरा सोज्या मेरा बीर रैन बीछोवा बैरीमतकरे ॥१८॥ रैबारीका होज्यो थारे रै धीय रैन बीछोवा गजबी तैंकरा ॥१९॥

सुतीसैयां नींस भरनींद जैरैजागुंतो सुती एकली ।२०। सूतीसैयां दुपटोजी ओड जैरे जागुंतो ओडा चुंनडी ॥ २१ ॥ सुतीसैयां दोयकड जोड जैरेजागुंतो सूती एकली । २२ । नहीम्हारे हीवडे परहाथ । नारे सीराणे भंवरजीरी बांहडी ।२३। नांईसैयो खुंटी भंवर बन्दुक । नारे बीलंगनी भंवरजीरा कापडा । २४ । घुडलासैया दीसे यन ठाण । नारेआंगण भंवरजीरा मोचडा ।२५।

दासीयेतुं चड चोबारे देख कुंणकुंण लदीया कुंणकुण बावड्या ।२६। लदिया बाईजी थारो ये स्याम रतन रबारीरो पाछो बावड्यो । २७ ।

पवनतुं बैरन धीमधीमे चाल उडती दीखे भंवरजीरी पावडी । २८ । कोयल बैरन मदरी मदरी बोल ज्युंचीत आवे भंवरजीने गोरडी । २९ । पान सूपारी धणरे हाथ जोसीडाने बुजण राजीडारी धणगई । ३० । कोना कोनावो जोसी पतड़ेरी बात । कद घर आसी गोरीरो सायबो ।

। ३१ । जितनाये गोरी बड पीपलरा ये पान इतणे दीनाने आसी सायबो ।३२। बालुं जालुरें जोसी पतडेरो बंद आक धतूरा जोसी थारो मुखभरुं । ३३ । पांच रुपीया धणरे हाथ । बाइ जीन बूजण राजीडारी धणगई । ३४ । कोना कोना वोबाईजी सूपनेरी बात कदघर आसी धणरो सायेबो ।३५। आसीये भावज ढलतीजी रात सूतीने भावज आन जगायसी ।३६। रांदा बाइ थानजीनवाराभात । गीरीये चुवांरा बाई थारो मुखभरा ।३७। जीमाउंवो बाई थाने बुरा जी भात थारे बीरांरी पांत जिमायस्या । ३८ ।

देस्यां वोबाई थाने मोतीडारो हार । काल तोकामको बाईथाने कांचलो ।३९। देस्यांवो बाइ थाने दिखणीरो चीर । हरे कीसबरो घाघरो ।४०।

देस्यां बाइ थारे छोटो देवर साथ । भलीये जुगतसे भेजा सासरे ।४१।

कलाली न० ४

चांद्डलो भंवरंजी चढियो गीनेगानरे । हांवो भंवरजीवो कीरती ढलआई गढरे कांगरेजी म्हाराजा । १ । सुता पनामारु सुखभर नींद । अेजींवो भंवरजीन कोइ सुपनमें देखी नारकलालरी म्हारारराज ।२। चढीया सेलामारु ढलतीजी रात हांवो मद्छकीया भंवरजी कोई दिनतो उगायो कलालीर देसमेंजी म्हाराराज । ३ ।

बूज्यो पनामारु गायारो गवाल । अेजीवो भायलोर म्हाने देस बतावो असल कलालरोजी म्हारारराज ।४। बांवो कंवरसा जासी जेसलमेर हांवो मदछकीयाजी कोई दाहाणोतो जासी देसकलालरेजी म्हारारराज ।५। बूज्यो भंवरजी मालीडारो पुत अजीवो भायलार म्हान बाग बतावो असल कलाल रोजी म्हारारराज । ६ ।

योही भंवरजी कलालीरो बाग अेजी वो बादी-
लाजी कोई आमु तो पाक्या नीम्बु रस भरा
जी म्हाराज । ७ । बूजीपनामरु पानीरी
पनियार येजी ये सहेल्योंं म्हाने पोलबतावो
असल कलालरीजी म्हाराज । ८ । याइछै भंवर-
जी कलालीरी पोल मदछकीया भंवरजी वो
कोई केलझबरख कलालीर बारणजी म्हारा
राज । ९ । पोलीडा भाई पोलउघाड अेजीरे
कोइ बाहर तो उभासमरथ पावणजी म्हारा
राज । १० । पोल खूलणरो दीखनाई जोग
अेजी वो भंवर जीवो कोई पोल्यामें सुत्यो पुत
कलालरोजी म्हाराराज ।११। खोलोना कलाली
सजड कीवाड़ हाये कलालीये कोइ बाहार
तो उभ्यो बेटोरावकोजी म्हाराराज । १२ ।
होले भंवरजी होलाजी बोल अेजीवो कंवर
जीवो कोई पोल्या म्हारो सुसरोजगेजी म्हारा
राज़ । १३ । सुमरजीने बकसावां म्हेगाव-

हांये कलाली ये कोई अेक दीलीज दुजो आग-
रोजी महाराज । १४। घुड़ला भंवरजीपाछाजी
फेर अेजी वो बादीलाजी कोई आंगण तो फुटे
म्हारो कांचरो जीम्हारारराज। १५ । आंगणा
ये कलाली रतन जड़ाय अेजीये म्हाने
लागो प्यारी ये कोई बरना डुलाद्युं जाजा
हींगलुजी म्हारारराज ।१६। होले भंवरजी मद-
राजी बोल हांचो मदछकीयाजी कोई सेजा
में सुत्यो पुत कलालरोजी म्हारारराज। १७।
थारातो भंवर न दोये परनाय अेजीये कला-
लीये म्हाने सूरत प्यारीये कोई अेक गोरीना
दुजी सावलीजी म्हारारराज। १८।

दिसे कलाली अधिक सरुप हांये छिनगा-
रीये म्हाने लागे प्यारीये कोई घाल पटामें
कलाली थाने लेचलुंजी म्हाराज। १९। पटामें
एनामारू घालो तेल फुलेल। अजी रंग रासिया
जी कोई नार पराई थारोजीव क्युं डुलेजी।

म्हाराराज ।२०। दिसेछै कलाली म्हाने रुप सरुप हांये मदभीनी प्यारीये कोई घाल नैनामें प्यारी थाने लेचलुंजी म्हाराराज ॥ २१ ॥ नैना पनाभारु सुरमेरी रेख अजी म्हारा उगता सुरजजी कोई नार छैलांरी थारो जीव क्युं डुलेजी म्हाराराज । २२ । दिसेछैकलाली प्यारी घणीये सरुप घाल गलमें कलालीने लेचलुंजी म्हाराराज ॥ २३ ॥ गलमें पनामरु कंठीडोरा पहर । नार बिरानी थारो जीव क्युं डुलेजी म्हाराराज ।२४।

दिसे कलाली धण घणीये सरुप घाल डबीमें कलाली प्यारी लेचलुंजी म्हाराराज ॥ २५ ॥ डबिया भंवरजी म्हार पचास । अजीवो बिलालाजी कोई नार पराई थारेसागे नाचलेजी म्हाराराज । २७ । दिसे कलाली आदिक सरूप घाल कड़में कलाली थाने लेचलुंजी म्हाराराज ॥२७॥

कड्या भंवरजी बान्दो भंवर कटार । अजी वो मदछाकिया ढोलाजी । कोई नार छैलारीं

थारो जीव क्युं डुलेजी म्हारारराज । २८ । दिसे कलाली आदिक सरुप हांये म्हाने लागे प्यारीये कोई घाल पगामें कलालीने लेचलुंजी म्हारारराज । २९ । पगा पनामारु मोचडा पहर । नार छैला-रीवो थारे सागे नाचलेजी म्हारारराज । ३० ।

टप्पो न० ५

पायलवाली पातली गोरी इनगालियां मत आव तेरी पायल बाजणी छैलांरो बुरो सुभाव । आस्यां जास्यां बापके दिनमें सोसोबार । छैला छाती कुटसी मेरे दिलका येही सुभाव । पायल वाली पातलीजी इतनी गरबन बोल । तेरेम्हल चोरीकरां तेरा पकड़ा पायलका पांव । दससोवे हालीबालदी दससोवे डेडीवान । रंगम्हल बिच पाडस्यां म्हारो कीसाबिद पकड़ो पांव । सोरहा हाली बालदी उगणा डेडीवान । तेरेम्हल

चोरीकरी तेरा पकड़ा पायलरा पांव । नोरंग बीराणीया ढोलो बुजे गोरडी तेरे स्यालुमें सलवट क्युं कांचुली कसढीली पडी छातियांपर छाला क्युं । रातुंदुखे पेट छैल होया म्हे लोट पलोट । हाराका छालापड़ा नाजोरा हाल बेहाल । पकड़ मंगाउं बेटो मालीको थारो कीसबिद गुंथोहार । हारा कारण छाला पड्या गोरीरो हाल बेहाल ॥ नोरंग बीराणीया मै माली बदस्याहको छैला डंडसकेना कोय । येछाला कोई छैलका म्हारे हारनै दोसन द्यो ।

जकड़ी न० ६

कोठे उपर कोटड़ी जैंपर कोयल बोली । पीव पीवकर सारीरैन पुकारी । कोठे उपर कोटडी जैंपर सेज बीछाइ । ढोलो मारुनी दोनुं पोडिया गलबांय लगाइ । आदीरात निखंडमें जोगी अलख जगाइ । बाहर जोगी जपकरे

बीछा घालोरी माई। छोड चतुर म्हारी बांहड़ी मेरो अंग पसीज। बाहर जोगी तपकरे बीछा घालुंरे ढोला। जोगीनहीं कोई जोगनुये जोगी मित्र तुमारो। योजोगी किस बखतको ये लग-वाल तिहारो। सुन ढोला सुनराजवीवो सून स्याम हमारा। योजोगी मेरे बापको बडबीर हमारा। भरथाली मोती मुंगाकी बीछा घालने आई। रमता जोगीडा रमचल्या नहीं सुरत दि-खाई। तेरी खातर जोगना मै जोगन बनजाउं। अंगमें भभुत रमायके घरघर अलख जगाउं। परबत परबतमैं फिरी जोगी कठेबीने पाया। छाला पड़गया पांवमें नैनारोय गमाया। थारी खातर जोगना सेजा स्याम रुसाया। टाबर छोड्या रोवता जोगी तोबी न पाया।

गीत जुवाको न० ७

कलकत्ता से आइयाजी लसकरिया। कोई उतरा राज। उतरा जैपुर सहरमेंजी लसकरिया ॥ १ ॥ जाय उतारी चोकमेंजी लसकरिया कोई गायक राज। गायक फिरफिर जायोजी लसकरिया ॥२॥ चातर होयतो नांलेवेजी लसकरिया कोई मुरख राज। मुरख जलद मुलायेसावो लसकरिया ।३। पहलो पासो ढालियोजी लसकरिया कोई हारा राज। हारा हस्ती घूमताजी लसकरिया ॥ ४ ॥ दुजो पासो ढालियोजी लसकरिया कोई हारा राज। हारा हेली नोलखांजी लसकरिया। ५। जुवारी थाने बरछेजी खिलदारी थाने बरछेजी जुवराज। जुवे भंवर मस खेलियोजी लसकरिया ।६। तीजो पासो ढालीयोजी लसकरिया कोई हारा राज। हारा थेली म्होर हजारकीवो लसकरिया।७। चोथो पासो ढालियोजी लसकरिया। कोई लगिया राज।

लगिया घुड़ला घुमताजी लसकरिया ।८। पांचवो प.सो ढालियोजी लसकरिया । कोई हारा राज हारा घरकी तीजुरियांजी लसकरिया ॥ ९ ॥

छठो पासो ढालियोजी लसकरिया कोई लगादिया राज। लगादिया टाबर रोवताजी लस-करिया । जुवारी थाने बरजेछी जुवराज । जुवा भंवर मत खेलियोजी लसकरिया ॥ १० ॥

न्हाल्यो धोल्यो उबटल्योजी मिरगानैणी तडके राज तडकेतो घरस्यां थाने डावपर मिरगा नैणी ।११। सातवों पासो ढालियोजी लसकरिया कोई लगदई राज। लगदई घरकी गोरडीजी लसकरिया। न्हास्यां धोस्यां उबटस्यांजी लसकरिया कोई तड़के राज । तड़केतो जास्यां म्हारे बापकै जी लसकरिया ।१२। जुवारी थाने बरजेछी जुव राज जुवे भंवर मत खेलियोजी लसकरिया ।१३।

म्हेबी पगड़ी बानस्यांजी लसकरिया कोई म्हेबी राज म्हेबीतो खेलांगा मारुजी डाव पेजी

लसकरिया ।१४। पहलो पासो ढालिया जी मिर-गानैनी । कोई जीत्या राज जीत्या हस्ती घुमता जी मृघानैणी ।१५ दुजो पासो ढालियोये मिर-गानैणी कोई जीती राज जीती हेली नोलखीजी मृघानैणी ॥ १६ ॥ तीजो पासो ढालियोजी चंदा बदनी कोई जीती राज जीती थैली म्हारकीजी मिरगानैणी ॥१७॥ चोथो पासो ढालियोजी गज गहनी । कोई जीत्या राज जीत्या घुडला घुमता ये मिरगानैणी ॥ १८ ॥ पांचवो पासो ढालियोये चीतालंकी कोई जीत्या राज । जीत्या टाबर आपकाजी मिरगानैणी ।१९। छठो पासो ढालि-योजी मदभीनी कोई जीती राज जीती घरकी तीजुरियाजी मिरगानैणी ॥२०॥ अबकेलाज म्हे-राखदीजी लसकरिया कोई आगेराज आगेने जुआमत खेलियोजी लसकरिया ।२१। जुवारी थाने बरजेछी जुवराज । जुवे भंवर मत खेलि-योजी लसकरिया ॥ २२ ॥

सजना न० ८

बैठ्या बाबोजी तखत बिछाय कागदिया तो आयाजी बाबेजीरे हाडेरावका । १ । कागद बाबाजी म्हाने बांच सुणाय केरे लीखोछवो बाबाजी कोरे कागदा ।२। कागद बाईजी बांच्या येन जाय छाती तो फाटैये बाई सजना हीवडो उज़ले ।। ३ ।। अेवड छेवड लीखी छै सात सलाम बीचमेंतो लीखीयाये बाई सजना बेग पधारना ।। ४ ।। थेम्हारा बाबाजी बेदील मत होय बारातो बरसा लगकरस्यां चाकरी ।। ५ ।। करीया सजना मरदाना भेस करहा ललकारा ये बाई सजना ढलतीरातरा ।। ६ ।। बूजो सजना गायारो गुवाल सींव बतावोरे भाइडो हाडेरावकी ।। ७ ।। याई छे ओठी राजाजीरी सींव । सालर थोड़ा येबाई सजना सरवर भो-

घणा ॥ ८ ॥ बुज्यो सजना मालीडारो पूत बाग बतावोरे मालीका राजाजीरो कुंणसो । ९ । योइछे ओठाडा हाडेजीरो बाग । आमुतो पाक्याओ ओठीजी नीम्बूरस भरचा ॥ १० ॥ रुल झुल सजना देखेछे बाग दांतण तोड्यो ये बाई सजना काचीकेलरो । ।११ ॥ सजना बुजी पानीरी पणीयार हाद बतावो ये पणीयारी हाडेरावको । १२ । योइछे सजना समद तलाव डेरातो ढाल्या येबाइ सजना समद तलावपर । बुज्यो सजना चेजारेरोपूत म्हल बतावोरे भाइडो हाडे रावको ॥ १४ ॥ योइछे ओठा राजा जीरो म्हल केल छबरख ओठीडा राजा जीरे बारने ॥ १५ ॥ भाबी म्हारे मनमें आवेरीस नैन नारीकाये याबोली बोले मरदकी ॥ १६ ॥ एकबर देवर बागमें लेचाल बेरोतो पाडो वो देवरिया नारी मरदको । १७ । नारी होय तो पड़ारीड़ाफल खाय मरद मुंछालोवा यो तोड़े

फुल गुलाबको ।१८। राजा जैमल पड़ासीड़ाफल खाय गायडमलरी सजनावो यातोड़ फुल गुलाबका ॥ १९ ॥ भाबी म्हारे मनमें आवेरीस नैन नारी काये भोजाई बोली मरदकी ।२०। एकबर देवर लेचाल समद तलाव बेरोतो पाड़ाजी देवरीया नारी मरदको ॥ २१ ॥ नारी होतो इशा तीरा न्हाय मरद मुंछालोवोयो न्हावे समद झकोलके ॥ २२ ॥ राव जैमलतो इरातीरा न्हाय । गायडमलरी सजनातो यान्हावे समदझकोलके ।२३। भाबी म्हारे मनमें आवेरीस नैन नारी काये भोजाई बोली मरदकी ॥ २४ ॥

एकबर देवर रामरसोइया लेचाल बेरोतो पाड़ोवो देवरिया नारी मरदको ।२५। नारी होतो धीरधीर जीम मरद मुंछालो तोयो झटदे जीम चलुकरे ॥२६॥ एकबर देवर सेजामें लेचाल बेरो तो पाड़ोजी देवरिया नारी मरदको ।२७। नारी होतो फलजाव मरजाय । मरद मुछालारी

सेजावो देवरिया सलवट नापड़े ॥ २८ ॥ ढोगी सजना घुडले असवार दिनतो उगायोये बाई सजना बाबाजीरा देसमें ॥ २९ ॥ उलंगी सजना समद तलाव चुडलो दिखायोजी बाइ सजना बांवे हाथरो ।३०। उठो बाबाजी ढकियो फलसो खोल बारा बरसारीवो बाइ सजनो कर आई चाकरी ॥ ३१ ॥

टप्पो न० ९

गोखाबैठी काग उडाउं उडउड काग नीमाणा भंवरजी कद आसी । बारा बरससेआयो कुमाऊडो कांई कांई कमज्या ल्याया । भंवरजी कांई ल्याया । धोती बेच अंगोछो बेचो एक रीपीयो ल्याया भंवरजी थोडोल्यायाथोडोल्याया-जी म्हारा घणां कुमाउ थोडो ल्याया । व्होडी बडी दोनुं परखणलागी खोटो निसर आयो भंवरजी

खोटो ल्याया । रहोडी ठावे सेर दुसेरी बडा उठाव पंसेरी । भंवरजीने रल कुटो रल कुटोजी म्हारे घणां कुमाउने रल कुटो । उंचो चढकर हेलोमारियो मत कोईपरनुंलुगाई भंवरजी दूखपाया । आदीरात पहरको तड़को सासु हेल्योमारिये । भंवरलाजां मरगीवो मेरा तनक मिजाजां सरमा मरगई । एक रिपीयेकी रुइ मंगाई बाजुदर धुणाईवो भंवरजी अबकातुं । अबकातुंवो मेरा उगता सूरज अबकातुं । बारा बरस में फेरो चरखलो बारा होद चिणायावो भंवरजी रलन्हावो रलन्हावोजी म्हारा स्याम होदमें मलन्हावो । बारा बरसमें चरखो फेरो बारा बाग लगाया । भंवर तुररांटागो तुररांटागो वो मेरा स्याम आप तुररांटागो । बारा बरनमैं चरखो फेरो बारा म्हल चिणायावो भंवर सेजा चालो । सेजा चालो म्हारा घणां रसीला म्हला चालो ।

जकड़ी न० १०

चालोचालोरे नगीनारे देस। सैया म्हारी ये म्हारोये पीहरीयो मारुजीरो सासरोये राज ॥ १ ॥ थेतो ढोला घोडलिया असवार पनाजी मारु म्हानेरे गुजराती बहल जुतायेद्योजी राज।२। जीढोला थेरे लेचालो साथीडारो साथ। पनामारु म्हेतो भोजायारे चाला झुमखेजी राज।

रेढोला दिनदस करोना मुकाम पनामारु आजरी गोठरा दमडा म्हे भरांवो राज। रे ढोला हंसहंस बुजांछा बात पनामारु भंवर पटामें गरदो क्युं उडेजी राज ॥ ४ ॥ रेगोरी हंसहंस मायेलांरे माय। सुन्दर गोरी घुडला ढकायो चानण चोकमेंजी राज ॥ ५ ॥ रेगोरी गयछा बुजाछां बात। सुन्दर गोरी नैना मांयलो कजलो फीको क्युं पड्योये राज। ६। जीढोला थेरेगया परदेस पनामारु ओलुंडीतो आई जुगवालारे

जीवक्कीवो राज । ७ । रंढोला हंसहंस बूजांछां बात पनाजीमारु पगडीरा पेचजढीला क्युं पड्यावो राज । ८ । हांरे गोरी गयारे भायलांरे मांय । सुन्दर म्हेतो घुडला डकाया बालु धूलमें जी राज ॥ ९ ॥ अरेगोरी म्हेबी थाने बूजाछां बात । सुन्दर थारो चन्दबाइरो चूडलोये मैलो क्युं भयोवो राज । १० । रैढोला थेईरे पध्यारा परदेस पनावोमारु ओलुंडीरे आई बादिला थारे जीवरीवो राज । ११ ॥

धोबण न० ११

उबी धोबण सरवरीयांरी पाल । हांये मने सोगन थारी ये कोई उबीतो धोवे धोबण कापडाजीराज । १ । थोड़ोसो मीजाजण म्हाने पाणीडोसो प्याय हांये मने सोगन थारीयेम्हाने

आन गलारीये कोई घणोतो तासायो पंछी दूर को जीराज ।२। म्हारोतो पानी वीसडारी बेल हांवो पना भंवरजीवो आलीजा कंवरजीवो कोई सेनर पीवे सेनर ना जीवेजीराज ॥ ३ ॥ थारा पाणी बिषडारी बेल हांये गज गहनीये कोई थारोतो परण्यो पापण क्युं जीवेजीराज ॥ ४ ॥ म्हारो परणो चतुर सुजान मने सोगन थारीवो कोई ल्हर उतारे काल नागकी जीराज ॥ ५ ॥ म्हेबीतो बणस्थां चतुर सुजान हांये म्हारी तनक मीजाजणये कोइ ल्हर उतारां चलते नागकी जीराज ॥ ६ ॥ बांदी धोबण कपडारी पोट हांये मने सोगन थारीये कोई हाथ लेईरंगरी मोगरी जीराज ॥ ७ ॥ धोया धोबण कपड़ा दोयरे च्यार । हांवो मने सोगन थारीजी कोई धोबीतो धोया पुरा हंडसेजी राज । ८ । देखां धोबण थाराजी हाथ हांये मतु वारी ये कोई गोरे हाथारे छाला पड गया

जीराज ।९। देखां मारुजी थाराजी हाथ हांवो लमकरियाजी येजीवो मनभरियाजी कांई गोरे हाथांके छाला पड़ गयाजीराज ॥ १० ॥ चालो पना मारु आपणे देस । हांवो मने सोगन थारीवो कोई थारो देसडलो म्हारो सासरो जीराज ॥ ११ ॥ थेतो चालो भायलारे साथ मने सोगन जी कीरे कोई म्हेतो म्हारी साथणीयारे झुमखे जीराज ।१२। दासीयेतुं चढ चोबारे देख हांये मने सोगन थारीये कोई कुंण मुसाफर दीखे आवतो जीराज । १३ । दीखे बाइजी लीलीरो असवार। अेजी थाने साची कहांछावो कोई एक मुसाफर दीखे आवतो जीराज ॥ १४ ॥ दासीये आयांकी भगतकराय हांये तने सोगन म्हारींये कोई हारोतो आयो छैलो दूरको जीराज ।१५। दासीयेतुंनातोपाणी मेलहांये म्हारो हुकम बजा देश । कोई उबट नव्हावो प्यारो पावणुजीराज ॥ १६ ॥ दासीयेतुं जीनवारा भात रंधाय हांये

जलेंदी करये कोई घणोंतो भुखालु प्यारो पावणुं जीराज ॥ १७ ॥ दासीयेतु म्हलां दीवलो जोय हांये तने सोगन म्हारीये कोई घणोंतो रसीलो प्यारो पावणुं जीराज ॥ १८ ॥ दासीयेतुं चोपड़ पासा राल हांये तने सोगन म्हारीये कोई घणुं तो खीलारी प्यारो पावणुं जीराज ॥ १९ ॥ थारे म्हला दीवलो न बात । हांये चन्दा बदनीये कोई थारोतो परणुं हन्देरे क्युं सोवे जीराज ॥ २० ॥ थारी दासी म्हारे सागे भेज हांये मीरगा नैणीये कोई घडलो भराद्युं चंपल्यारे तेलको जीराज ॥२१॥ म्हारी छोरी अधक सरुप हांवो मदछकी-याजी कोई कांईरे ठीकाणु थारेजीवरो जीराज ॥ २२ ॥ मीरगा नैणी ईतरी गरबन बोल । हांये छोनगारीये कोई थारेये सरीसी म्हारे डेडसे जीराज ॥ २३ ॥ मीरगा नैणी अब थारी जात बताय हांये तेरी सुरत प्यारीये कोई जात बताया ढोले पग धराजी राज ॥ २४ ॥ पना भंव-

रजी धोबीड़ारी धीय हांवो थाने साची कांछा जी कोई बडरै घराका धोवा कापडाजी राज ॥ २५ ॥ मिरगानैणी आयो थारी आस पजोय। हांयें मनेसोगन थारी ये कोई हांये हतियारीये कोई आस निरास्यो गजबण तैं करो जी राज ॥ २६ ॥

उमादे न० १२

बाड बिचालेये उमादे रानी पीपली । जैंकाछे अडबड पान एकजपतोये उमादे रानी तोड़ियो चुये चुये पड़ेये मजीठ ॥ १ ॥ जैमेंतो चीरजये उमादे रानी डबोईयो योतो राच्योछे चुरट मजीठ । चीरज बाडजेये उमादे रानी सुकाइयो चीर झपैंझप जाय । चीलज सालये उमादे राणी सुकाईयो । सालप वासाज्ञा लेये पहलीतो पडीजी उमादे रानी पगधरो । झमरख दीवलोजी हाथ

दुजीतो पेडीजी उमादे रानी पगधरो दांतण झारीजी हाथ। अनानीतो पेडीजी उमादे रानी पगधरो। भोजनीयारो थालज हाथ। चोथी तो पेडीजी उमादे रानी पगधरो। पानारी डबीयेज हाथ। पाचवीतो पेडीये उमादे रानी पगधरो। गणेरो डबोजीहाथ। छटीतो पेडीये उमादे रानी पगधरो तीलारो बुगचोजी हाथ। सातवीतो पेडीये उमादे रानी पगधरो। रपट म्हलकेजी मांय। गुठड़ोतो मोड़ नोकुंटीरो राव जगाड़ियो जागो जागो भंवर सुजान। थेतो घरजा-बोये उमादे रानी आपके। म्हारेतो म्हलांये कीसतुरी दासी रमरही। टगटग म्हलांजी उमादे रानी उतरी जडियाछे सजड किंवाड। [illegible] मनावेजी म्हाराज पीरोत पधारिया भठीयाणी रानी खोल किंवाड़। चोकीतो चावेलवो म्हारा राज पीरोयत बैठणा म्हारो नाय मना[illegible]जी होय। दुजे मनावेजी म्हारो सुसरो बडेरा

आइया भवड म्हारी खोल किवाड़। थेघर जावोजी म्हारा सुसरा बडेरा आपके म्हारो नाय मनावोजी होय। आगण मनावोजी नोकुंटी राव पधारिया भटियाणां राणी खोल किवाड़। थारे तो म्हलावो किसतुरी बांदी रमरहीजी म्हारो नाय मनावोज्ञा होये। राणीरा जायाये नोकूंटी राव कुहावसी बान्दीरा जायाये गुलाम।

मरवण न० १३

मरवण म्हारीये आज ढलंती रात भुण चरैक्या जीलती म्हे सून्याजे मरवण म्हारीये दोय चळ्ळ पानीडो म्हाने पाय। घणोतो तीसायो पंछी दूरको। सुमरांजी वो कोनी म्हारे च्रडसरलाव। नाकोई किल्या म्हारे बारिया ॥ २ ॥ मरवण म्हारीये लावणियांरी करजोथे लाव्र। धाबालिया रो करल्यो थेतो चडसलो ॥ सुमरां जीवो

पिवोना थे समद झिकोल म्हारेतो नैनारो पाणी लागणो ॥४॥ मरवण म्हारीये भरीयाज तीनुये थोक खेलर कोठा अगनी पावटी ॥५॥ मरवण म्हारीये छीकीयाछ तीनुज थोक चाकरतो बाबर मारुजीरो करहलो ॥६॥ मरवण म्हारीये दिखेतुं अधिक सरुप घाल नैनामेंये झिलतीने लेचलुं ।७।

समराजीवो नैना थारे सुरमोजो सार। नार पराईवो सागेजी नाचले ॥ ८ ॥ मरवण म्हारीये दिखेतुं आधिक सरुप घाल गिडदमें झिलतीने लेचलु ॥ ९ ॥ समराजीवोथे गिडदमें घालो तेलं फुलेल नार छैलारीवो सागेजी नाचले ॥ १० ॥

मरवण म्हानेये दिखेछे घणीये सरुप। घाल मुखड़में गजबण लेचलुं ॥११॥ समराजीवो मुखड़े थारो चाबो नागरपान नार चतुरांकी वों सागे नाचलै ।१२। मरवण म्हारीये दीखम्हाने अधिक सरुप घाल मुठडी मैंये झीलतीने लेचलुं ॥१३॥

समराजीवो मुठडी थारी म्हार पचास।

नार पराई वो थारीजीको नहीं ॥ १४ ॥ साथी भायोरे झुल झुल रैया कांइ झांक। जाबतो करे छेरे जालम जाटणी। १५। समराजी थे लोना बांह मरोड बैठ्याल्यो करहेपर झीलतीने लेचलो ।१६। समराजी थारा करहा हलवां हांक चुडलो तो मुलछैव्हे हस्ती दांतरो ।१७। मरवण म्हारीये मुलछतो मुलबा जी देय ओर चीतराद्युं म्हार पचासरो ॥ १८ ॥ समराजीवो थारे करलाने धीरे धीरे हांकै गरदभेरछवो लाखीलोबड़ी ।१९। मरवण म्हारो भरछतो भरबाजी देय ओर रंगादुं म्हारी पचासकी ॥ २० ॥ समराजीवो ये कूण्याजीरा कांकड खेत कुण्यारा करहा रलभिल चररया ।२१। मरवण म्हारी सुसरेजीरा कांकड खेत। बाबैजीरा करहा रल मिल चररहा ।२२। मायड म्हारीये ढकियातो फलसा तुंखोल पगांतो पड़छे पुंगल पदमणी। २३। समराजीथे पाछा फिरकर देख बादल उलट्याछे वो जगपत जेठका ।२४।

समरारेतैं कांइ दोडो धाड कांईतो मुक-लावो गजबी मारियो ।२५। मायड म्हारी ना मैं दोडीछेधाड सिररैतोसाटे ल्यायो पदमणी ।२६। जेठजी म्हारा कांटे धरकर तोल। राईतो घटैना जेठजी तिल बधै । २७ ।

जैतल न० १४

रावरतन सींघ जाइछै धीय जोसीड़ाने पुछण बाईरी भुवा गई । १ । कोना कोनावो जोसी पतड़ेकी बात किंस वो नखतर बाई जलमियाजें । २ । जलमीये बाई बार सुबारी नाम कढावो बाईरो जैतलीजे । ३ । एक बरस की या हुई राज कुंवार दुदोतो पिवे बाई जैत लीजे । ४ । दोय बरसकी हुई राज कुंवारी पालणेतो झुल बाई जैतलीजे ।५। तीन बरसकी

या हुइ राजकंवार। थलीयां उलंगे बाई जैत-
लीजे।६। च्यार बरसकी हुई छै राज कंवार
सखियां में खेले बाई जैतलीजे।७।पांच बरस
की हुई राजकंवार गुडीयां तो खेले बाई
जैतलीजे।८। छठे बरसकी हुई राजकंवार
बागांतो झुले बाई जैतलीजे।९।सात बरस
की या हुई राजकंवार। अरज गुजारे बाई
जैतलीजे।१०।बाबलवो बाबल मोये परणाय
म्हारेतो जोड़की कहिये सासरेजी।११।झुठी
लाडो झुठन बोल॥ थारेतो जोड़की झुले
पालणेजे।१२। फिरिया फिरियाये बाई देस
परदेस थारो जोड़ीको कुलमें को नहीजे।१३।
म्हाने ढुंडावो बाबाजी देस परदेस म्हारी जोड़ा
रो जगपत राजवीजी।१४।जगपत कहिये
बाई मोटाजीराव। मोटोतो मांगे बाई दायजो
॥१५॥ थेढो बाबाजी मोटाजीराव। मोटाई
देस्यो बाईने दायजो॥१६॥ आला गिलावो

बाबल बांस कटाय तोरण थाम्भ रुपायदो ।१७। पाटुतो सुतुवो बाबल तणीयै खींचाय । पाना फुलसैं मंडप छाय दोजे ॥ १८ ॥ पढिया गुणीया वो बाबल बीप्र बुलाय हल हथलेवो जुड़ाय दोजे ॥ १९ ॥ लांबा तीखा खरड बिछाय आ-योड़ा सजन बैठाय दोजे ॥ २० ॥ पैलो फेरो लियो राजकंवार ॥ मांगले बाई जेतल दायजो ॥२१॥ दूजो फेरो लियो राजकंवार ॥ मांगलो बाई दायजोजे ॥ २२ ॥ देस्यां देस्यांये बाई हस्त्यारी घूम ॥ करहातो देस्यां बाईने रलकताजे ॥२३॥ देस्यां देस्यां ये बाई तील पचास आंगीतो देस्यां पुरीडेडसेजे ॥२४॥ देस्यां देस्यां ये बाई पीलड़ी म्होर रुपयातो देस्यां बाईने डेडसेजे ॥ २५ ॥ हस्तीतो घोड़ा वो बाबल घरही घणा । म्हारे मन लागी दासी मनहटीजे ॥२६॥ देस्यां देस्यां ये बाई मनहटीरो दान ॥ क्युंरे पीसतावो बाई जीवमें जे ॥ २७ ॥ आगेतो चाली बाई जैतल

देशी ज्यान । बीच बिच्चाले दासी मनहटीजे ।२८।
जेठ बड़ेकी बेटीरो ब्याव बाईवो जैतलदेने कोको आइयोजे। २९ । थारोतो लुगायोये सैथो याकांई रीत काकण डोरा चाली रत जगजी ।३०। काखल मुडलो हाथज सोड । जेठ बड़ेके चाली रत जगजी । ३१ । सुंण सुंणये दासी द्यां थाने सीख । दीवलो मत जोई म्हारे म्हलमेंजी । ३२ । सुंणसुंणये दासी द्यां थाने सीख पगल्या मत चांपी मोटे रावकाजे ।३३। सुंणसुंणये दासी द्यां थाने सीख । बीडलो मत झली पान पचास कोजे । ३४ । खोलजडबल्या करच्या सिणगार । बाला वालामें मोती पोलियाजे ॥ ३५ ॥
जेठ बडेके सात बरसकी धीय । काकी थारे म्हल दीवो जगेजी ॥ ३६ ॥ कांई राजाजीरो दुख लाग्यो पेटके कोई आया समरथ पावणाजे । ३७ । ना कोई राजाजीरो दुखेछे पेट । नाकोई आया प्यारा पावणाजे ।३८। डाक्या बला उलंग

पीछतो खड़ीछे बेटी रावकाजे । ३९ । सुणसुणये दासी मेरीये बात । दीवलो क्युं जोयो म्हारे म्हलमेंजे ।४०। सुणसुणये दासी दीछी थाने सीख पगल्या क्युं चांप्या मोटे रावकाजे ।४१। सुणसुण ये दासी असल गंवार । बीड़ो क्युं झल्यो पान पचासकोजे । ४२ । कायथडारो बेटोये बुलाय । कागदिया लिखभेजे म्हारे बापने ॥ ४३ ॥

तालातो कुंजी बाई जैतलदेर हाथ। घरकी तो मालक दासी मनहटी । ४४ । कहोतो मारां बाई थारोज देस । कहोतो मारा जगपत राजबीजे ।४५। देसडलोतो मारयां बाबल दुनिया रुलजाय। जगपत मारयां बाई धुवागणीजे ।४६। मारो मारोवो जामी मनहटडी नार । मार टंगावो गडरे कांगरे ।४७। मारीछै मनहट कियो घमसान । मार टंगाई गडरे कांगरे ॥ ४८ ॥

पैलीतो हुई म्हारी नानीरी सोक । पाछेतो हुई म्हारी मायकी ।४९। अबतो हुई बाई जेतल

देरी सोक । मार टंगाई गडरे कांगरेजे ॥५०॥
जनज्यो जनज्योये लुगायो जेतल सरीसी धीय । सोक छुटावे नानी मायकीजी ।५१। गुड बिनाये लुगायो कीसडी चोथ । बाइवो जैतल बिन किसो रातीजुगो जे ॥ ५२ ॥

चारण न० १५

चन्द्या तेरी चकमक रात । नणद भोजाई रंग घोलियोजी म्हारा राज । १ । मांड्या भावज दोनुंजी हाथ चारण मांडी चीटली आंगलीजी म्हारा राज । देखां भावज थारा दोनुं हाथ । म्हारी दिखांवा चीटली आंगलीजी म्हारा राज । ३ । राच्या भावज थारा दोनुंहाथ घणीये सुरंगी आंगलीजी म्हारा राज ।४। जेथाने चारण म्हन्दीरो चाव । जाय जाचोना राजा गोन्दनजी

म्हाराराज । ५ । रलकी चारण मांजल रात । दिनतो उगायो राजाजीर देसमेंजी म्हाराराज । ६ । बुज्यो चारण गायारो गुवाल देस बतावो राजा गेन्दकोजी म्हाराराज ॥ ७ ॥ योइछ चारण राव गेन्दको देस । सालर थोडा सरबर भोघणाजी म्हाराराज । ८ । बुज्यो चारण मालीडारो पुत । बाग बतावो राजाजीरो कुणसोजी म्हाराराज ।९। योई चारण राव गेन्दरो बाग । आमुतो पाक्या नीम्बू रसभरयाजी ।१०। बूज्यो चारण चेजारारो पुत । म्हल बतावो राजा गेन्दकोजी म्हाराराज ।११। योईछ चारण राजाजीरो म्हल । अजब झरोखा छजा झुकरयाजी ॥१२॥

सोवन चीटियोजी हाथ टगटग म्हला चारण चढगईजी म्हाराराज ।१३। बैठ्या राजाजी तखत बिछाय चारण जामुजरो करयोजी म्हाराराज ।१४। मांड्यो चारण चोसरहंदो ख्याल । राजाकी रानी पासा रालीयाजी । १५ । लगिया

चारण गलेरोजी हार। राजारी राणी लगादियो पीवनेजी। १६। हारी चारण गलेरोजी हार। राजांकी राणी हारी पिवनेजी म्हाराराज ॥१७॥

पैली पहरकीजी रात द्योना भायली म्हारा पिवनेजी म्हाराराज।१८। दुजे पहरकीजी रात देवोना म्हारी भहना सिरको सायेबोजी म्हारा राज।१९। तीजे पहरकीजी रात द्योना बैरणती म्हारा पिवनेजी म्हाराराज ॥२०॥ चोथे पहरकी यारात देना सोकणती म्हारा पिवनेजी म्हारा राज। २। कैतोदखो बार तिव्हार। कैतोदखो घुडला फेरतोजी म्हाराराज।२२। रलकी चारण मांजल रात। दिनतो उगायो बावेजीर देसमेंजी। २३। उठोना भावजडी म्हारी जडियो झांटो खोल बाहर उब्या प्यारा पावणाजी म्हाराराज। २४। म्हेतो हंसबोल्या बोईजी बोल। म्हारतो बोलासें थारो घर बस्योजी म्हाराराज॥ २५ ॥

बोलज भावज मुरखडाने बोल। चारण

सुरग्यानण बोलीना सहेजी म्हारा राज ॥ २६ ॥

उमराव।

कुंणचीज काचीभली कुंणपाक्या गुणदे। कुणसुखी परदेसमें कुणघरा सुखलेजी मारुजी थेछो चातर भेदबतावो मेरीज्यान। १। महलां काची गोरडी बनकाची बनराय। महल सुरंगा नारसे। कचिया फुल लहराय जीप्यारीजी मेरो हंसके मनडो मोयो मेरी ज्यान। २। पाकी कली अनारकी पाक्या नागरपान। पाक्या आम मतीरिया बीरज पक्या नर मानजी इतना काचा तोड्या बीगड़े मेरी ज्यान। ३। सायर चात्रग नारहो जीसके घरसुख जान। जिसके कुटला नारहो सुख परदेसा मानज़ी प्यारीजी प्रीतं पर पुरसांसूं लावे मेरीज्यान। ४। कुंणत्रखत

जाडो भलो । कुंण बखत गरमाव। कुण बखत बरखा भली । चात्रग हाल बताव । जी मारुजी थारी बुद्धि सजल बतावो मेरी ज्यान । ।५ ॥ सुखसेजाहो गोरडी। जाडो भलो लखात। रलमिलके बतियांकरे चोसर खेले साथजी प्यारीजी गरमी पिया प्रेमरस प्यावे मेरी ज्यान । ६ । जोबन जोर अंगहो करे पपीहा केल । पीवसंग पोडे कामनी कर छतियासुं मेल जी प्यारीजी लागै चतर चोमासो प्यारो मेरी ज्यान । ७ । आवो पोडो बालमा करो रंग मनभाव । जी प्यारेजी धणने हीवडेके लिपटावो मेरी ज्यान । ८ । उमराजीवो रसिया ॥

सम्पूर्णम्।



कलकत्ता ६७, काटन ष्ट्रीट 'रामप्रेस' में शिवप्रसाद नेमाणी द्वारा मुद्रित ।

श्रीगणेशाय नमः ।

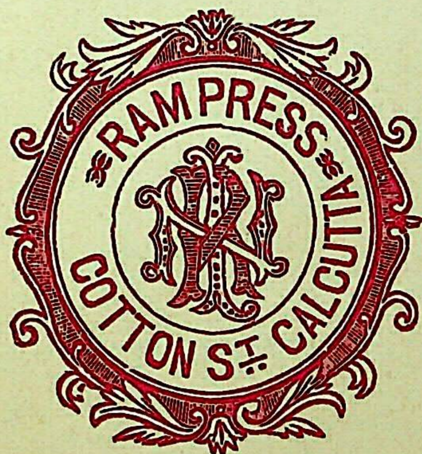
मारवाड़ी गीत संग्रह ।

चौथा भाग ।

संग्रहकर्त्ता—खेताराम माली झुंझनुवाला ।



जिसको
रामलाल नेमाणीने अपने निजके "रामप्रेस"
यन्त्रालय नं० ६७ तुलापट्टीमें
प्रकाशित किया ।



यह किताब रेजष्टरी हुआ है

1926.

दाम ।)

श्रीगणेशाय नमः।



मारवाडी गीत संगृह।

चौथा भाग।

दोहा। जै जै जै संकर सुवन जै जै देव गनेस।
जै जै जै मेटो भिगन जै जै हरो कलेस॥

चौबोला। जै जै हरो कलेस आदहम गणपतं तोया मनावत। जै जै सेस महेस सारदा नारदादि यस गावत। जैजै टारो दोस होसद्यो हम विद्या-बर चावत। जै जै पान पुष्प और मोदक तुमरी

भेट चढ़ावत। झड़। जैयती जैजै गनदेवा। करत सब सुर नर सेवा। जैयतीजै भिघन निवारो। जैजैजै कह बद्रीलाल द्विज सरनु लियो तिहारो।

उमराव नः १

प्यारी पीहर जात है हमसे नेह तुड़ाय। किस बिदमैं मुखसे कहुं प्यारी बेग सिधाय। एजी प्यारीजी म्हारे मुखसे कही न जावे मेरी ज्यान।१। उमरावजी जो रसिया। प्यारी प्रीत निभायदे अदबिचमें मत तोड़। कतवारीके तार ज्युं ज्युटुटे ज्यु जोड़। एजी प्यारीजी म्होबत ओड़ लंगानी. चैये मेरी ज्यान।२। उमरायजी। चन्द्वदन मृगलोचनी स्रव सुखकी खान। जों

बसहो मेरा तुजे परतनदेउं जान। एजी प्यारी
जी अबकुछ जोर चलेनही म्हारो मेरीज्यान। ३।
प्यारी तेरा मुख चन्द है मेरा नैन चकोर। चन्द
बदन दिखलापरी लिया मेरा मन चोर। एजी
प्यारीजी मनडो मेरोतैं बस कीन्युं मेरीज्यांन। ४।
प्यारी तेरे रूपकी सोभा कही न जांय। तुंचम्पा
ज्युं खिल रही मैं भंवरो रह्यो लुभाय। एजी
प्यारीजी अब मत काचीकली लकोवे मेरी
ज्यान। ५। उमरावजी वो रसिया हुसंन
चिमनमें पक रह्या नीम्बुआ आम अनार।
चुसणदे रसकस मुझे है दोदिनकी भार। एजी
प्यारीजी पाछे ये फल सब गलजावे मेरीजान। ६।
प्यारीरूप अथाह है जल समद झकोरा खाय।
मृगत्रसना ज्युं मैं फिरूं अब तो प्यास बुझाय।
एजी दिल ज्यान अबतो तनकी तपत मिटादे

मेरीजान । ७ । प्यारी यारी करत सब करनही जाने कोय । ओड़ लंगावे दोस्ती सच्चा आसक होय । ओजी प्यारीजी कठीन है रीत प्रीतका धारा मेरी जान । ८ । उमरावजी वो रसिया । प्यारी तेरे हुसनपर मैं होरहा लवलीन । मैं तुजबिन ऐसा दुखी जैसे जलबिन मीन । एजी प्यारीजी मीनतो बिना नीर मरजावे मेरीजान । ९ । रूपांपर गरबातहै मुरख नारी जान । जुलम बाण कसमारती चंचलनार सुरज्ञान । एजी प्यारी बाम्फट आसकको मनमोवे मेरीज्यान । १० । उमरावजी वो रसिया । प्यारी तेरे रूपपै मैं जबसे कूरबान । तैं हंसके पुछा नहीं मेरा कबी बयान । एजी प्यारीजी अबतो दिलमें दया बिचारो मेरीजान । ११ । उमरावजी वो रसिया । दिल मेरेमें मैं परी ध्यान धरूं

दिनरात। नांव सुना जब जानका मेरा दिल घबरात। एजी प्यारीजी निसदिन भुख नीन्द सब त्यागी मेरी जान। १२। आसक प्यासा प्रेमका दरसन नार पिलाय। प्यादे प्याला प्रेमका नाहक मत तरसाय। एजी मिरगानैनी अरजी पेसकरो अबम्हारी मेरीजान। १३। प्रीतकरीसो जानके तजमती अब मोय। प्रीत करी निरभी नहीं दियो जमारो खोय। एजी प्यारीजी प्रीतका दरजा सबसे आला मेरी ज्यान। १४। प्यारी अबतु बिछरसी गेर प्रीतको फंद। हंसहंस हुसन लुटावती नेह कियो अब मंद। एजी प्यारी जी कैसे प्रीत अदबीच तोड़ी मेरीज्यान। १५। प्यारी तेरे दरस बिन नहीं सबुरी होय। जैतुं बिछ रेगी परीये नैन मरेंगे रोय। ए प्यारीजी

जीवडो किसबिद धीर धरेगो मेरीजान । १६ । प्यारी मोय तड़फत तजा धरु ँकिस तरां धीर। कुण सुने दुखकी बिथा नैना जारी नीर। एजी प्यारीजी म्हारो नाजक जीव घबरावे मेरीजान। १७ । प्यारी मुझसे बीछरी जरत ब्रहमेजान। ऐसा जुगमें को नहीं परी मिलावे आन। एजी प्यारीजी आपबिन ब्रहानल तनतावे मेरी जान। १८। भली निभाई दोस्ती चन्दा बदनी नार। अदबिचमें धोखो दियो हिवड़े वहे कटार। एजी प्यारीजी मेरो मनडो पलमें हर लियो मेरीजान। १६। हांये बिछोवाहै बुरा बुरा प्रीतका कार। प्रीत बुरी है जगतमें करती प्रीत खराब। एजी पीयारीजी प्रीतती सुरा ओड लंघावे मेरी जान। २०। प्यारी तेरे इस्कमें पलभर पड़े न चैन। दरसन तेरेबिन परी मैं

दुखिया दिनरैन। अरे पियारीजी निसभर नैना नींद न आवे मेरी ज्यान। २१। प्यारी तो पीहर गई उठे कलेजे सुल। पैली मैं जानी नहीं प्रीत करी मैं भुल। एजी पियारीजी तुजबिन मुजकूं सबरन आवे मेरी ज्यान। २२। सूरत बेग दिखा परी क्युं गई दिलसे भूल। मिलना है जुगमें भला बिछरन मरण संतुल। एजी पियारीजी बिछरा साल जुदाई साल मेरी जान। २३। पियारी प्रीति लगायके गई हमें छिटकाय। जीव पापीना संग गये बैठरह्यो पिसताय। एरी दिलजान मन मुरख नहीं कदर पिछानी मेरीजान। २४। प्रीत निभानी है कठीन प्रीति करो मत कोय। प्रीति करी निरभी नहीं तो प्रीति करयांके होय। एजी दिलदार प्रीतिकी रीत कठिन है भारी मेरीजान। २५।

प्यारीकी बोली मुजे हरदम आती याद। चितसे पलकन उतरे नाजोका संवाद। एरी मृगानैनी थारी बोली घणी रसीली मेरीजान।२६। हांय परी जीव लेगई संगन लेगई मोय। मिले बिना दिलदारके जीना किस बिद होय। एजी मृगानैनी तुजबिन पलपल बरस लखावे मेरीजान। २७। प्यारी प्रीति तोड़गी करगई मोय निरास। बिना तेरे दीदारके मेरो चित्त उदास। एजी प्यारीजी अबतो जलदी दरस दिखावो मेरीजान।२८। चन्दबदन मृगलोचनी गजगहनी म्हमंत। दूरदेसमें जायके बैठी होय नींचन्त। एजी सुन्दर धण म्हारो तुजबिन जीवन लागे मेरी जान। एजी दिलदारजी ये गोरी।

पियारी आई आज घर जीवडो रह्यो लुभाय।

जुगभर घड़ी लखावती पलपल बरस लखाय। जी म्हाराज सूरजथे जलदी छिपज्यावो म्हारारराज । ३० । अब बिलम्ब नेक न करो छिपो सूरज म्हाराज। आप छिप्यां सारासरे मनमेरेका काज। जी म्हाराज मैं पियारीकूं कंठ लगाउं म्हारारराज । ३१ । पियारी आई म्हलमें गेरी गलबिच बांय। रमी पियारी सेजमें दी सब तपत मिटाय। एजी पियारीजी म्हारे हीवड़े करी सिलाई मेरी ज्यान । ३२ । पियारीजी सबजानतुहे प्रीत रीतकी सार ; ओड़ लंगादे प्रीतकूं अब मत बीछड़ी नार। एजी मृगनैणी म्हाने छोड़ कठे मत जाई मेरी जान। ३३ । मनस्या सब मेरी भरी रम्या परी संग ख्याल। रंगढोलो रंगमें कियो दिखा कोक की चाल। एजी चंदाबदनी सागे सुखसे निसा बिताई मेरीजान। ३४ । खूसहो खेली सेजमें चिता

लंका बाम। तनकी सब दुबद्या मिटी कहते खेताराम। जीम्हाराज माली म्हर झुंजणुंवाला म्हाराराज । ३५ ।

दारूडी नं० २

दारुड़ी दाखांरी म्हारे छैल भंवरजीने थोड़ी थोड़ी दीज्याये दारुडी। १। ओलेये म्हारी सौक कलाली म्हारो बाजुबंद गणोराखोये। आवेलो म्हारो मदछकियो बनडो ज्याने थोडी थोडी दीजोये दारुडी। २। ओलेये म्हारी सौक कलाली म्हारो टडो गणो राखोये। आवेलो मदछकियो भंवरजीने थोडी थोडी दीजोये दारुडी। ३। ओलेये म्हारी सौक कलाली म्हारो टेवटो गणों राखोये। आवेलो मदछकियो भंवरजीने

थोड़ी थोड़ी दीजोये दारुडी । ४ । ओलेये म्हारी सोक कलाली म्हारी बिंदली गणे राखोये आवेलो मदछकियो भंवरजीने थोड़ी थोड़ी दीजो येदारुड़ी। ५ । ओलेये म्हारी सौक कलाली म्हारी नथली गणे राखोये। आवेलो मदछ-कियो भंवरजीने थोड़ी थोड़ी दीजोये दारुड़ी। ६। ओलेये म्हारी सौक कलाली म्हारी हंसली गणे राखोये आवेलो मदछकियो भंवरजीने थोड़ी थोड़ी दीजोये दारुडी। ७। ओलेये म्हारी सौक कलाली मेरी बेसर गिरवे राखोये आवेगो सेजांरो भंवरो जीने थोडी थोडी प्याजेये दारुडी । ८। यालेये म्हारी सौक कलाली मेरी पायल गिरवे राखोये। आवेगो दिलजानी भुंरो जिने थोडी थोडी पियाजेये दारुडी। ६।

ढफ नं: ३

आळ्योजी पियाजी म्हाने महमद घडायद्यो आळ्योजी पियाजी म्हाने महमंद घडायेद्योतो रखडी घडाद्यो पिया अबकी घडीरे पलककी घड़ी ढफ कायेको । आळ्यो ढफ कायेको बजावो बालम रसिया ढफ कायेको । १ । धिमा धिमा बाल गोरी महंमद घडायेद्युं । धिमा धिमा बोल गोरी महमंद घडायेद्युंतो रखडी घडाद्युं गौरी अबकी घडी ढफ कायेको । २ । थारो ढफबाजे म्हारो इन्दरगढ़ गाजे । थारो ढफबाजे म्हारो इन्दरगढ गाजेतो सुती नार चिमक जागे ढफ कायेको । ३ । आळ्योजी बालम म्हाने कुण्डल घडायेद्योतो झुटणा घडाद्यो पिया अबकी घडी ढफ कायेको । ४ । धिमा धिमा बोल गौरी कुण्डल घडायेद्युं । धिमा धिमा बोल गौरी कुण्डल

घडायेद्युं तो झुटणा घड़ाद्युं गौरी अबकी घडीरे पलकको घड़ी। ५। आछ्योजी बालम म्हाने गलपटियो घडायद्यो। आछ्योजी बालम म्हाने गलपटियो घड़ायद्योतो कराठी घड़ाद्यो पिया अबकी घड़ीरे पलककी घड़ी ढपकायेको। ७। धिमा धिमा बोल गोरी गलपटियो घड़ायद्युं धिमा धिमा बोल गौरी गलपटियो घड़ायद्युं तो कराठी घड़ाद्युं गौरी अबकी घड़ीरे पलककी घडी तो राखुं म्हारी पियारी घणाने जीवकी जड़ी ढफ कायेको। ८। आछ्योजी बालम म्हाने बाजु बन्द घड़ायद्यो। आछ्योजी बालम म्हाने बाजु बंद घड़ायद्योतो टड्डा घड़ाद्यो पिया अबकी घड़ीरे पलककी घडी। ६। धिमा धिमा बोल गौरी बाजु बन्द घड़ायद्युं। धिमा धिमा बोल गौरी बाजु बन्द घडायद्युं तो टड्डा घडाद्युं गौरी अबकी

घड़ीरे पलककी घड़ी ता राखुं म्हारी प्यारी घणाने जिवकी जड़ी ढफकायेको। १०। आछ्योजी बालम म्हाने गजरो मंगायद्यो। आछ्योजी बालम म्हाने गजरो मंगायद्योतो चुडलो चितराद्यो पिया अबकी घड़ीरे पलककी घड़ी ढफकायेको। ११।

पिचकारी नः ४

माथाने मंहमद अधिक बिराजे। माथाने मह-मंद अधिक बिराजेतो रखडीरी छवि न्यारीजो गोरोके बदन पर कुंण मारी पिचकारीजी नाजो के बदन पर। १। जिन मारी जिन मोय बतावो जिन मारी जिन मोय बतावो तो नातर मैं दुंगी गारीजी। गोरीके बदन पर। २। सासुको जायो बाईजीरो बीरो। सासुको जायो बाईजीरो

बीरोतो राजन मारी पिचकारीजी सुन्दरके बदन पर ॥ ३ ॥ भर पिचकारी मेरे मुख पर मारी। भर पिचकारी मेरे मुख पर मारीतो भिज गई चम्पा साड़ीजी गोरीके बदन पर। ४। कानांने कुंडल अधिक बीराजे कानांने कुंडल अधिक बीराजेतो झुटणांरी छबि न्यारीजी गोरी के बदन पर ॥ ५ ॥ गलेने सतलड़ी अधिक बिराजो। गलेने सतलड़ी अधिक बिराजेतो कंठोकी छबि न्यारीजी। गोरीके बदन पर। ॥ ६ ॥ कायेंकी पिचकारी कायेकी डांडी। कायेकी पिचकारी कायेकी डांडीतो कायेकी गुलक्यारीजी। गोरीके बदन पर ॥ ७ ॥ सोने की डांडी रूपेकी पिचकारी। सोनेकी डांडी रुपे की पिचकारी तो केसरकी गुलक्यारीजी। गोरीके बदन पर ॥ ८ ॥

बंगलो न: ५

जानी म्हारा माथाने महमंद ल्याव रखड़ी घड़ाद्यो जी म्हारा भरतार॥ १॥ ज्यानी थारो बुंगलो कीतीयेक दूर आता जाता हारग्याजी म्हारा भरतार॥ २॥ गोरी म्हारी बैलजु पाद्यु दोय च्यार। नाजो म्हारी रेलांबैठी आवोये म्हारी घरनार॥ ३॥ ज्यानी थारे बिचबहे दरियाव गोदी कर लेचालोजी म्हारा भरतार॥ ४॥ गोरी म्हारी भाइये भतीजा म्हारे साथ लाजा मत मारोये म्हारी घरनार॥ ५॥ ज्यानी म्हारा भाइये भतीजा छिटकाय। गोरीको मन राखोजी म्हारा भरतार॥ ६ ॥ गोरी म्हारी रङ्ग महलमें चाल नाजो म्हारी रंग महलमें चाल। गोदी थाने लेल्यांये म्हारी घरनार॥ ७॥ ज्यानी म्हारे कानाने कुंडल

ल्याय। झुटणा घड़ाद्योजी म्हारा भरतार॥ ८॥ ज्यानी म्हारा गलेन सतलरी ल्याय। गलपटियो घड़ाद्योजी म्हारा उमराव। जानी थारो बुगलो ।६। गोरी म्हारी बैल जुपाद्यूं दोय चार। नाजो म्हारी बैल जुपाद्यूं दोये चार। गाड्यां बैठी आवोये म्हारी घरनार।१०। जानी थारे बीच बहे दरियाव। मोदी म्हाने लेल्यो जी म्हारा भरतार॥ ११॥

दाडु नं: ६

सुसराजी आगे सात सलाम। दाडुये मंगा द्यो हरिये बागकीजी महाराज।१। ओजी धण ने दाडु भावे राज। बालक धणने दाड़ू भावे राज। २। देस्यां भवड़ म्हारी अगड़ घड़ाय

या रुत दाड़ुकी नाही जी महाराज ॥ ३ ॥ जेठजी आगे सात सलाम दाड़ू मंगाद्यो राजा जीरे बागकीजी महाराज। ओजी धरणने। ४। देस्यां भवड़ म्हारी आदो धन बांट। या रुत दाडु दाखारी को नाहीजी राज। ५। देवर आगे सात सलाम। दाडु मंगाद्यो हरिये बागकी जी महाराज। ओजी धणने। ६। देस्यां भावी म्हारी निम्बुडा मंगाय। या रुत दाड़ू दाखारी को नाहीजी राज। ७। सासुजी आगे सात सलाम। दाडु मंगाद्यो हरियो बागकीजी महा-राज। ओजी धणने। ८। देस्यां भवड़ म्हारी लाडुड़ा सनाय। या रुत दाडू दाखारी को नाहीजी राज। ६। मारूजी आगे सात सलाम दाड़ुये मंगाद्यो हरियो बागकीजी महाराज। १०। करिया मारूजी घोड़ापर जीन। डेरातोढाल्या

राजाजोरे बागमेजी। दे नगारो चढ़ीया रूंख परजी म्हाराज। ११। ओजी धणने। तोड तोड़ायकर बान्धी चोमट पोट। आप सेलामारू घोड़े असवार। रामचंद्रजीरे सीरपर पोटलीजे म्हाराज। १२। ल्याउतारी स्यामी सालमे जी म्हाराराज। खाबो सोतो खावो घरकी नार। और सहियांने भर भर पल्ला बांटद्योजी म्हारा राज। १३।

जापेको नः ७

नानीसीनार नारेलीसो पेट। करे ये भंवरजी आगे बिनतीजीराज। १। येकबरजी ढोला बागामें जाय। बागामें कलीयेमरोड़ ज्यो जीराज।२। हमनारंगी थे कलीये अनार। सेजामें कलीये मरोड़स्यांजी राज। ३। नहीं समजो

सासु सुगणीरो पूत नही समजो भोली बाई जीरो बीर चालेछेपीड़ उतावलीजी राज। ४। पिड़ चले धण लुललुल जाय पीडचले धण लुल लुलजाय। करे भंवरजी आगे बीनतीजी राज। ५। येक बरजी ढोलासाथ्यामें जाय। साथ्या में घुडला डकायदोजी राज। ६। तुम घुडला हम असवार। तुम घुडला ये गोरी हम असवार। सेजामें घुडला डकायस्यांजी राज। नही समजो। ७। येकबरजी ढोला निचेजाय। येकबरजी ढोला निचे जाय। जायथारी माउजीने जगाय दीजो राज। ८। हंसकरजी ढोले बांधी है पाग। मुलकत मोजा पहरियाजी राज। ९। जनजोये गोरीलाड़णपूत। जण जोये गोरी लाड़णपूत। बंस बधाई म्हारे बापकोजी राज। १०। अबसमझो सासु सुगणीरो पूत

अब समझो भोली बाईजीरो बीर। अब म्हारी सारघणी करेजी राज। छाने मुठड़ी बे भरावजी राज ॥११॥

टप्पो नः ८

तीन पुड़तकोरे गिंड़वोरे हड़ लेगयोहंजो हांरे हड़लेगयोहंजो किसबिद् पोड़ुं जानीवो सीरांणे नाहीं। १। जेघरहोयमेरो सायबोरे बेकीबांय सीराणे। हारे बैंकीबांय् सिराणे पियो बसत है पियो बसत है ज्यानीवो पुरबके मांही। २। इतना सा झुरना मत झुरेये मेरो रूप दीवानण। हांये मेरी पतलीमगेजण। आयमिलुंगो आयमिलुंगो गोरी येक आदी पैली। ३।

टपो नं० १

दिल्लीये सहरसुं छींट मंगाई। दिल्लीये सहरसुं छींट मंगाई तो बैंका सीमाया साड़ेतीन बटवारे साढ़ेतीन बटवा। मैंतो तेरे तांइ आई मेरा ज्यानीलटवा। मैंतो तेरे तांई आई।१। येक पुड़तमें लूंगसुपारी। येक पुड़तमें लूंग सूपारीतो दुजे पुड़तमें तमाखु जरदोरे तमाखु जरदो। मैंतो तेरे।२। लुंग सुपारी गोरी बी चावेतो रसियो चावेरे तमाखु जरदोरे। तमाखू जरदो। मैंतो तेरी खातर आई मेरा ज्यानी लटवा।३।



टपो नं: १०

जीपाणीमें पापड़ कीसास्‍रे बनमें कीसी बन्दूख। सेजामें रसिया कीसास्रे कोई देदे सोवे पूठ। येसने कीण बीलमाइये मोडी क्युं आईये कंवर निहालदे ।१। जेम्हे थाने गोरी पूठ देवां तो साखी श्रीभगवान। बाडीकी बेल ज्युंसजी उथला सारीरात। इन्द्र झडी लगाइये चारुदिस छाइये बैरणबादली।२। जी आम तले धण पोडती तले बिछातो चीर। राजन पंखो ढोलताजी सोज्या नाजक जीव।३। तने कीण बिलमाईयें मोडीक्युं आइये कंवर निहालदे। घर आवो रंग रसिया केसरकी क्यारी रंग महलमें। घर आवो गुलझारा अंतरकी सीसो मेरे हाथमें।४।

राजन चाल्या ब्राकरी सरे पगमें उलझी डोर। पाछा फिरकर झांकलोसकोई धण उभी गया गोरजी तने कीण बिलमाइये । ५ । जीउदा तो बैगण भलासरे काची भली अनार। पतला तो रसिया भलासरे कोई मोटा जाट गंवार। येतने कीण सोकण बिलमाइये मोडी क्यु आइये कंवर निहालदे। घरआवो रंग रसिया फुलडारो पंखो मेरे हाथमें । ६ । जी आमतले दीवो जगे जग जग मांगे तेल। सात बरसको सायबो बो चिमक चिमक रसलेय। मोड़ी क्यु आई । ७ । घर आवो रंग रसिया हवातो लगणद्यो रंग महलमें। गोरीये तुं गोरड़ीसजी उत्तम थारी जात। गजको काढो घूंघटो सजी चिपकर सोवो साथ। ८। तने किणबिलमाइय। घर आवो रंग रसिया लुंगारी क्यारी मेरे महलमें। अंतरकी

सीसी मेरे हाथमें । ६ । जीपारबतीको देवरो गुगल्ल चढेयन धूप। परदेस्यांकी गोरडी कोई जोबन चढेन रूप। तने कीण बिलमाई । १० । जी गुन गीरीको चुंतरोसरे जिसपर कतरुं पान। कतर कतर भेलाकरूं कोई चावो चतुर सुजान। तनेकीण। ११ । जीकाचो लीटो दूदको सरे मोबत पियोयन जाय। घणी पियारी मेरी मावडीस कोई पिया बिन रह्योयन जाय। तने कीण बील-माई । १२ । जीसोनेकी थारी आरसी सरे चांदी को हथफूल। सासू जायो सायबोसरे तोरुंको सो फूल । १३ । तने कीण बीलमाइये। जीसासुको सिर गुंथती सरे नोनो बीन्द लगाय। हाथजोड़ पांवां पडुंस जो थारो बेटो धोर बुलाय । १४ । मोती बरणो बाजरो सरे भर पसे ढुलजाय। परदेसीकी गोरडी कोई बिनटले गुडजाय। जीतने

कीगा । १५ । जीसारगामाली ठीकरी सरे घसघस पतली होय । परदेस्यांकी गोरडीस कोई झुरझुर पिंजर होय तने कीगा । १६ । जीजैपुरके बजारमें सजी पड्यो पेमली बोर । निची होयकर उठायलियो सकोई गयो कमरमें जोर । १७ । तने किगा सोकगा बिलमाईये मोडी क्युं आइये कंवर निहालदे । १८ ।

चाकरीको नः ११

आज म्हारो राजन चाकरीने चाल्यो तो करलियो ये घोड़ापर जीन । उठगयो ये सहर सारो आज । उठगयो ये गोरीको भरतार । नाही आवे ये नींदड़ली सारी रात । नाही आवेये नींदड़ली सारी रात । रीतगयो ये

पिलंग दरीयाव । कुण बुजे ये गोरीके दिलकी बात। नाही आवे ये नींदडली सारी रात। १। तातासा पाणी तेल उबटना। न्हावो क्युं नाजी गोरीका भरतार। न्हावोक्युंनाजी बादीला भरतार। थे न्हावो थारा कंवर नुहावो म्हारी रेल हंक जाय। म्हारा भायला उठजाय। उठ गयो ये सहरसारो आज। उठगयो ये जोडीको भरतार।२। पोय पोय फलका जेट बनाई। पोय पोय फलका जेट बुनाई तो जिमो क्युंनाजी गोरीका भरतार। जीमो क्युंनाजी।३। थेजीमो थारा कंवर जिमावो। थेजीमो थारा कंवर जिमावो। म्हारी रेल हंकजाय। म्हाराये साथीडा उठजाय। उठगयोये गोरीरो भरतार। ४।

चुगचुग कंकरी महल चिणायोतो मोरया झांकोजी गोरीका भरतार। मोरया झांकोजी

बादीला भरतार ।५। थेझांको थारा कंवर झंकावो म्हारी रेल हुंकजाय । म्हारी बालद लद जाय । उठगयो ये गोरीको भरतार । ६ ।

चुगचुग फुलडा सेज बीछाईतो पोडो क्युं-नाजी जोडीका भरतार । पोडो क्युंनाजी गोरीका भरतार । थेपोड़ो थारा कंवर पुढावो म्हारी रेल हुंकजाय म्हारा साथीडा उठजाय । ७ । बाराये बरससु पियो घरआयो । आगयोये सहर सारो आज । भरगयोये पिलंग दरियाव । अब आवेये निंदडली सारी रात । अब आवेयें निंद डली सारी रात । अब बुजेये गोरीके दिलकी बात । ८ । उठगयोये सहर सारो आज ।

होलीको टपो नं० १२

बलिहारी मेरो बाप दिवानी पंचाकानी बर हेरणने चाल्योरी। दोयतन गनिया दोय मन गनिया। १। बलिहारी योघर नहीं हेर्‍यो बर नही हेर्‍यो हेरदिया दरवाजारी। २। दोयतन मनिया। बलिहारि यो बामण मरियो नाई मरियो जैमेरो करी सगाईरी। दोयेतन मनिया ।३। बलिहारी केकरे यो बामण नाई। कामकर्‍या मेरी माई। दोयतन मनिया। ४। बलिहारी सासु बेचे सुसरेने। जिठाणी बेचे जेठने। मैं बेचूं चणांके खेतरी । ५। दोयतन मनिया । बलिहारी सिरधर मेल्यो पालणो। गई चणाके खेत दोयतन मनिया । ६। बलिहारी सोजा मेरा बालमा । सोजा मेरा बालमा । लोरीदे तेरी

गोरी । ७ । दोयतन मनिया । बलिहारीयो गलेबैतो राय बटाउ । येक झोटो देयजाई । ८। दोयतन मनिया । बलिहारी योके तेरो लागे भाई भतीजो केतेरो लागे छोटो देवरियो । दोयतन मनिया । ६ । बलिहारी यो नही लागे मेरो भाई भतीजो नही मेरो छोटो देवरियो । दोयतन मनिया ।६। बलिहारीयो सासु जाय्यो डीकरो यो लाल नणदको बीरोरी । दोयतन मनिया । ११ ।

निंबवो न० १३

उंचोसो पीपल राज खोखरो । जैचढ टांग्योछे हारजहो । पिव पातलियाजी राज । मारू मनभरिया वो राज निमवो । निमवोतो

देई म्हारे आलीजा ने रस भरयो। ऐसोतो कुलमें वो राज कोनही। ल्यावे ल्यावे हार उतारजवो राज पिव पातलियावो राज। १। मार दुमालोराज धणगई। ल्यावे ल्यावे हार उतारजहो राज पिव पातलियावो राज। २। येकज निमवो राज दोयजणा माचीछे चुसाजी चुसजहो। पिव पातलिया। ३। एकज खटोलो वो राज दोयजणा। मांचीछे भींचाजी भींचजी होय। पिव पातलियावो राज। ४। सेर मिठाईवो राज दोयजणा माचीछे लुटाजी खोस जहोय। पिव पातलियावो राज। ५। एकज डुपटो वो राज दोयजणा। माचीछे खेंचजताण जवो। केसरियावो राज पिव पातलियावो राज म्हारा मनभरिया वो राज निमवो निमवोतो देई म्हारी जोडीकाने रस भरयो। ६।

नणदोई ढोलो न० १४

रखड़ी घडावे म्हारोढोलो। महिमनघडावे प्यारो नणदोई।१। देखोरे सहरका सबकोई। बाईजीसुं प्यारो लागे नणदोई।२। झुठणा घडावे म्हारो ढोलो कुण्डल घडावे प्यारो नण-दोई।३। देखोरे। तिलडी घड़ावे म्हारो ढालो। गलपटियो घडावे प्यारो नणदोई।४। देखोरे। बाजुबन्द घडावे म्हारो ढोलो बैका लगावे प्यारो नणदोई।५। देखोरे। गजरा घडावे म्हारो ढोलो। बन बगड़ी घडावे प्यारो नणदोई।६। देखोरे। पायल घडावे म्हारो ढोलो। बिछिया घडावे प्यारो नणदोई।७। देखोरे। दावणा सिमावे म्हारो ढोलो। चुनडी रंगावे प्यारो नणदोई।८। देखोरे सासुको गवाई

सुसरेको जंवाई घुंघटवाली को नणदोई चोरे बालेरो बहणोई। छोटी सालीको जीजोजी। म्हारे होलरको फूफो जी। म्हारे आज आयाजी। थारे माथेरो दुमालो कोठे भूल आयाजी। म्हारा प्यारा नणदोई। जुगवाला नणदोई। थारे हाथारी अंगुठी कोठे भूल आयाजी। म्हारा प्यारा नणदोई। जुगवाला नणदोई। थारे हाथारी अंगुठी कोठे भूल आयाजी। म्हारा प्यारा नणदोई जुगवाला नणदोई। घुंडी खोल बोलोजी।

कांगसियो नः १५

म्हारे भंवरको कांगसियो जिठाणीये किसबिद आयो थारी सेज॥ नाम्हे थारे घरे गया योराणीये ना म्हे लियोछे बुलाय। भाभीके

देवर लाडलो घोराणीये आयो आयो ढलतीसी रात। भाभीके आणो जाणो छोड्यो मारु जीवो मरज्याऊं जहर बिस खाय। मरस्योतो जास्यो जीवसुं मारुणीये भाभी म्हारे जीवड़ैको हार नखरालीये भाभी म्हारी सेजाको सिणगार। म्हारा भंवरका मोती जीठाणीये किसबिद आया थारी सेज। ना म्हे थारे घरे गया घोरा णीये ना म्हे लियोछै बुलाय। भाभीके देवर लाड़लो घोराणीये आयो ढलतीसी रात। भाभीके आणो जाणो।४। म्हारा भंवरको पेचो जिठाणीये किसबिद आयो थारी सेज नखरालीये। ना म्हे थारे घर गया घोराणीये नाम्हे लियोछै बुलाय। भाभीके देवर लाडलो घोरणीये आयो ढलतीसी रात। भाभीके। म्हारे भंवरको डोरो जिठाणीये किसबिद आयो

थारी सेज । नाम्हे थारे घरे गया च्योराणीये नाम्हे लियोछे बुलाय । भाभीके देवर लाडलो च्योराणीये आवे ढलतीसी रात। ६। भाभीके। म्हारे भंवरको बागो जिठाणीये किस बिद आयो थारी सेज । नाम्हे थारे घरे गया च्योराणीये नामै लियोछे बुलाय । भाभीके देवर लाडलो च्योराणीये आवे ढलतीसी रात। ७। भाभीके । म्हारे भंवरकी बींटी जिठाणीये किस बिद आई थारी सेज। नाम्हे थारे घरे गया च्योराणीये नाम्हे लीन्योछे बुलाय। भाभीके देवर लाडलो च्योराणीये आवे ढलतीसी रात ।८। भाभीके। म्हारा भंवरका मोचा जिठाणीये किस ब्रिद आया थारी सेज। नाम्हे थारे घरे गया च्योरा-णीये नाम्हे लियोछै बुलाय। भाभीके देवर लाडलो च्योराणीये आवे ढलतीसी रात ।९।

भाभीके आणो जाणो छोड़द्यो मारूजीवो मह्रूं जहर बिस खाय।

देवर न० १६

महिमन घड़ावो देवर परणीने पहरावोजी। परणीने पहरायर म्हारे पगां लगावोजी। रंगजी देवरिया संसारमें भोजाई प्यारीजी।१। झुटणा घड़ावो देवर परणीने पहरावोजी पर-णीने पहरायर म्हारे पगा लगावोजी रंगजी देवरिया।२। गलपटियो घडाव्रो देवर परणीने पहरावोजी परणीने पहरायर म्हारे पगा लगावोजी। रंगजी देवरिया।३। बाजुबन्द घडावोजी देवर परणीने पहरावोजी। परणीने पहरायर म्हारे पगा लगावोजी। रंगजी देवरिया

।४। गजरो घड़ावो देवर परणीने पहरावोजी परणीने पहरायर म्हारे पगा लगावोजी । रंगजी देवरिया । ५ ।

पायल घड़ावो देवर परणीने पहरावोजी । परणीने पहरायर म्हारे पगा लगावोजी । रंगजी देवरिया । ६ । दावण सिमावो देवर परणीने पहरावोज़ी । परणीने पहरायर म्हारे पगा लगावोजी । रंगजी देवरिया । ७ । चुनड़ी रंगावो देवर परणीने ओढावोजी । परणीने ओढायर म्हारे पगा लगावोजी । रंगजी देवरिया । ८ ।

लुम्याकी डोरी नं० १७

टेर जाटनीकी । म्हारीये लुम्यारी डोरी आक तलै मेरो सासरीयो लुम्यारी डोरीये कोई

नीमतले मेरो पीर। मेरी । १ ॥ आक बकरिया चरगयाये लुम्यारी डोरी ॥ २ ॥ कोई नीम झिलोरा खाय ॥ मेरीये लुम्यारी डोरी ॥ ३ ॥ एक पनडलो तोड़ियोये लुम्यारी डोरी कोइ चुव चुव पड़े ये मंजीठ म्हारीये ॥ ४ ॥ तलै कटोरो मांडियोये लुम्यारी डोरी कोई भख्यो झिलोरा खाय म्हारीये लुम्यारी डोरी ॥ ५ ॥ मैं तो गई मेरे नानीरेये लुम्यारी डोरी ॥ कोई मेरेये मामेको ब्याय म्हारी लुम्यारी ॥ ६ ॥ सुसरोजी आया लेणनेये लुम्यारी डोरी ॥ कोई किन बिदये मैं देउं जुबाब म्हारीये लुम्यारी डोरी ॥ ७ ॥ गजको काढ़ू घूंघटोये लुम्यारी डोरी इण बिद ये देउं जुबाब । म्हारीये ॥ ८ ॥ टीबै ओलै टीबडीये लुम्यारी डोरी कोई लाग्यो घमाघम डेरा। म्हारीये लुम्यारी डोरी।

।६। खदबद रानुं खीचडोये। लुम्यारी डोरी। बालुंये नणदी तेरा होठ । म्हारीये ।१०।

बालम छोटोसो न: १८

बारा बरसको बालमो यो पचिसां ढलगई नार । बालम छोटोसो ।१। असी कल्यांको घाघरो वो लावणमें लुक जाय। बालम ।२। खातीड़ाके जाता ढोलो हठपड़ियो। मने गाडुलो घड़ादेनार । बालम ।३। गाडुलो घडावेथारो बाबोजी । मने लाजामतमारे भरतार । बालम ।४। छोटोतो छोटो मतकरे तुं राख मरदकी कांण । मोटो होय ज्यासी। बालम ।५। दरजी ड़ाके जाता ढोलो हठ पड़ियो मने टोपलीसीमा देनार । बालम ।६। टोपी सीमावे थारी माउ-

जी मनेलाजा मतमारे भरतार । बालम ।७। छोटोतो छोटो गोरी मतकरे तु' राख मरद्की कांण आखर परणयोडो । बालम ।८। बजारा में जाता ढोलो हठ पडियो मनेलाडुडा मुलादे घर नार । बालम ।६। लाडू मुलावे थारो बिरोजी । मनेलाजा मतमारे भरतार । बालम ।१०। छोटोतो छोटो गोरी मत करे तु' राख मरद्की कांण आखर परणयोडो । पाणीडेन जातां ढोलो हठ पड़ियो मने गोदी लेलेनार बालम ।११। गोदीतोलेसी थारी माउजी मने लाजा मतमारे भरतार । बालम । छोटोतो छोटो ।१२। नणद्लबुजे भावजने तु' क'ठे गमायो म्हारो बीर भोली भावजड़ी । पावांबिचालै नांदु-ली थारो बीरगुचलकी खाय भोली नणदुली । अनधन कीये गोरीधणा कमी नहीं । मेरे दुजी भुरी

भैंस मोटोहोयज्यासी। घाटोतो मोसेरे जानी मेरा सोखेल्युं मोस्युं यो दुख सह्योयन जाय। बालम

——

पनजी नः १९

मैंतोम्हारे घरमें बैठी काँकरड़ी कुंण मारीरे घड़ी घड़ीकी कांकरड़ी म्हाने घायल कर दइरे पनजी मुखसें बोल। बोल बोल हीवड़ेरा जीवडा बोल्या थाने सरसीरे पनजी एकबर बोल। १। मैंतोम्हारे घरमेंबैठी आडे दे कर टाटीरे। टाटीतोड़ नीजारोमारो छाती फाटीरे पनजी एकबर बोल। बोल बोल नथलीरा मोती काया मतबालेर पनजी। २। ओडणने थाने साल दुसाला चढ़-बानेथाने घोडीरे। परदेसा मतजाये बीछड़सी बालक जोडीरे। पनजी मुखडे बोल। बोल बोल

बादीला भंवरा चाकर थारीरे। पनजी मुखड़े बोल ॥ ३ ॥ नथली बेचथाने मुरकी घड़ाद्युं भैंस बेचलाद्युं घोड़ीजी । बैठोमौजा मांणा तजे मत बालक जोड़ीजी । पनजी मुखड़े बोल । बोल बोल मेरे दिलका मालक बोल्यां सरसीरे पनजी ॥ ४ ॥ परन्योड़ेरो घोड़ो मरगयो म्हारो जाणो जुतोजी । पना भंवरको पाड़ो मरगयो खाड़ो पड़गयोरेक पनजी मुखड़ेबोल। बोल बोल सासुका जाया काया मतबालेर पनजी ॥ ५ ॥ परन्योड़ेकी भैंसखोगई म्हारो कांईसारोजी । पना भंवरको तीतर खोगयो भीतर भीलगयोरे । पनजी मुखड़े बोल । बोल बोल हीवड़ेरा जीवड़ा मत तरसावेरे पनजी मुखड़े बोल ॥ ५ ॥ पनजीतो बजाराचालो कीकर कोसो बुरकोरे ॥ कुंणमेरी सोकण नीजर लगादी कालो पड़गयोरे ॥ पनजी मुखसे बोल।

बोल बोल हीवड़ेरा जीवड़ामत तरसावरे पनजी मुखड़े बोल ॥ ७ ॥

होली नं० २०

चांद्याजी तेरे च्यानगो खेलण जोगीछै रात। ओजी म्हारा भंवर बालम होली आई। नणद भोजाइ खेलण निसरी। खेलीछै सारोजी रात। ओजी म्हारा भंवर बालम होली आई ॥ १ ॥ खेल मेलकर बावड़ी पोलीडा पोलज खोल। ओजी म्हारा ॥ २ ॥ ढकियोजी झांटो ना खुले। जित आई जित जाय ओये गारी थेतो जावो थारे बापके। उपराडोहोय डाकिया टुटयोछै नोसर हार ओजी म्हारा भंवर बालम होली आई। २। सोनचिड़ी मेरी भायली।

चूगियोछै नोसर हार। ओजीवो म्हारा ॥ ३ ॥
हीराजी मोती सब चुग्या। लालरही लखच्यार
ओजीवो म्हारा ॥ ४ ॥ पटवेकी बेटी पोयोना
नोसर हार। ओजी ॥ ५ ॥ हीराजी मुंगासै
पोया। लालरही लखच्यार ओजी म्हारा ॥ ६ ॥
टगटग महला चढ़गई। राजन खोल किंवाड़
ओजी म्हारा ॥ ७ ॥ सुतड़ाजी माणस ना जगे।
जित आई जित जाय। थेतो जावोये सुन्दर
थारे बापके। ओजी म्हारा ॥ ८ ॥ सोड भराई
म्हारे बाबोजी। पिलंग दियो बड़बीर ओजी
म्हेतो क्यूंकर जांवा ढोला बापके। सोड
बगाई च्यानण चोकमें। पीलंग दियो सरकाय
ओये थेतो जावोये गोरी थारे बापके। ओजी
म्हारा ॥ ९ ॥ सोडज लीनी काखमें पिलंग लियो
लटकाय। ओजी म्हेतो चाल्याजी भंवर म्हारे

बापके। टगटग महला उतरीजो। आडाजी सासू होरया रुसडी भवड़ किंत जाय। ओये थेतो रंगकर जावो बहु बापके। आडो देव-रियो फिररयो रुसडी भावज कित जाय। ओये थेतो रंगकर जावो भाबी बापके। आडा मारुजी होरया। रुसड़ीने जांण न द्यां। ओयें थेतो रंगकर जावो गोरी बापके।

गीत भातको नः २१

पांच सुपारो पानारो विड़लो भतैयानेंरे बरानुतणजाय। राजनसाथीडा।१। चारु भाई नुतणलागी निरधन बिरो नुत्यो नाय। राजन ।२। उठगोरी घरने चालां माकीतो जाई मेरो मारयोरे मान। राजन। ३। आगे मिलगयो लखो बिणजारो तैं कितरे निरधन भाग्योरे

जाय । राजन । ४ । मेरी भैण घर बिड़द उपाई जामणकी जाई मेरो माख्योरे मान । राजन । ५ । रिपियातो भोतेरा लेल्यो मोहरारो निरधन अंत न पार । तीलातो भोतेरी लेल्यो अंगियारो निरधन अंत न पार । राजन । ६ । घुड़लातो भोतेरा लेल्यो हसल्यारो निरधन अंतन पार । राजन । ७ । बोदी दुनिया डरपण लागी खोज हेरयोरे गांव । राजन । ८ । थे मत डरपो बोदी दुनिया निरधन बीरो ल्यायोरे भात । राजन ॥ ६ ॥

चारुं भाई झुलझुल झांके निरधन बीरो भरियोर भात ॥ राजन १० ॥ भलीकरी जामणका जाया भरीये सभामें मेरो राख्यो मान । राजन ॥ ११ ॥ भलीकरी जामणकी जाइ भरीये सभामें मेरो माख्योये मान । राजन ॥ १२ ॥

गीत गणगौरको न० २२

म्हारे माथाने महिमन्द ल्याव म्हारा हंजा मारु इहांही रहोजी। इहांही रहो उगता सूरज इहांही रहोजी। थाने कोट बुन्दीमें होसी गणगोर म्हारा हंजा मारुं इहांही रहोजी ॥ १ ॥ जावाद्यो छिणगारी नार जाबाद्यो नाये। म्हारा साथीड़ा उभा दरबार जाबांद्यो नाये ॥ २ ॥ म्हारै कानाने कुण्डल ल्याव म्हारा हंजा मारुं इहांही रहोजी। इहांही रहो उगता तायत इहांही रहोजी। थाने रसतामें होसी गणगौर ॥ ३ ॥ म्हारे गलैने कंठी ल्याव म्हारा हंजा मारु इहाँही रहोजी। इहांही रहो उगता सूरजइहांही रहोजी। ४। म्हारी बायाने बाजु बन्द ल्याव म्हारा हंजामारु इहांही रहोजी ॥ ५ ॥ म्हारे पुंचाने गजरा ल्याव म्हारा हंजामारु इहांही रहोजी ॥ ६ ॥ म्हारी होलीरा कर गया कोल म्हारा हंजामारु इहांही रहोजी। जावाद्यो

छिणगारी नार जाबाद्योनाजी। थाने श्राय पुजावा गणगोर म्हारी मृगानैणी जाबाद्योनाये ॥ ७ ॥

गीत तीज्याको न० २३

हींडो घलादे रे और म्हारा कान कंवरसा बीर। आइरे सांवणियारी तीज्या बाइ हींडसी ॥ १ ॥ घल्यो घलायोये बाइ थारो पड्योये सुरंगो होये। हींएडण वाली बाइ कमला सासरै ॥ २ ॥ जोड़ो खुदादेरे मेरा जलवलजामी बाप। आइरै सांवणियारी तीज्या बाइ न्हायसी ॥ ३ ॥ खुद्योयै खुदायोयै बाइ थारो भस्योये झिलोरा खाय। न्हावणवाली बाइ गोदा सासरै ॥ ४ ॥ चुड़लो चितरादेये मेरी रातादेई माय। आइये सांवणियां री तीज्या बाइ पैरसी। ५। चित्यो चितरायोयै बाइ थारो पड्योये मणियारांकी हाट। पैरणवाली बाइ भगवाना बापके ॥ ६ ॥

सम्पूर्ण।

श्रीगणेशाय नमः।

मारवाड़ी गीत संग्रह

पांचवा भाग।

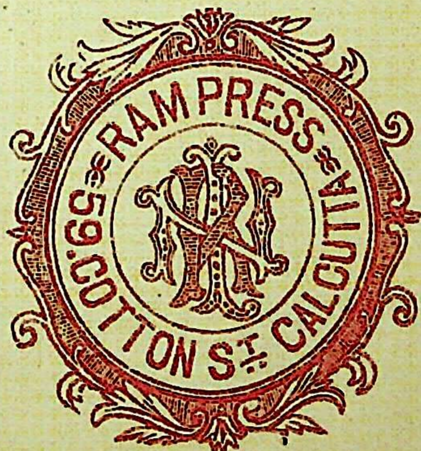
संग्रहकर्त्ता— खेताराम माली झुंझनुवाला।

जिसको

रामलाल नेमाणीने अपने निजके "रामप्रेस" यन्त्रालय

नं० ६७ तुलापट्टीमें प्रकाशित किया।

इसका हक्क ग्रंथाधीश ने स्वाधीन रखा है



यह किताब रेजष्टरी किया हुआ है

1925

श्रीगणेशाय नमः ।



मारवाड़ी गीत संग्रह ।

पांचवा भाग ।

भजन गणेशजीका

मनाउं मैंतो शीवसुत देव गणेश । सैलसुता के लाल दयानिध हरते कष्ट कलेस ।। मनाउं ।। १ ।। रीध सीध बामे अंग बीराजे रणत भंवर थारो देस ।। मनाउं ।। २ ।। सुंड सुंडाला दुन्द दुंदाला गज मुख वारे भेस ।। मनाउं ।। ३ ।। ब्रह्मा बिसनु आद मनावें ध्यावै नारद सेस ।। मनाउं ।। ४ ।। पान पुष्प मोदक ओर श्रीफल पुजा करो तो हमेसे ।। मनाउं ।। ५ ।। बद्रीलाल प्रभु थारो यश गावे हीरदै करो परवेस ।। मनाउं मैंतो सीव सुत देव गनेस ।। ६ ।।

जलो न० १

माथाने महमद पहर लिज्यो ये अम्बाये रखडीकी साई जलेजी ने राख लीजो ये जल्लोजी उमराव म्हारो ये जल्लोजी सिरदाव म्हारो ये । १ । कानांने कुंडल पहर लीज्यो ये झुटणारी साई जल्लेजी ने राख लीज्यो ये जल्लो सिरदार म्हारो ये जल्लो ये उमराव म्हारो ये अम्बाये बांकडली मुछ्यांरो जल्लो उमराव म्हारो ये ॥ २ ॥ गलेने गलसरी पहर लीज्यो ये अम्बाये गलपटिये री साई जल्लेजी ने राख लीज्यो ये जल्लोजी सिरदार म्हारो ये जल्लोजी उमराय म्हारो ये अम्बा ये उजली बतीसी वालो जल्लोजी जोडीदार म्हारो ये । ३ । कडियां ने दांवण पहर लीज्यो ये अम्बा चुन्दडी री साई जल्लेजी ने राख लीज्यो ये जल्लो ये उमराव म्हारो अम्बा

ये सोवणी सुरतरो जल्लो उमराव म्हारो ये ।४।
जल्लोजी म्हाने गहणा बक्सेये अम्बा ये छोटो-
डीनेहार बडीने टेवटो ये जल्लो सिरदार म्हारोये
अम्बाये घूमत चाले चाल जल्लोजी जोडीदार
म्हारो ये ॥ ५ ॥ जल्लोजी म्हाने गाम बक्सेये
अम्बाये छोटीने अजमेर बडीजीने मेडतोथ
जल्लो उमराव म्हारो ये २ अम्बाये सुतीरे
मुखडेमें जल्लो लाडूदे गयाये ॥ ६ ॥

जकड़ी न० २

नहार गढके किले ऊपर नर नारी
रो मेलोजी म्हारो भंवर परताप सिंहजी घुडला
फेर रेज्यान मेरा घुडला फेरेरे मनरा मेलुडा
मनरा मेलुडा बाईरा बीर परभाते मील
गयारे मनरा मेलुडा ॥ १ ॥ परण्योड़ो प्यारी
ने तरसे म्हारो कांई सारोजी कोल बचनकी

भायेली म्हारे हाजर ऊभीरे ज्यान म्हारे हाजर ऊभीरे मनरामेलुडा मनरामेलुडा बाईजीरा बीर परभाते मिलज्यारे ज्यान परभाते मिलज्यारे मनरा मेलुडा ॥२॥ म्हारेतो आवोतो कंवरसा ढालर पाती ल्याज्योजी म्हारो परण्यु वादीलो थो बरछी राखेरे ज्यान मेरी बरछी राखेरे मनरा मेलुडा मनरा मेलुडा सासुरा जाया परभाते मिलज्योजी मनरा मेलुडा ॥ ३ ॥ म्हारो भंवर बाजारां चाल्यो कीकर कोसो भुरकोजी कुंण मेरी सोकण नजर लगादी कालो पड़ गयो रे ज्यान मेरी कालो पड़ गयोरे मनरा मेलुडा मनरा मेलुडा मद छकिया भंवर परभाते मीलज्यो रे मनरा मेलुड़ा ॥४॥ परण्योड़रो घोड़ो मर गयो म्हारो कांइ सारो जी म्हारे भंवरको पांडो मर गयो खाडो पड़ गयोरे ज्यान म्हारे खाडो पड़ गयोरे मनरा मेलुडा मनरा मेलुडा

॥ ५ ॥ परणयोडेरी मैंस खोगई म्हारो काई सारोजी बादीले भंवरको तीतर गम गयो भीतर मिल गयोरे ज्यान मेरी भीतर मिल गयोरे मनरा मेलुडा मनरा मेलुडा नणदीरा बीर परभाते मिलजोजी मनरा मेलुडा. ॥ ६ ॥ मैंतो म्हारे घरमें बैठी आडे देकर टाटीरे टाटी तोड़ नीजारो मार्‌यो छाती फाटीरे ज्यान म्हारी छाती फाटीरे मनरा मेलुडा मनरा मेलुडा हीवडेरा जीवडा परभाते मिलज्यारे मनरा मेलुडा ॥७॥ मैंतो म्हाके घरमें सूती कांकरड़ी कुंण मारीरी घडी घड़ीरी कांकरडीरे मने घायल कर दईरे मनरा मेलुडा मनरा मेलुडा बाईजीरा बीर परभाते मिलज्योजी मनरा मेलुडा ॥ ८ ॥ ओढ़ण ने थाने साल दुसाला चढबाने थाने घोड़ीरे परदेसां मत जाय भंवरया बालक जोड़ीरे बिछड़सी बालक जोड़ीरे मनरा मेलुड़ा

म्हारे दिलरा मालक परभाते मिलजोरे मनरा मेलुड़ा ॥ ९ ॥ एक हाथ में बाजुबन्द बंगड़ी दुजे हाथमें गजरोजी परदेसां जावोतो भंवर म्हारो मानुं मुजरोजी जान म्हारो मानुं मुजरोजी मनरा मेळुडा मनरा मेळुड़ा म्हारो जोड़ीरा भंवर परभाते मिलजोरे मनरा मेलुडा ॥ १० ॥ म्हारो भंवर बाजार गयो छो दोय खरबुजा ल्यायोजी स्यामी मिल गई भायेली रस्तेमें ले गईरे जान रस्तेमें लेगईरे मनरा मेलुड़ा मनरा मेलुड़ा बाइजीरा बीरा परभाते मिल गयोरे मनरा मेलुड़ा पीया प्यारीरा ढोला पर भाते मिल गयोरे मनरा मेळुड़ा ॥ ११ ॥

जकड़ी नं: ३

सीर सोवे ककरेजीरो पेचो जानी जानी मेरा गरदन पर चील मेरा वो नाईरा बीरा

नीन्दमें क्युं जगाई वो गुण सायर ढोला नीन्द में ॥ १ ॥ जदरे जगाऊं जद नीन्द बतावे गोरी गोरी मेरी जागणकी रुत कुंणसी बाईकी भावी नीन्दसे ॥ २ ॥ गल सोवे सवालाखांरो डोरो जानी जानी मेरा कंठी पर दील मेरा वो बाईजीरा बीरा नीन्दमें क्युं जगाई वोगुन सायर ढोला नीन्दमें ॥ ३ ॥ कानां सोव पानी पतरा मोती ज्यानी ज्यानी मेरा जुलफयां पर दील मेरा वो बाईरा बीरा नीन्दमें क्युं जगाई वो बाईरा बीरा नीन्दमें ॥ ४ ॥ जदरे जगाउं जद नीन्द बतावै गोरी गोरी म्हारी जागणकी रुत कुणसी ये बाईरी भावी नीन्दसें ॥ ५ ॥ हाथ सोव सवा लखारा कड़ला ज्यानी ज्यानी मेरा बींटी पर दील मेरा वो बाईरा बीरा नीन्द में ॥ ६ ॥ पांव सोवे सवा लखांरा मोचा जानी जानी मेरा चलगत पर दील मेरा

मेरा वों बाईरा वीरा नीन्दमें क्युं जगाई वो गुन सायर ढोला नीन्दमें ॥ ७ ॥ जदरे जगाउं जद नीन्द बतावे गोरी प्यारी मेरी जागणकी रूत कुंणसी बाईरी भावी नींद सें ॥ ८ ॥

टप्पो न. ४

सई सांजको निकस्यो ढोलो आवो चांद छिपाय जी । क्या जाणुं रंडीके जाता क्याजाणुं बजारजी ॥१॥ ऊंचा है रंडीका बंगला नीचा है बजारजी देख लई रंडीकी सुरत भुल गया घरबारजी ॥ चार महीना सियालेका रंडी लिया बुलायजी आवो बाबु म्हारे घरपर घणी करां मनुहारजी ॥२॥ च्यार महीना गरमी आई रंडी दिया जबाबजी जाओ बाबू थारे घरमें खडी ऊडीकेनारजी ॥३॥ हाथ जोड़ गोरी पा आयो प्यारी खोल किंवाड़जी उस रंडीके सौ सौ जुता थारो तावेदारजी ॥ ४ ॥

बनड़ो न. ५

हस्ती तो कजरी देसांरा ल्याज्योजी घुड़ला थे मल ल्याबोजी बना करलातां मारू देसांरा ल्याजोजी बाह्नरै मलकै आवोजी बना। नवल बनाजी थेतो म्हारे घर आवो जी खुब करां थारी मिजमानी ॥१॥ खाजा फीणी ओर दोहठा ओर मंगाद्यु बालू साई दादाजीरा प्यारा बना म्हारी हेली आवोजी खुब करां थारी मिजमानी ॥ २ ॥ सोनू तो लंका पारां रो ल्याजोजी रूपो थे मल ल्यावो जी बना हीरा मोती समदा पारारा ल्याजोजी चुन्यां से मबन जडावोजी बना चतुर बनाजी थेतो म्हारे घर आवोजी खूब करां थारी मिजमानी ॥ ३ ॥ दाड़ू पिस्ता ओर झमीरी ओर मगादूं काची दाखां बाबजीरा प्यारा बना म्हारी हेली

आवोजी खूबकरां थारी मिजमानी ॥ ४ ॥
स्याळू तो सांगानेरारा ल्याजो थिरमासे बरां
तो बिछावोजी बना अंगिया गढ गुजरातारी
ल्याजो मीसरुक चीण मन्द्रावोजी बना बालक
बनाजी थेतो म्हारे घर आवोजी खूब करां थारी
मिजमानी ॥ ५ ॥ लाडू पेठा ओर कलाकन्द
इमरती ल्यादूंन्थारी ताऊजीरा प्यारा बना म्हारी
हेली आवोजी खुब करां थारी मिजमानी ॥६॥
जानीतो अपनी जोडीरा ल्याजोजी पातर थे
भल ल्यावोजी बना बनडी तो बड परवारांरी
ल्याजोजी जोडेसे म्हल पधारोजी बना नवल
बनाजी थेतो म्हारे घर आवोजी खुब करां थारी
मिजमानी ॥ ७ ॥

बनड़ो नः ६

हस्ती ल्याज्यो जी चतर बना घुड़ला ल्याज्यो जी करहांरे रलके आव चतर बना थेई पायाजी हांजी बना देखी कलकत्तेकी बहार दरस काली मैयाका पायाजी हांजी देखी है दरसणकी बहार छतर सोनेका चढायाजी छत्र सोनेका चढायाजी ॥ १ ॥ सोनु ल्याजोजी नवल बनारूपो ल्याजो जी हांजी बना मोत्यांसैं हार पुवाय चतर बना थेई पायाजी हांजी बना देखी काशीजीरी बहार दरस विश्वनाथरा पायाजी दरस शिव जीका पायाजी हांजी बना है दरसणकी बहार पाप सब दुर भगायाजी ॥२॥ पड़लो ल्याजोजी नवल बना स्यालुल्याजोजी क्या मिसरुकै चीण भंदाये राज बनाथे मोये पायाजी हांजी बना देखी बीकाणेरी बहार राज गंगासिहजीरा

सवायाजी क्या देखी कचेड़ीरी बहार तखत सोनेका बीछायाजी ॥ ३ ॥ मेवा ल्याजोजी चतर बना म्हेंदी ल्याजोजी क्या केसरकी पुड़ाजी बन्दाये चतर बनाथे मोय पायाजी। जानी लायोज़ी चतर बना पातर लायोजी क्या तखता पर नाच कराय चतुर बना थे मोये पायाजी। बनड़ी लायो जी जोड़ीरा बना दुलहन लायोजी क्या जोड़से म्हहल पधारे बादीला बना थे मोय पायाजी। ४।

बनड़ो नं. ७

म्हावतियांरी हाट बनो गयो ये बेटी म्हावतियांरी पकड्यो हाथ लुंग बखेर गयोये म्हावत तूमत जाणे राईवर एकलोये सागै छड़ीदार चोपदार हाकम हवालदार करवांऊम्या किलेदार भाइ भतीजा सो परवार बीनणी

हबोलेदार बरकै दादाजी सराबां सीरदार लुंग बखेर गयोजी ॥ १ ॥ खुर साणारी हाट बनो गयोये बेटी खूरसानारी पकड्यो छै हाथ लुंग बखेर गयोये रैबारीरी हाट बनो गयोये बेटी रैबारी की पकड्यो हाथ लुंग बखेर गयोये सोनीड़ारी हाट बनो गयोये बेटी सोनीड़ारी पकड्यो छै हाथ लुंग बखेर गयोये । सीनीकी तुंमत जाणै राईबर एकलोये सागे छड़ीदार चोपदार हाकम हवालदार करहां ऊभ्याकामदार मामा ऊभ्या कीलदार भाई भतीजा सब परवार बरकै बापुजी सरायो उमराव लुंग बखेर गयोये ।२। मोदीड़ारी हाट बनो गयोये बेटी मोडी-डारी पकड्यो छै हाथ लुंग बखेर गयोयें गान्दीकी तूंमत जाणे राई बर एकलोये सागे छड़ीदार चोपदार हाकम हवालदार करहां ऊभ्या कामदार मामा बरका कीलदार ताऊ बाबा सब परवार

बरकै ताऊजी सरायोये सिरदार लूंग बखेर गयोये । ३ । साजनीयांरी पोल बनो गयोये बेटी साजनियांरी पकड्यो छे हाथ लूंग बखेर गयोये बनडी तूं मत जाने बनडो एकलोये ॥ सागै छड़ीदार चोपदार भाई भतीजा सब परवार बरकै सुसरेजी सरायो उमराव लूंग बखेर गयोये । ४ ।

जकड़ी नं० ८

चान्द्या तेरे च्यानणे सजी डागल घाली खाट गयोने राजन बावड्योस ढोला रात्युं जोईबाट सुवटा जंगलका बासीरे सुवटा जंगलरा बासी मेरो बीछड्यो कन्थ मीलाय सुवटा जन्म जनम दासी । १ । सई संवारी बावड्यो सजी बासी बीडलो हाथ भंवरजी बासी बीडलो हाथ बीडलो राल बजारमें तो जी रपटे महलके

मांय सुवटा । २ । मोती छो एक लाखको सजी गयो पलेसे खुल गोरी छी एक मोजकीम बा गई बचन सभ भुल । सुवटी । ३ । थलीयां पड़ीयो काचरो तोरे लावणसे गुड जाय भंवरजी लावणसे गुड जाय बीना अकलको सायबोतो जीसेजासे उठ जाय । सुवटा । ४ । काचा तो बैंगण भला सरे पाकी भली अनार भंवरजी पाकी भली अनार रसीया तो पतला भलासजी मोटा जाट गंवार । सुवटा ।५। रसीया तो ऐसा बण्यासरे झाड़ीरा बड बोर भंवरजी झाड़ीरा बडबोर उपर लाली देरहा सजी दीलका बडा कठोर । सुवटा । ६ । गोरी तो ऐसी बनी सरे सींगाडरी बेल उपर कांटा प्रेमका सरे दीलकी बडी दलेल । सुवटा ।७। नदी कीनारे रुखड़ो सरे पान गया सब सुक बारा बरसको छोकरोस मेरी जोबन लगयो लुट सुवटा । ८ । काचो लोटो

दुदको सरे मोबत पीयो न जाय घणी पीयारी मेरी मावडीस बालम बीन रयो न जाय सुवटा जंगलका बासी ।९। पतली छन्नी कांचकी तोजी बीन फोडो फुट जाय परदेसीकी गोरडी या बीन धक्के गुड जाय सुवटा जंगलका बासी मेरो बीछड्यो कंथ मीलाय सुवटीया मैं तेरी दासी ।१०। सुण मायड तन्ने बात कुं सरे कहतां आवे लाज धीयड़नै मुकलाय देतो मेरो सीयां मरे भरतार सुवटा जंगलका बासी मेरा बीछड्यो स्याम मीलाय सुवटा मैं थारी दासी ।११। फुल गुलाबी पोमचो तोरे पड्यो बीरंगो होय मैं मेरी माके लाडली तोजी कद मुकलावो होय सुवटा ।१२। उपर सुकै सुकणां तोरे तले सुकै कचनार गोरी सुकै बापक तोरे हीण पुरसकी नार सुवटा जंगलरा बासी मेरो बीछड्यो स्याम मीलाय सुवटा जलम जलम दासी ।१३।

टप्पो नं० ९

पतलीसी गोरी पतलोसो रसीयो तो रंग म्हल बीच माड्यो तकीयोरे बाबा मांड्यो तकीयो उस पतलीने देखरे रीज्यौ रसीयोरे उस ।१। पानसी पातली हलदसी गोरी तो जोबनमे जानु घीवकी डलीरे बाबा घीवकी डली उस पतलीने देखरे रीज्यो रसीयो उस पतली ।२। तुंलागे मेरे जेठका बेटोतो मै लागुं सागण चांचीरे नैनामत मारे म्हा पापीरे नैना मत मारे।३। अंगली पकड़ मेरा पुंचोबी पकड्यो पुंचो पकड़ मेरी रगदाबीरे मेरी रग दाबी जुगजीबो जेठुतो घर आबो चाचीरे जुग जीबो जेठुतो ॥ ४ ॥

पनीयारी नः १०

पहला सासुजी थाने जायण आइरे हाथ

जोड लगी समजाने मेरा पीया परदेस सीधारया जी इस कारण पुछुं थाने।१। संगरी सहेली आई बुलावण अरज सुनो सासु म्हारी हुकम करो तो थारे जलभर ल्याऊं जी बन नाजकडी पनीयारी।२। संगरी सहेलीराक्या पती यारा आखर नार पराई घोरानी जीठानी संग जलभर ल्यावो संग लेल्यो नणदल बाई।३। सीरपर घड़ो घड़ेपर मटकी इडुनी मोत्यावारी रीम झीम करती पानीडेन चाली वन नाजकड़ी पनीयारी।४। आगे आगे छोटी नणदुली पाछे नाजक पनीयारी घोरानी जीठानी मील पानीड़ने चालीजी बन ठनक प्रीतम प्यारी।५। घाट घाटपर खडया मुसाफर घड़लो उठाई मेरा दीलज्यानी घड़लो उठाईरो काई म्हाने देस्योये थे घण जोबन मस्तानी।६। घडलो भराईरो थकाई लेस्याजी घडलो उचाई

मेरा दीलज्यानी ओरांने देदेउं म्हार रुपैया थे कांई लेस्यो म्हलानी। ७। केसर वरणु अंग तीहारो हुसन खील्या ज्युं गुल क्यारी घड़लो उचाई में जोवनीयुं थे बकसो म्हाने थे घन नखराली। ८। होला होला बोलो मुसाफर खड़ा सुने नणदल बाई दील मैं धीरज राख मुसाफर फेर मीला बेमासांई। ९। छानेसी बात करी कांई भावज मै बातां सब सुनपाई परदेसीसे प्रीत न करना समज लेवो थे मनके मांई। १०। लाज हमारी राखो बाइजी थारी रखेगो गीरधारी हाथ जोड़ थानै अरज गुजारूंजी मत कहज्यो थारी मीजीसानै। ११। सीर धर घडो चली पनीयारी आगे चले नणदल बाई लैरां लाग्यो चलै मुसाफर भुलन जैयो छीनगारी। १२। घड़लो उतारो सासुजी म्हारो अरज करै भवड थारी चालै दरद पेट

में भांरीजी रग रग सब दुखै म्हारी । १३ । घड़लो उतार धरचो पीरंडैमें जद बोली नणदल म्हारी साची बात सुनो म्हारी मायेड़ भउ बीगड़ गई सुन थारी । १४ । झुठी बात कहो मत नणदी थे क्युं लैर पड्या म्हारी चालै जुलम दरद सीनेमें मरी दरदकी मैं मारी । १५ । सासुजी हमारो पेटड़ली सो दुखै ज्यान जाये मेरी पल पलमे बैद बुलाय म्हारी नवज दीखादे दरद मीटावे पल छीनमे । १६ । अबही बैद बुलाउं भवड म्हारीये दवा कराउं मैं थारी कुंण सो बैद बुलाकर ल्याउंजी कसक मीटाव सभ थारी । १७ । थारे पसवाडै बसै बैदजा जलद बुलावो थे बानै बोई करेगो दवा हमारी देर लगावो थे क्यानै । १८ । छोटी नणदलसे चले मन सारो पापण गैल पडी म्हारी सासु हमारी बोली दासी नणदल सज्जन हतीयारी । १९ ।

बनड़ो नः ११

रसीलीरे बागमें म्हावतियारी बेटी तो हस्ती मुलायेरें राईवर चालो रसीलीरे बागमें रसीलीरे बागमें खुरसानारी बेटी तो घुड़ला मुलायेरे राइवर चालो रसीलीरे बागमें ॥ आपां दोनूं चाला रसीलीरे बागमें चोपड़ पासा खेलां रसीलीरे बागमें । रसीलीरे बागमें सोनीडारी बेटी तो सोनु मूलायेर राई बर चालो रसीलीरे बागमें ॥ रसीलीरे बागमें गान्दी डारी बेटी तो पडलो मुलायेर राइ बर चालो रसीलीरे बागमें । आपां दोनु चाला रसीलीरे बागमें चोपड पासा खेलां रसीलीरे बाणमें ॥ रसीलिरे बागमें बजाजांरी बेटी तो बरीये बीसायेर राइवर चालो रसीलीरे बागमें । रसीलीरे बागमें साजनीयारी बेटी तो बनडी पर नायेर राइबर चालो रसी-

लीरे बागमें आपां दोन्युं चालां रसीलीरे बागमें चोपड़ पासा खेलां रसीलीरे बाग में ॥

बनडो न. १२

बना हस्ती ल्याज्योजी डोरी अन्तर में भीजे । बनाजी घुडला ल्याज्योजी डोरी अन्तर में भीजे । डोरी अन्तरमें भीजे । सांख जलेबी की आवै । घरबसफीनी बीआवेक लड्डु पेडाबी आवे खूरमा मैदाका आवे भुजिया बेसणका आव कचोला दुंदाका आव के पंखा खसखसकी आव सीसी अतरकी आव बनीये म्हारो बनडो रसीलो खेलेदडीक चोपड पासा पीवे सपबत घोल बतासा वनी म्हारो वनडो नादान खेले दडीक चोपड पासा ॥१॥ बना सोनुं ल्याज्योजी डोरी अन्तर में भीजे बना रुपो ल्याज्योजी डोरी अन्तर में भीजे बना पडलो ल्याज्योजी डोरी अन्तर में

भीजे बना बरी बीसाज्योजी डोरी अन्तर में
भीजे बना ज्यानी ल्याज्योजी डोरी अन्तर में
भीजे बना पातर ल्याज्योजी डोरी अन्तर में
भीजे बना बनडी ल्याज्योजी डोरी अन्तर मे
भीजे डोरी अन्तर में भीजे के सांख जलेबीकी
आवे लड्डु पेडा बी आव क घरबस फीनी
बी आवे खुरमा मैदाका आवे भुजिया बेसण
का आवे कचोला दुदांका आव क पंखी
खस खसकी आवे बनी म्हारो बनडो
नादान खेल दड़ीक चोपड पासा पीव सरबत
घोल बतासा बनीये म्हारो बनड़ो नादान खेलै
दडीक चोपड पासा ॥ २ ॥

तमाखू नः १३

कोठे भुवाउं म्हारा मारुजी जरद तमाखु
कोठे गुलजारी रो फूल पीवो ना बाइजीरा

बीरा जरद तमाखु ॥१॥ क्यारयां मुबाउं म्हारा मारुजी जरद तमाखु धोरा गुलजारी रो फुल पीवोना आलीजा भंवरजी जरद तमाखु ॥ २ ॥ क्यारें सीचाउं म्हारा मारूजी जरद तमाखु क्यारें गुलजारी फुल पीवोना सेजांरा सुरज जरद तमाखु ।३। दुदां सीचाउं म्हारा मारुजी जरद तमाखू घट्टी गुलजारी फुल पीवोना हीवडारा जीवडा जरद तमाखू ।४। क्यारे नीनाणु म्हारा मारुजी जरद तमाखू क्यारे गुलजारी फूल पीवोना कोयेरा वो काजल जरद तमाखू ॥५॥ खूरपा नीनाणु म्हार मारूजी जरद तमाखू कसीयां गुलजारी रो फुल पीवोना नथलीरा मोती जरद तमाखू ॥६॥ क्यांरे चुटाऊं म्हारा मार्नागर जरद तमाखू क्यारे गुलजारी फूल पीवोना सासु सुगणीरा जाया जरद तमाखु॥७॥ डाला चुटाऊं म्हारा मारुजी जरद तमाखू छबल्या गुलजारी

फुल पीवोना मदछकीया भंवरजी जरद तमाखू ॥८॥ क्यारे मंगाउं म्हारा मारुजी जरद तमाखू क्यारे गुलजारी रो फुल पीवोना म्हारा भंवर बादली जरद तमाखु ॥ ९ ॥ गाडा मंगावो म्हारा माणीगर जरद तमाखु उंटा गुलजारी रो फुल पीवोना म्हारा भंवर बलीला जरद तमाखु ॥ १० ॥ कठे तो सुकाउं मदछकीया जरद तमाखू कोठे गुलजारी रो फुल पीवोना हीवडेरा जीवडा जरद तमाखू ॥ ११ ॥ आंगणीये सुकावो म्हारा मारुजी जरद तमाखू छातां गुलजारी फुल पीवोना बाईजीरा बीरा जी जरद तमाखू ॥१२॥ कुंण तो पीवलो म्हारा मारुजी जरद तमाखू कुणतो गुलजारी रो फुल पीवोना भोली बाइ-जीरा बीरा जरद तमाखू ॥ १३ ॥ साथीड़ा पीवेला मनभरीया जरद तमाखू आप गुलजारी रो फुल पीवोना म्हारा भंवर बलीला जरद तमाखू

पीवोना कोयरा बो कजरा जरद तमाखू ॥१४॥

जकड़ी न० १४

माथारो दुमालो लसकरीया जी कोई फुलां हंदो भारो म्हारा राज नाक उपरली डांडी लसकरीया जी कोई छैला चोपड़ मांडी म्हारा राज। आंखड़ल्यांरो पानी भरीयाजी कोई झीनी केसर छानी म्हारा राज। ओलंगडीसी आवे लसकरीयाजी धणने सागे लेचालो म्हारा राज॥ १ ॥ देसड़लो परायो मन भरायीजी जीव जतन कर राखो म्हारा राज। हाथांरी अंगुठी लसकरीयाजी याबी रंगरी बूंटी म्हारा राज। थारी म्हारी जोड़ी लसकरीयाजी याबी बीदना कोरी म्हारा राज। हाथारी हथेली लसकरीया जी देव घड़ाघड़ थाली म्हारा राज। ओलंगडीसी आवे मन भरीया जी धणने सागे

ले ल्यो म्हारा राज ॥ २ ॥ पगल्यांरा अंगुठा लसकरीया जी जानुतेजी घोडा छुव्या म्हारा राज । जैपरीये सीधाज्यो लसकरींया जी तारा-टीकी ल्याज्यो म्हाराराज । दिल्ली सहरमें जावो लसकरियाजी जालीकी चोली ल्याज्यो म्हाराराज जाणु छो तो माणु .लसकरीयाजी खुंटी क्याने तानु म्हाराराज । ओलंगडीसी आवे लसकरी याजी धणने साथे लेलो म्हारा राज ॥ ३ ॥

जकड़ी नं: १५

डूंगरीयो घर छायो म्हारा माणीगर डूंग-रीयो घर छायो जी थारे म्ह.रे जीवके तांइजी जराक हंजा बोलो बोलो तो दील खोलो म्हारा बादीलाजी जराक हंसके बोलो ॥१॥ पहली रैन बुलाई म्हारा मानीगर पहली रैन बुलाई जी म्हाने बाठांज्यूंर बगाइजी जराक हंजा बोलो

बोलो तो दील खोलो म्हारा माणीगर दीलकी घुंडी खोलो ॥ २ ॥ दुजी रैन बुलाई म्हारा माणीगर जी नार बडी पीव छोटाजी जराक हंजा बोलो बोलो तो दील खोलो लसकरीया जी थारी प्यारीसे क्यांरोओलो जराक हंजा बोलो ॥ ३ ॥ तीजी रैन बुलाई म्हारा मानीगर तीजी रैन बुलाई जी पीलंग बड़ो घर छोटोजी जराक हंजाबोलो दीलकी घुंडी खोलो लसकरीया जी गोरी धणसे क्यांरो ओलो जराक हंजा बोलो बोलो तो दील खोलो म्हारा बादीलाजी दीलरी घुडी खोलो जराक हंजा बोलो ॥ ४ ॥ चोथी रैन बुलाई म्हारा माणीगर. चोथी रैन बूलाई जी म्हाने बातांमें बीलमाइजी जराक हंजा बोलो बोलो तो दील खोलो लसकरीया जी गोरी धणसै क्यांरो ओलो जराक हंजा बोलो ॥ ५ ॥ पांचवी रैन बुलाइ म्हारो माणी

गर पांचवी रैन बुलाइजी झुलें ज्यूर झुलाइजी जराक हंजा बोलो बोलो तो दील खोलो म्हारा माणीगरजी प्यारीसे क्यांरो ओलो जराक हंजा बोलो ॥६॥ छठी रैन बुलाई म्हारा माणीगर छठी रैन बूलाइजी म्हाने लाडु ज्युर लडाइजी जराक हंजा बोलो थारी नाजोसे क्यांरो ओलोजी जराक हंजा बोलो ॥७॥ सातवीं रैन बूलाई म्हारा माणीगर सातवीं रैन बूलाईजी म्हाने अघर पतासोसी फोडी जी जराक हंजा बोलो बोलो तो दील खोलो म्हारा माणीगर नाजोसे क्यांरो ओलो जराक हंजा बोलो ॥८॥

ढेवर न. १६

के लसकरको पाणी लागणुं के थारे लाग्यो रंगं। काबल गढकी कामिनीतो थाने राख लीयो बीलमायजी देवरीया प्यारा रीजरयाजी पर

नारीयां ॥ १ ॥ ना लसकरको पानी लागणुं नाम्हारे लागयो रंग काबल गढ़री कामनी तो म्हाने राख लीयो बीलमाय ये भोजाई प्यारी एजी ये भावज छीनगारी नखेजी नगरसे आया तीजने ॥ २ ॥ सुन देवर थाने बातकुं सरे कहता आवे लाज । म्हारी घोरानी कुछ ना जाने रीत भांतकी बातजी देवरीया प्यारा एजीवो देवर मतुवारा रीज रयाजी पर नारीयां ॥ ३ ॥ एक तो देवर हमने रखल्यो दूजीहै घोरानी । अगनी कहीये भायली तो कोई चौथा देवर आपजी देवरीया प्यारा एजीवो देवर छीनगारा रीज रयाजी पर नारीयां ॥४॥ भावज़ थारे रुपकी सजी काबल पडी पुकार के बीधना सांचे मे ढाली के तोये घडी सूनार जी भोजाई प्यारी एजीये म्हाने लागो प्यारी नखेजी नगरसे आया तीजने ॥५॥ ना बीधना

सांचेमे ढाली ना मोथ घडी सुनार जलम दीयो म्हारी मावडीतो जी रुपदीयो करतारजी देवरीया प्यारा एजीवो म्हाने लागो प्यारा रीज रयाजी पर नारीयां ॥६॥ थे देवर ऐसा बण्याः सजी झाडीरा बडबोर उपर लाली देरया सजी दीलका बड़ा कठोरजी देवरीया प्यारा एजीवो देवर मतुवारा रीज रयाजी पर नारीयां ॥ ७॥ थे भावज ऐसी बनी सजी सींघाडेरी बेल उपर कांटा प्रेमका तो जी दीलका बड़ा दलेलजी भोजाई प्यारी एजीये भावज छीनगारी नयेजी नगरसे आया तीजने ॥ ८ ॥ काचा तो बैंगण भलासजी पाकी भली अनार रसीया तो पतला भलासजी मोटा जाट गंवारजी देवरीया प्यारा रीज रयाजी पर नारीयां ॥ ९ ॥ नदी किनारे रुंखडो सजी पान गया सब सुक। बारा बरसकी छाकरी बो मेरा जीबन लेगयो लुटजी

देवरीया प्यारा रीज रयाजी पर नारीथां ॥१०॥

जकड़ी न. १७

ज्यानी झीनी झीनी चालैबाल सहलानी ढोला झीनीझीनी चालैबाल दीपक हम कैसे जोवाजी ॥१॥ गोरी गजको घुंगट काड मीजाजण गोरी गजको घुंगट काड दीपक तुम ऐसे जोवोजी दीपक तुम ऐसे जोवोजी ॥ २ ॥ ज्यानी ल्होडी ये बीरेको ब्याह मीजाजीढोला ल्होड़ीये बीरे रो ब्याह ब्याहमे कुण कुण जास्योजी ब्याहमें कुणकुण जास्योजी ॥ ३ ॥ गोरी रुणझुण बैल जुपाय नाजक गोरी रुणझुण बैल जुपाय ब्याह में तुमही जावोजी ब्याहमे तुमही जावोजी॥४॥ ज्यानी बिचपडे वो बजार मिजाजी ढोला बीच पडे वो बजार बजारां एकलड़ी डरपुंजी बजारा एकलड़ी डरपुंजी ॥५॥ गोरी ल्होडीयां देवरल्यो

साथ बजारां धण दोनु जावोजी बजारां धण दोनुं जावोजी ॥ ६ ॥ गोरी थे चाल्याये थारे पीर मीजाजण गोरी थे चाल्या थारे पीर म्हलां म्हाने डर लागजी म्हलांमें म्हाने डर लागजी ॥ ७ ॥ ज्यानी ले भावज रो साथ सहलानी ढोला ले भावजने साथ सेजमें दोनों पोंडोजी सेजमें दोनों पोड़ोजी ॥ ८ ॥ गोरी अब काटुं ये तेरी नाड़ मीजाजण गोरी अब काटुं तेरी नाड़ भावजरो भरम धरेछजी भावजरो भरम धरचो छजी ॥९॥ ज्यानी समझेर काटो नाड़ मीजाजी ढोला समझर काटो नाड़ फीरंगी राज करेछजी फीरंगी राज करेछजी ॥ १० ॥ गोरी अबके पहरकी नार मीजाजण गोरी अबके पहररी नार मरदके सामे बोलेजी मरदके सामी बोले जी ॥ ११ ॥ ज्यानी अबके पहरका मरद मीजाजी ढोला अबके पहरका मरद भोत बीभचार

करछजी भोत बीभचार करछजी ॥ १२ ॥ गोरी अब कलयुगकी नार मीजाजण गोरी अब कलयुगकी नार सरम कीसकी नहीं राखजी कांण कीसकी नहीं राखेजी ॥ १३ ॥ ज्यानी कलयुग घोरम घार सहलानी ढोला कलयुग घोरंम धार कटारी छैला सागै राखजी कटारी छैला सागै राखेजी ॥ १४ ॥ गोरी नाहक कडवी बोले मीजाजण गोरी नाहक कडवी बोले ताना झुठा मारजी ताना झुठा मारजी ॥ १५ ॥

लकड़ी न० १८

नोगजकी मैं अंगिया सिमाई तो दश गज कीरे घलाई टुकीरे मेरी कसके आंगिया क्युं बीतीरे मेरी सकडी अंगिया क्युं सीमीरे ॥ १ ॥ आगियां तो लेर मैं तो सुसरेजी पागई छी तो

अंगीयारी सीमाई मांगै बाल्यो दरजीरे मांग बाल्यो दरजीरे मेरी कसके अंगीया क्युं बीतीरे मेरी सक्कड़ी ॥२॥ सुसरेजी हमारे इस्तीडा बक्स्या तो नही लेउ नही लेउ बोले दरजीरे बाल्यो बोले दरजीरे मेरी कसके अंगिया क्युं बीतीरे मेरी सकड़ी ॥३॥ अंगिया तो लेर मै तो जेठजी पागई छी तो अंगियारी सीमाई मांगे बाल्यो दरजीरे मांगे बाल्यो दरजी मेरी कमके अंगिया क्युं बीती रे मेरी सक्कड़ी अंगिया क्युं सीमी ॥ ४ ॥ जेठजी हमारे घुडला बक्स्या तो नही लेउ नही लेउ बोले दरजीरे मेरी कसके अंगिया क्युं बीती ॥५॥ अंगिया लेर मै तो काकसरजी कै गइ छी तो अंगियाकी सिमाई मांगे बाल्यो दरजीरे मांगे बाल्यो दरजीरे मेरी कसके कुडती क्युं ॥ ६ ॥ काकसर हमारे सगीर्जाने बकसी तो दबजाउं दबजाउं बोले दरजीरे बाल्यो बोले

दरजी मेरी कसके कुडती क्युं सीमीरे मेरी सकडी ॥ ७ ॥ अंगिया तो लैर मैतो देवरीये पागई छी तो अंगियारी सीमाई मांगे बाल्यो दरजिरे मांग बाल्यो दरजी मेरी कसके कुडती क्युं सीमी ॥८॥ देवरीये हमार म्हारा बकसी तो नही लेउ नही लेउ बोले दरजीरे बाल्यो बोले दरजी मेरी कसती अंगिया क्युं सीमीरे मेरी सकडी ॥ ९ ॥ अंगिया लेर मेरे मारुजी पागई छी तो अंगियारी सीमाई मांगे बाल्यो दरजी मांग बाल्यो दरजी मेरी कुडती कसटी क्युं सीमीरे मेरी ॥ १० ॥ मारुजी हमारे गोरी घणने बकसी तो अब लेउ अब लेउ बोले दरजीरे मेरी कसके अंगिया क्युं बीतीरे मेरी सकडी अंगिया क्युं सीमीरे ॥ ११ ॥ म्हे म्हारो बादीलो पोडस्यार दरजी तो तेरै पड़ली बाला सीरमें जुतीरे बाल्या सा सो जुती मेरी कमके अंगिया क्युं बीती ॥१२॥

ढूपके नं० १९

मेरे आंगण नीमड़ीरे तेरे आंगण नीम तने चाये ख्याल तमासा मने आवे नीन्दरे माणीगर ढालो तुं मेरो कयो मानरे माणीगर ढोला ॥ १॥ आम तलै धण पोडतीरे तलै बांछाती चीर राजन पंखो ढोलतारे सोज्या नाजक जीरे माणीगर ढोला ॥२॥ नीम तले कर नीसरयाजी लाम्बी भर गया बीख समजायो समजे नहीरे चले पराई सीखरे माणीगर ढोला तुं मेरो कयो मानरे माणीगर ढोला ॥

भायली नं २०

चेडीया पन्नामारु सुरारीरे सीकार एजीवो भंवरजीरे कोई आता लेआया भजबन भायलीजी म्हारासराज बादीला ढोला आता ले आया गजबन भायलीजी म्हारासराज ॥ १॥ आता

जाता होगई बैरन रात एजीरे भंवरजीवो कोई डेरा तो ढोल्या चम्पा बागमेंजी म्हारराज मद छकीया ढोला डेरा तो ढाल्या चम्पा बागमेंजी म्हारराज ॥ २ ॥ भायलीये लाम्बा तीखाकेस एजीवो भंवरजीवो कोई आदा बीछाल्यो आदा ओडाल्योजी म्हारराज ॥३॥ ये छै म्हारी माका पाल्या केस एजीवो भंवरजी वो कोई स्यालु बीछाल्यो थीरमा ओडल्योजी म्हारराज बीलाल ढोला स्यालू बीछाल्यो थीरमा ओडल्योजी म्हारराज ॥ ४ ॥ तोड्या पन्नामारु बडलेरा पान एजीवो कंवरजीवो कोई जांरी बनाई रंगरी ढोलणीजी म्हारराज ॥५॥ सुत्या भंवरजी सुख भर नींद एजीवो बादीलेने कोई परणी चीत आई घरकी गोरडीजी म्हारराज ॥ ६ ॥ चडीया पन्नामारु ढलतीसी रात एजीवो भंवर-

जीवो मदछकीया कंवरजीवो कोई दांनतो

उगायो बाबाजीरे देसमेंजी म्हारारराज ॥ ७ ॥
उठोना भीजाजण गोरी ढकीयो फलसो खोल
एजीवो मीरगानैणी कोई बाहरतो भीजे मारुजी
री भायलीजी म्हारारराज ॥ ८ ॥ मारुजी म्हारी
सेजांरा सीणगार एजीवो भंवरजीवो कोई भायली
रोडोलोपाछो फेरद्योजी म्हारारराज ॥९॥ दमडासाटे
आवे घररी नार एजीये भीजाजण ये कोई सीर
रेतो साटे आव भायलीजी म्हारारराज ॥ १० ॥
रस्त रस्त आवे घरकी नार एजीये कोई उजड
तो आवे प्यारी भायलीजी म्हारारराज ॥ ११ ॥
सुसरोजी म्हारा थे छो धरमका बाप एजीवो बडा
जीवो कोई सोकणतीरो डोलो पाछे फेर द्योजी
म्हारारराज ॥ १२ ॥ महली भवड असल गंवार
एजीये भवड म्हारीये कोई बेटेर मन भाई प्यारी
भायलीजी म्हारारराज ॥१३॥ जेठजी आगे सात्त
सलाम एजीयो बडाजीवो कोई भायलीरो डोलो

पाछो फेर द्योजी म्हारारराज ॥१४॥ भवड म्हारीये
नीपटनादान एजाये भंवडीयारे कोई बीरजीरे
मन भाई प्यारी भायेली म्हाराज ॥ १५ ॥
देवर म्हारी जोडीरा जवान एजीवो देवरीयाजी
कोई भायलीरो डोलो पाछो फेर द्योजी म्हारा
राज ॥ १६ ॥ उठीयो देवरियो होय असवार
एजीवो बीराजीवो कोई भायलीरो डोलो पाछो
फेरद्योजी म्हारारराज ॥ १७ ॥ उठोना पन्नामारु
दातणीयो जी मोल एजीवो भंवर जीवो कोई
थाररे दातणरी बेला होगईजी म्हारारराज
॥ १८ ॥ दातण थारे देवरने कराय एजी ये
हतियारीजी कोई म्हारा दातण झारीये भायली
लेगईजी म्हारारराज ॥ १९ ॥ उठोना भंवरजी
न्हावण संजोय एजीवो मारुजीवो कोई थारे
न्हावणरी बेला होगईजी म्हारारराज ॥२०॥ न्हा-
वण थारे देवरने कराय एजीये म्हाने लागो खारी

ये कोई म्हारीये धोतीबी भायली लगईजी म्हारा राज ॥२१॥उठोना भंवरजी कोई थारी जीमणरी बरीया होगईजी म्हाराराज ॥ २२ ॥ उठोना पन्नामारु म्हल तो पधारो अजीवो कंवरजीवो कोईथार पोडणरीबेला होगईजी म्हाराराज।२३। म्हलबी थारे देवरने पोडाय म्हारैतो म्हलरी चाबी भायली लेगईजी म्हाराराज ॥ २४ ॥ उठोना पन्नामारु म्हासे रंग माण ऐजीवो कंवरजीवो मदछकीया भंवरजीवो कोई अरज करे छ थारी गोरडीजी म्हाराराज ॥ २५ ॥ सेजां माणे म्हारीये बलाय एजीये छीनगारीये मदछकीयारी प्यारी ये कोई म्हारी नैनारीं नदिडली भायली लेगईजी म्हाराराज ॥ २६ ॥

टप्पो नं: २१

तन मीठीरे तु तेकसीरे तन सीराने गटक

लूं हांरे तन सारिने गटक ल्युं नैन मीरगका गोरीये कहांसे हर ल्याई ॥१॥ गालाने खागई जुल-फीयांरे मेरा हंजा सीपाई हांरे मेरा हंजार सीपाई नैनाने खागई नैनाने खागई ज्यानीवो के हांये पराई हाथांने खागई नीगरीरे मेरा हुंजार सीपाई गोरीने खागई ज्यानीवो तेरा गुमराई ॥२॥

लोटन करवो नं० २२

कोठे भुवांउ डोडा इलायचीरे म्हारा लोटन करवा कोटे भुवांऊ नागर वेल एजीवो मीरगा नैनीरा ढोला मारुणी ऊडीके घर आव ॥ १ ॥ घोरा भूवावो डोडाइलायचीये म्हारी तनक मीजा-जण क्यांरचा भुवादो नागरबेल एजीवो म्हारा पन्ना भंवरजी घाईरे कुमाइ घरआव ॥२॥ क्यांसे सीचाउं डोडाइलायचीरे म्हारा लोटणकरवा क्यांसे सीचाउं नागरबेल एजीवो सेजारां सुरज मारुनी

उडीके घरआव ॥ ३ ॥ दुदां सींचावो डोडा इलायचीरे म्हारी मीरगानैणी दहीसे सींचावो नागरबेल ऐजीवो बादलभरनीरा ढोला घणोजी कुमायो घरआव ॥ ४ ॥ क्यांसे नीनाणुं डोडा इलायचीरे म्हारा लोटणकरवा क्यांसे नीनाणुं नागरबेल एजीवो बादीला भंवरजी मारुणी ऊडीके घरआव ॥ ५ ॥ खुरपां नीनाणुं डोडा इलायचीरे म्हारी चन्दाबदनी कसीया नीनाणुं नागरबेल एजीवो चीता लंकीरा ढोला धाइमें कुमाई घरआव ॥६॥ क्यांसे चुटाउं डोडाइला-यचीरे म्हारा लोटणकरवा क्यांसे चुटाउं नागर बेल एजीवो गजगहनीरा ढोला प्यारीउडीके घरआव ॥७॥ छबल्यां चुंटावो डोडाइलायचीये म्हारी घणीरे पीयारी कोई डालां चुंटावो नागर बेल। राजीवो पीया प्यारीरा ढोला कागलीया उडाउं अब घर आव। एजीवो चन्दाबदनीरा

ढोला नांनीरे बुन्द्यारो बरसे मेह । म्हारे छैल भंवरराा करवारे मंजल घर आव ॥ ८ ॥ क्यांपर मंगाउं डोडाइलायचीरे म्हारा लोटणकरवा क्यांपर मंगाउं नागरबेल एजीवो छीनगारीरा ढोला एज़ीवो पीया प्यारीरा ढोला प्यारीजी ऊडावउभी काग ॥ ९ ॥ गाडां मंगावो डोला इलायचीये म्हारी प्रानपीयारी कोई ऊंटा मंगावो नागरबेल एजीवो पीया प्यारीरा ढोला घणोई कुमायो घरआव ॥ १० ॥ कठे तो सुकाउं डोडा एलायचीरे म्हारा लोटणकरवा कठेर सुकाउं नागर बेल एजीवो मीरगानैनीरी ढोला काया क्युं जरावो घरआव ॥ ११ ॥ छतपर सुकावो डोडा एलायचीरे म्हारी मीरगानैणी मेडीपर सुकावो नागरबेल एजीवो छीनगारीरा ढोला नांनी नांनी बुन्दक्यांरो बरसेमेह ॥ १२ ॥ कुंणतो चावेलो डोडा एलायचीरे म्हारा लोटनकरवा कुण

चावेलो नागरपान एजीवो पीया प्यारीरा ढोला एजीवो बादल भरनीरा बालम दौलत भरपाइ घरआव। रसीयो चाघलो डोडाएलायचीरे म्हारा लोटणकरवा प्यारीधण चावेली नागरपान एजीबो रंगरसीया ढोला एजीवो सेजांरा सुरज अबतो पधारो म्हारे देस॥ १३॥

लुर होलीकी नः २३

भल भाग्या मोरचोये ऐसैयो बेटीजाई भल कुंण कहछोये ऐसैयो बेटीजाई। या कैथी कैथीये ऐसैयो दाईये माई। यातो झुठी एसैयो दाईये माई। देखी देखी एसैयो पालण से झुलै। भल होसी होसीये एसैयो खातीडारी बेटी। देखी देखी ये एसैयो दुध्योये पीती भल होसी होसीये एसैयो गुजरडारीये बेटी देखी देखीये एसैयो गुडियांये रमती। भल

होसी होसी ये एसैयो दरजीडारी ये बेटी।

पहली। थारी लुवरडी म्हारो लुवरडो अबतो करो नीगोड्या व्याव राय जादीये लुर छैला प्यारीये लुर जेसल मेरी ये लुरडी।

दुसरी। म्हारे चाकीबी नांई म्हारे चुलोबी नाई क्यांस करां नीगोड्यो व्याव रायजादी ये लुरडी।

पहली। थाने चाकीबी देस्यां थाने चुलोबी देस्यां अबतोकरो नीगोड्यो व्याव रायजादी ये लुर धणीये पीयारी ये लुरडी।

दुसरी। म्हारे थालीबी नाई म्हारे बटवोबी नाई क्यांसे करां नीगोड्यो व्याव रायजादी ये लुर छैला प्यारी ये लुरडी।

पहली। थाने थालीबी देस्यां थाने बटवोबी देस्यां अवतो करो नीगोड्यो व्याव राय दीये लुरडी।

दुसरी। म्हारे चोकीबी नाई म्हारे पाटोबी नाई क्यां
से करां नीगोड्यो ब्याव रायज्यादी ये लुरडी
पहली। थाने चोकी बी देस्यां थाने पाटोबी
देस्यां अव तो करो नीगोड्यो ब्याव राय-
जादीये लुरडी।
दुसरी। म्हारे पापड बी नाई म्हारे मंगोडी बी
नाई क्यांसे करां नीगोड्यो ब्याय राय
जादीये लुर छैला प्यारी ये लुरडी।
पहली। थाने पापड बी देस्यां थाने मंगोडी बी
देस्यां अब तो करो नीगोड्यो ब्याव राय
आदी ये लूरडी।
दुसरी। म्हारे आंगीबी नांई म्हारे चोलीवी नाई क्यां
से करां नीगोड्यो ब्याव रायजादीये लुरडी।
पहली। थाने आंगीबी देस्यां थाने चोलीवी
देस्थां अबतो करो नीगोड्यो ब्याव। राय
जादी ये लूरडी।

दुसरी। ओछी सुपारी भाई ओछा पान।
ओछाइ ओछा आया जान।
पहली। लांबी सुपारी भाई लांबा पान लांबाइ
लांबा आया जान।
दुसरी। बोदी सुपारी भाई बोदा पान बुडा
बुडा आया जान।
पहली। छैली सुपारी भाइ छैला पान छैला
छैला आया जान।
दुसरी। बीजी सुपारी भाइ बीजा पान बीजा
बीजा आया जान।
पहली। सोवणी सुपारी भाइ सोवणा पान
सोवणा सोंवणा आया जान।
दुसरी। चुन्दी सुपारी भाई चुन्दा पान चुन्दा
चुन्दा आया जान।
पहली। डावर नैनी सुपारी भाई डावर नैना
पान डावर नैना आया जान।

दुसरी । माड़ी सुपारी भाइ माड़ा पान माड़ा
माड़ा आया जान ।
पहली । मोटी सुपारी भाइ मोटा पान मोटा
मोटा आया जान ।
भल भाग्या मोरचाये थे सैयो डेराबीदिवावो ।
थाने डेरो द्यास्यांये ए सैयो उंचैये धोरे । उंचे
सैयो पवन झकोले । थाने डेरो द्यास्यांये सैयो
नाथुराम वाडे नाथूराम चोखोये सैयो भवड
बैंरी खोटी । आये गयेन ये सैयो देवे नहीं
रोटी । आये गयेकीये सैयो काडेबा लंगोटी ।
दूसरी । गांव गलीरा छोरटारे म्हाने धोलो
दुवो देव बोलो बेरोरे ।
पहली । धोला गायरा बाछडारे धोला रूई
कपास बालो बैरोरे ।
दूसरी । गांव गलीरा छोरटारे म्हाने हरीयो
दुवोदेय वालो बैरोरे ।

पहली । हरीया सावण भादवा हरीसूवैकी पांख
बालो बैरोरे ।

दूसरी । गांव गलीरा छोकरारे म्हाने लोटण
दूवोदेव बालो बैरोरे ।

पहली । गद्धी लोटे कुरडीयांजी घोडी लोटे
ठाण बालो बैरोरे ।

दूसरी । गांव गलीरा छोकरारे म्हाने घुमण
दुवो देय बालो बैरोरे ।

पहली । घुमे चाक कुम्हारकी कोइ घुमे घाणीरी
लाठ बालो बैरोरे ।

दूसरी । गांव गलीरा छोकरारे म्हाने बीन्दण
दुवो देय बालो बैरोरे ।

पहली । बीन्द्या खाट खटोलनारे कोई बीन्दा
चारुइस बालो बैरोरे ।

दूसरी । गांव गलीरा छोकरारे म्हाने कालो दूवो
देय बालो बैरोरे ।

पहली। काला कोयल कागला गोरी काला
बामगा नाग बालो वैरोरे।
गाडी जोड जुंवाइडो आयो कर समदन मुकलावो।
सासु। जुंवाइडा मेरी नोमण कजलो सारेरक
मेरी लाडो नाचले।
जुंवाइ। सासुडी मैं कजलेरा कोट चीणाद्युं येक
तेरी लाडो लेचढुं।
सासु। जुंवाइडा मेरी नोमण कोरो चाबेरेक
मेरी लाडो ना चले।
जुंवाई। सासुड़ी मैं दसमण मुगड़ा भुना द्युं
येक तेरी लाडो लेचढुं।
सासु। जुंवाईडा तु बुडो मेरी बालकरे बुडलेके
सागे ना चले।
जुंवाई। सासुडी मैं धोलीया धोलीया खरच्या
येक तेरी लाडो लेचढुं।

सासु। जुवाइड़ा मेरी उंटा चढ़ती डरपरेक

मेरी लाडो ना चले ।

जुंवाई । सासुड़ी मैं रुण झुण बैल जुताझुं येक तेरी लाडो ले चल्यो ।

सासु । जुंवाईड़ा मेरी छाती भबका मारे रेक मेरी लाड़ो ना चले ।

जुंवाई । सासुड़ी तेरी छाती पर सील सरका द्युंयेक तेरी लाड़ो ले चढुं ।

सासु । जुंवाईड़ा तने कांकड़ कालो डस जायो रेक मेरी लाड़ो ले चलो ।

जुंवाई । सासुड़ी तेरो ल्होड़ीयेसे बडोडो मर ज्याजो येक मेरी धणनै ले चल्यो ।

सासु । जुंवाईड़ा मनै रात्युं धोखा आवे रेक मेरी लाड़ो ले चल्यो ।

जुंवाई । मनै ओलंगड़ी सी आवेरेक एकबार करला थामदे ।

द० बद्रीलाल मोलेसरिया, रतननगरवाला ।

कलकत्ता नं० ६७ तुलापट्टी, रामप्रेसमें शिवप्रसाद नेमाणी द्वारा मुद्रित

श्रीगणेशाय नमः ।

मारवाड़ी गीत संग्रह

छट्ठा भाग ।

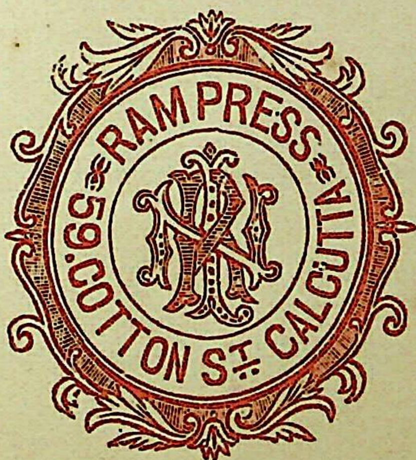
संग्रहकर्त्ता—खेताराम माली झुंझनुवाला ।

जिसको

रामलाल नेमाणीने अपने निजके "रामप्रेस"

यन्त्रालय नः ६८ तुलापट्टी में

प्रकाशित किया ।



1922

चौथी बार]

[दाम ।)

श्रीगणेशाय नमः



मारवाड़ी गीत संग्रह

छठा भाग।

दोहा।

जैजननी जै अम्बिका गौरीपुत्र गणेश।
इनका ध्यानकरणसे कार्य होत सब पेश ॥ १ ॥

चौबीला।

कार्यहोत सब पेश ध्यान इनका तो मैं लगाऊं।
बुद्धी द्यो मोये आनके मैं चरणशिसनीवाऊं ॥
वंशीधरमैं आज मारवाड़ी गीत नया बनाऊं।
भूलजाइसमें होयकुछतो माफकरो सबकोऊ ॥२॥

ससरो



महमद खड़ाद्योजी सुसराजी सवालाखांरी रखड़ी म्हारी सासुजीके पास ज्ञान देकर सुणियोजी थारी भवड़ दे्छै ओलमा ॥ कुंडल घड़ाद्योजी सुसराजी सवा लाखारा झूटणाम्हारी सासुजीकेपास। ज्ञान देकर सुणीयो जी थारी भवड़दे्छै ओलमा। खींवणघड़ाद्यो जी सुसरा जी सवा लाखांरी कण्ठी म्हारी सासुजीके पास ॥ ज्ञानदेकर सुणीयोजी थारीलाड भुवांरी बीनती। बाजुबन्द घड़ाद्योजी सुसरोजी सवालाखारी बंगड़ी म्हारी सासुजी के पास ज्ञान देकर सुणीयोजी सुसरोजी थारी लाड भुवांरी बीनती ॥ पायलघडाद्योजी सुसराजी सदालाखारी बिछिया म्हारी सासुजी घडाय

ग्यान देकर सुणियोजी सुसराजी थारी लाड भुवारी बीणती ॥ दांवण सिमायोजी सुसराजी अस्सी कलियांकी चुनड़ म्हारी सासूजी रंगाय ग्यान देकर सुणियोजी सुसराजी थारी लाड भुंवारी बीनती।

जेठ

जेठके जिठाणी लाडला भंवरजो रात्यु बरफी खाय भंवर थोड़ी म्हानेई मंगायोजी ॥ सोनीको वेटो भायलो भंवरको कोई म्हारी धणने बरफोरो चाव भायला थोड़ी म्हानेई मंगायोजी ॥ महमद लेले कुडल लेले रखड़ीले घर जा.ो म्हारा भायला थारी मारुणी ऊडीकज ॥ दरजीको वेटो भायलो भंवरको म्हारो धणने बरफीरो चाव भायला थोड़ी म्हानई ल्यायोजो ॥ अंगायाले

ल्यो कबजा लेल्यो कुड़ती ले घर जावो म्हाराभायला थारी मारुणी ऊडीकज ॥ कनोईको बेटो भायलो भंवरको म्हारी धणानै बरफीरो चाव भायला थोड़ी म्हानेई मंगाद्योज । लाडू लेल्यो पेड़ालेल्यो बरफी ले घर जावो म्हारा भायला मारुणी रूडीकज ॥

जंवाई

कागद लिख भेजा परवाना लिख भेजा थे तो आयोजी जंवाई दिनदस पांवणां । बागान उतरे जंवाई बगीचान उतरे वेतो उतरे सूसराजोरी रंगरी कोटड़ी ॥ लाडू न जीम जंवाई म्हारो पेड़ा न जीम वेतो जीमे सासु मेड़तरे हाथका भातज ॥ जो म्हला न पोडे जंवाई म्हारो झरोखा न पोढे वेतो पोढे जी छोटे सालारी रंगरी रावटी ॥ स्यालु न

ओडे जुंवाइ म्हारादुसालान ओडे ओडेजी छोटे सालारो रंग पछेवडो।

गीत नयो

आजीवो सासुजी म्हाने मह्वमद घड़ाद्योजी घडोये पलक थारे बोटन समझाद्योजी। टेड़ा टेडा चाले गोरीसे नहीबोलेजी ओजीओ सुसराजी म्हाने बाजुबन्दघडाद्योजी घड़ीये पलक थारे बेटेने समझाद्योजी टेडा टेडा चालेगोरी सेनई बोलेजी॥ ओजीओ बाइजी थाने चूनड रंगांद्यांजी घड़ीय पलक थारे बीरेन समझाद्योजी टेडा टेडा चाले म्हारेसे नई बोलेजी॥ ओजीओ जिठाणी थाने बिछीया घडाद्याजी घडीसे पलक थारे देवनरने समझाद्योजी टेडा टेडा चालेगोरी सेनाईबोलेजी॥ ओजीओ बेटा थारेकायेकी

गुमराइजी स्यामसुन्दर थारेलंजोसी लुगाइजी टडा टडा चालो गोरीसे नहीं बोलोजी ॥ ओजी ओ बिराजी थारे कायेकी गुमराइजी स्यामसुन्दर थारै लंजोसी लुगाइजी ॥ टेडा टेडा चालो गोरीसे क्यूं नइ बोलोजी ॥ ओजीओ देवर थारे कायेकी गुमराइजी टेडा टेडा चालो गोरी से क्यूं नइ बोलोजी स्यामसुन्दर थारे लंजासी लुगाइजी ॥

पीपली

बाय चल्याछा भंवरजी पीपलीजी हांजी ढोला होगई घेर घुमेर बैठाकी रुत चाल्या चाकेरीजी ओजी म्हारी सास सपूतीरा पूत मतना सीधारो घरवकी चाकरीजी ॥ १ ॥ ब्याय चल्याछा भंवरजा गोरडीजी हांजी ढोला होय गई जोध जुवान बीलसणकी रुतचाल्या चाकरी

जी ओजी म्हारी लाल नणदरावो बीर मतना सीधारो पूरबकी चाकरीजो ॥ २ ॥ कूंण थारा घुड़ला भंवरजी कसदियाजी हांजीढोला कूंण थाने कसदिया जीनकुणयाजीरा हूकमा चाल्या चाकरीजी ओजी म्हारे हींवडेका जीवड़ा मतना सीधारो पूरबकी चाकरीजी ॥ ३ ॥ बडे बीरे घुड़ला गोरी कसदियाजी हाये गोरी साथीडा कस दियो जीन बाबाजीरा हूकमा चाल्या चाकरी जी ॥ ४ ॥ रोक रूपयो भंवरजी मैं बणुजी हांजी ढोला बणज्याऊं पीली पीली म्होर भीड़ पड़े जद भंवरजी बरतल्योजी ओजी म्हारी सेजारा सीणगार पीयाजी प्यारीने सागे लेचलोजी ॥ ५ ॥ सरस जलेबी भंवरजी मैं बणुजी हांजी ढोला बणज्याऊं फूटसुहाल भुखलगे जद मारूजी भोजन जीमल्योजी ओजी म्हारी जोड़ीका भरतार

प्यारीन सागे लेचलोजी ॥ ६ ॥ अमर बादली भंवरजी मैं बणुंजी हांजी ढोलाबणजाऊं घेर घुमेर धुप लगे जद मारूजी छाया मैं करूंजी ओजी म्हारा बादीला भरतार प्यारीने सागे लेचलो जी ॥ ७ ॥ माखीहो भंवरजी चिपचलूंजी हांजी ढोला बोझ रती भरनांय कांट धर भंवरजी तोलल्योजी ओजी म्हारी सास सपूतीरापूत प्यारीने सागे लेचलोजी ॥ ८ ॥ रथ बैली भंवरजी मैं बणुंजी हांजी ढोला बणजाऊं रूणझूंण बैल हारयांथक्या भंवरजी बैठल्योजी ओजी थाने बरजूं बारम्बार पियाजी प्यारीन सागेलेचलोजी ॥ ९ ॥ असल बगीचो भंवरजी मैं बणूंजी हांजी ढोला बणजयाऊं निम्बवा आम खुसीये पडेजद मारूजी चूसल्योजी ओजीम्हारा बादीला भरतार थांबीन गोरीन पलकन आवड़े

जी ॥ १० ॥ कदे न ल्याया भंवरजी सीरणीजी हांजी ढोला कदेन करी मनुवार कदेयन पुछी मनड़ेरी बारताजी ओजी म्हारी लाल नणद राबो बीर प्यारी न सागे लेचलो जी ॥ ११ ॥ कदेन ल्याया भंवरजी सुतलीजी हांजी ढोला कदेबीबुंणी नहीं खाट कदेयन सुत्या रलमील सेजमेंजो ओजी पियाजी अब घर आवा थारी प्यारी उडीक म्डलमेंजी ॥ १२ ॥ थारे बावाजीने चाये भंवरजी धनघणोजी हांजी ढाला कपड़ेरी लोभणथारी मार सेजारी लोभण उढीके गोरडीजी थारो गोरी उडावे काग अबघर आबोजीक धाई थारी तोकरीजी ॥ १३ ॥ अबके तोल्यावां गोरी सीरणीये हांथे गोरी अब करस्यां मनुवार घर आय पुछां मनडेरी बारताजे ॥ १४ ॥ अबके ल्यावां गोरी सुतलीजी

हांयेगोरी आयबुणांगा खाट पीछै सोस्यांएक थारी सेजमेंजी ॥ १५ ॥ चरखोतो लेल्यं भंवरजी रांगलोजी हांजी ढोला पीडोलाल गुलाल तकवोतो लेल्यूंजी भंवरजी बीजल सारकोजी ओजी म्हारी जोडोका भरतार पूंणी मंगाल्यूं जीक बीकानेर कीजी ॥ १६ ॥ म्होर म्होरकी कातुं भंवरजी कुकडोजी हांजी ढोला रोक रूपैये रो तार मैं कातुं थे बैठ्या बीणजल्योजी ओजी म्हारी लाल नणद्का बीर जलदी घर आवो जीक प्यारीन पलकन आवडेजी ॥ १७ ॥ गोरीकी कुमाई खासी रांडोयाये हांये गोरीके गांदीके मणीयार म्हेछा बेटा एक साहुकार काजी येजी म्हारी घणांये पीयारी नार गारो की कुमाई से पूरा ना पडेजी ॥ १८ ॥ सांवण खेती भंवरजी थे करी ज हांजी ढोला भादुडे कस्योछो नीनाण सीटां

की रुत छाया भंवरजो परदेशमेंजी ओजी म्हारा घणा कमाऊ उमराव थारी पोयारीन पलकन आव ड़ेजी ॥ १९ ॥ कदेयन मांणी भंवरजी पीलंग पेजी हांजी ढोला कदेन जगाया च्यारु साल कदयेन तोडी कसकाचुं तणीजी ओजी थारी प्यारीजी जोवेबाट अब घर आवो जीक धाईथारी नोकरीजा ॥ २० ॥ उजड़ खेड़ा भंबरजी फर बसेजी हांजी ढोला निरधनके धन होय जोबन गये पीछेजीकनाबावड़ेजी ओजी थाने लिखूं बारम्बार जलदी घर आवोजीकथारी धणएकलीजी ॥ २१ ॥ जोबन सदान भंबरजी थिर रहेजी हांजी ढोला फीरती घारती छांय पुलका तो बायाजीक मोती नीपजेजी ओजी म्हारी सास सपूतीरापूत जलदी पधारो देशमेंजी ॥ २२ ॥ टीकीफीकी भंवरजी पड़गइजी हांजी ढोला हींगलूक चढ़गया सीवाल

अब घर आवोजी मारुणी उडीक सेजमेंजो ओजी म्हारा बादीला भरतार धाईथारी नोकरी जी ॥ २३ ॥

बीजो

केसरकी क्यारीवो बीजा लूंगाकी वाड़ी वो राज जे बीच ठाडो सोगनी सोरठीजे ॥ १ ॥ कागदिया लिख भेजुं वो बीजा परवाना लिख भेजु राज दस दिन तो आज्यो मामीजोरे पावणांजे ॥ २ ॥ थारो बुलायोये मामी परतन आउंजी राज मामोजी बुलायां झट दे आथ स्यांजे ॥ ३ ॥ टूकड़ांरो पाल्यांरे बीजा गोद खिलायोजी राज कोई लूंण हरामी बीजराय भाणजोजे ॥ ४ ॥ थेतो नहीं पाल्योये मामी मामेजीना पाल्यो राज नानीजी पाल्यो

मावसियां खिलाइयोजे ॥५॥ थारो ता मामोजी बीजा कटक सीधाख्या वो राज। घर रखवालो बीजराय आईयोजे ॥ ६ ॥ घर रखवाला हाली बालदीवो राज सेजां रखवालो बीजराय भाणजो ॥ ७ ॥ दे्र नगारो बीजराय चढ चल्योजी राज डेरा तो ढाल्या सोरठड़ीरे बागमेंनें ॥ ८ ॥ बागबी निरख्याबो बीजा बगीचाबी निरख्यावो राज। काची कलियां पर भाणजड़ेरो मन गयोजे ॥ ६ ॥ दे्रे नगारो बीजराये फेर चढ चाल्याजी राज। डरा तो ढाल्या सोरठके सहरमेजे ॥ १० ॥ सहरबी देख्यारे बीजा परगनाबी दे्ख्याजी राज अजब झरोखां भाणजड़ेरो मन गयोजी ॥ ११ ॥ दे्र नगारो बीजराय फेर चढ चाल्योजी राज। डेरा तो ढाल्यो सोरठ की पोल परजे ॥ १२॥

पोलोबी नीरखीवो बीजो दुरजाबी नीरख्या वो राज अजबछजापे भाणजड़रो दोलगयोजे ॥ १३ ॥ देरे नगारो बीजराय फेर चढ चाल्याजी राज डेरा तो ढाल्या सोरठकी रसोईयांजे ॥ १३ ॥ चावल दालज बीजो रुच रुच जीम्याजीराज जीम जुठ म्हलामे चड गया जे ॥ १५ ॥ म्हलबी निरख्यावो बीजा झरोखाबी नीरख्यावो राज अजब बारयामे भाणजड़ेरो मन गयोजे ॥ २६ ॥ देर नगारो बीजराय चढ गया जीराज डेरा तो ढाल्या सोरठको सेजमेजे ॥ १७ ॥ सेजाबी नीरखोवो बीजो कसनाबी नीरख्या वो राज मामीजीरे हीवड हाथज घालीयोजे ॥ १८ ॥ जुलम करेछरे बीजा गजब करेछवो राज जुलम गुजारया बीजराय भाणजे ॥ १६॥ इणरे वस्ती रोरे बीजा लोग बुरोछे जीराज भरम

धरेगा मामीजी संग भाणजो जे ॥ २० ॥ दुनिया भक मारोये मामी परजा भख मारो जीराज मामी भाणजडो या रुत माण-स्यांजे ॥ २१ ॥ सारीतो रैनवो बीजो मामी जीसे रमीयांवो राज मोजामे बकस्यो मामी जीने मेडतोजे ॥ २२ ॥ भोत सुख पाइवो बीजा मत छीटकाइवो राज ओड लंघाई बीजराये भाणजोजे ॥ २३ ॥ सोलासे राणीये मामी थेतो पटराणीवो राज राजतो करो थे बंगाले देस कोजे ॥ १८ ॥

सीकरी

सुत्या भंवरजी सुख भरनीन्द सुपनो तो आयो राणी सीकरीरे देसकोजी महाराज ॥ १ ॥ सांड्यार भाई जलदी सांड पीलाण बेग पधारो

राणी सीकरीरे देसमेंजी महाराज ॥ २ ॥ रलक्या सेलामारू ढलतीसो रात दिन तो उगायो राणी सीकरीरे देसमेंजी महाराज ॥ ३ ॥ बुज्यां भंवरजी गायांरो गुवाल सींव बतावो राणी सीकरीरे देसकीजो महाराज ॥ ४ ॥ योही भंवरजी सीकरी राणी रो देश सालर थोड़ा सरवर भोघणाजी महाराज ॥ ५ ॥ बुज्यो भंवरजी मालीडांरो पूत बाग बतावो राणा सीकरी रो कुंण सोजी महाराज ॥ ६ ॥ पन्ना मारू योही राणी सीकरी रो बाग आम्बूतो पाक्या निम्बु रस भरयाजी महाराज ॥ ७ ॥ बुजो भंवरजी कुवेरी पणी-हार पोल बताओः राणी सीकरीरो कुंणसोजी महाराज ॥ ८ ॥ सुरज स्यामो राणी सीकरीरी पोल केला झबरक बांके बारणेजी महाराज ॥ ६ ॥ बूज्यो भंवरजी चेजारा रो पत महल

बताओ राणी सीकरो रो कुंण सोजी महाराज ॥ १० ॥ योही भंवरजी राणी सीकरीरो महल बारी झरोखां छजा झुक रयाजी महाराज ॥ ११ ॥ दासी येतु चढ चोबारे देख बाहर उभ्या समरथ पांवणां जी महाराज ॥ १२ ॥ पन्ना भंवरजी धुड़ला पाछा म्होड आंगण फुटे म्हारे कांचसोजी महाराज ॥ १३ ॥ दासीये तु इतणी गब्रन बोल और दिवाद्या जाजाहोंगलु जी महाराज ॥ १४ ॥ दासीये तु तातो पाणीमेल रपट नुहावो समरथ पांवणोजी महाराज ॥ १५ ॥ दासीयेतु जींदवारा भात रंधाय घणोये जीमाल्लु समरथ पांवणोजी महाराज ॥ १६ ॥ दासीयेतं फुलडारी सेज बिछाय घणोये निंदालु धणको बालमोजी महाराज ॥ १७ ॥ दासोयेतं दिवलो जोय घणोये रसीलो गौरीको साहेबोजा ॥ १८ ॥ दिवलेमें बाईजी तेलनबात

रैन अन्धेरी मोदी सोगयाजी ॥ १६ ॥ थारी दासी म्हारे सागे भेज कुड़ला भराद्यां चंपेलीरे तैल काजी ॥ २० ॥ दासी म्हारी सुघड़ सरुप कांई ठीकाणो थारे जीवकोजी ॥ २१ ॥ सीकरी येतुं इतणी गवंन बोल दासी मंगाद्युं पुरी डेड-सेजी ॥ २२ ॥ पन्ना मारुजी अब थारी जात बतायर ढोले पगधरोजी ॥ २३ ॥ जातज म्हारी राठोड़ा रजपूत बडेये घरांका कहिये डोकराजी ॥ २४ ॥ सीकारी येतुं अब थारी जात बतायर ढोले पगधरोजी ॥ २५ ॥ जातज म्हारी धोबी कहिये बडेये घरांका धोवां काप-ड़ाजी ॥ २६ ॥ सांढ्यार भाई सांड पीलाण छांटोतो लाग्यो मधमजातकोजी महाराज ॥ २७ ॥

नीहालदे ।

अपनी मातासें बुझयेतं कंवर निहालदे झुलन चम्पा बागमें मोमन लेतहुलास मोमन लेतहुलास अरजमैं करुं नहीं लगाउं देर जलद पाछी फीरुं ॥ १ ॥ चम्पा चमेली संज कमन्दलपर रेशम डोर गीराउं सजसोला सीणगार साथ सखीयोंके झुलन जाउं बारा महनुंका त्योंहार आज सखीयोंके साथ मनाऊ सखीयोंके साथ मनाय जलद पाछी फीरुं ॥ २ ॥ बागाबेई पुछे क्याये कंवर निहालदे फोर जलदी आना सखी योंके संग जाना झलन बागमें मेरी राजकंवारी करो बागोंकी त्यारी क्या बुझती ॥ ३ ॥ अपनी मातासे आज्ञा लेकर गई बागके मांय रेशम डोर बंटाय कर सजी झुला लिया घलाय झूला

लिया छलायक सखीयों संग चलती मंगल गावोरी सहेली रल मीलके चम्पा वागमें ॥ ४ ॥ सुन्दरसुन्दर गीत सहेली सब मील करके गाया उधर कंवर सुलतान घोड़ै चढ़ हवा खानेको आया हवाखानेको आया ठहरे चम्पा वागमें मालीन कहे क्युं हाथा गमावे जानने ॥ ५ ॥ कैला गढ़का भूप तुमारी कतल देय करवाय ज कंवरीको मालूम पड़े तो शुलोदे चढ़वाय यहांसे भागजा ॥ ६ ॥ लन थे इस चमनकी सजी सहल कराद्यो मोय इतना धन तुमको देऊं स कभी मील्यो नहीं तोयजी चमनकी सहल करादे युं मालन से कहे कंवर सुलतानजी ॥ ७ ॥ ये मालन इस भुपका मुझे क्युं डर दिखाती। जिस्का तेरे घमन्ड उसको क्युं न जलदी ल्याती। क्युं न जलदी ल्याती

इश्क की स्यात तै। चमन की सहल करादे युं मालन से कहै कंवर सुलतानजी ॥ ८ ॥ सहल करण चमन में धंसगये स जो न राखी परवाह। मेहजोरसे बरसण लाग्यो चलदी सब सखियां। चलदी सब सखियां क रह गई कंवर निहालदे। सीरपर धर दोई ढाल सुल तान आनके। सिरपर दई ढाल रक्षाबो करी री। चमनकी सहल करादे यूं मालन से कहे सुलतान ॥ ९ ॥ मघराजा की कंवरी अपने दिल अन्दर सरमाई घुंघट अपना काढकरके गरदन लई झुकाइ गरदन लई झुकाय सरमा वो मरी। चमन की सहल करादे यु मालण से कहे सुलतानजी ॥ १० ॥ बडी देर से मैं खड्या सजी घुंघट का पट खोल। लाज सरम सब दुर करके मुखड़े से जलदी बोलजी चमनकी सहल करादे यु मालण

से कहे सुलतानजी ॥ ११ ॥ क्या जाने तुं मुझ कोरी क्या तेरी मेरी पहचान इस जनाना बागमें तुं किस तरह पुंच्यो आय किस तरह पुंच्यो आय पीताका खोप जरा नहीं खाय मालूम उस को होय तो शूलीदे चढवाय। शलीदे चढवाय रहम तुम्हारी आवती ॥ चमनकी.० ॥ १२ ॥ सूरत तुम्हारी बस गई मेरे दिलके माय। चल करके बंगलेके अन्दर मेरे दिलकी तपत मिटाय जी ॥ चमनकी० ॥ १४ ॥ क्षत्रीयोंका धरम नहीं सरे सेज कंवारीकी जाय। बरबरमें चाहे तुम कहो मैं नहीं मेलुंगा पांव जब तक ब्या न करूं करके युद्ध तेरे पितासे तेरे कुं मैं वरूं ॥ चमन ॥ १४ ॥ सब संगकी सहेली तेरी बावड़ी ये बाई तूं कित देर लगाई मैं तने बुझती इब क्यों कायर होय खड़ी क्यों धुजती। तनेकुं ग

भरमाईये मोड़ी क्यों आई कुंवर निहालदे ॥ १५ ॥ इन्दर झड़ी तो लगाई च्यारुं दिस छाई बेरण बादली । जब पुल चली जद मेहवा बरस्या मात मेरी घटाद ेख घबराई । काम किया सब संगकी सहली छोड़ बागसे आई । क्या जाणुं कहांसे आगया छत्री जात सिपाही । वोहै कंवर सुलतान बड़ा है वो शरबीर मातवो ब्याकरसी मेरे साथ ब्याकरसी मेरे साथ युद्ध पीतासे करे । ऐसा है बलवान रणमें पाछाना फिरे । मने उण भरमाई मोडी जद आई कंवर निहालदे ॥ १६ ॥ फौजले युद्ध करण आयो कंवर सुलतान । मघराजाकी मने फौज खपाकर ब्याकर लेगयो निहालजी मने उन भरमाई मोड़ीजद आई कंवर निहालदे ॥१७॥

जकड़ी।

च्यान्च्या तेर च्यानणा सरे डागल घालीखाट । गयोन राजन बावड्योसरे रात्यूं जोई बाट सर धण उबी चोपड़में कमरेमें उब्यो स्याम निजर बैंकी बैगई जोबनम ॥ हाथीसे हाथी लड़ेसरे दरवाजे की कुंट । गोरीसें राजन लड़ेसरे दे दे सोवैपुठ ॥ सरसधण० ॥ १ ॥ काचातो बैगण भलासरे पाकी भली अनार प्रीतमतो पतला भला सजी मोटा जाटगुंवार ॥ सरसधण० ॥२॥ आदी नंदी कांकरा सरे आदी बालुरेत ॥ आदी गोरी सेजमें सरे आदी हीवड़ेलेट ॥ सरसधण० ॥३॥ कीड़ांके पग घुघरासरे तीतर तोड़े तान । एक अचम्भो म्हेसुणयो कोई माखी चाबेपानजी सरसधण० ॥ ४ ॥ सारस बोलो समन्दरा सरे

कोयल बागांमांय। राजन बोल्या सेजमेंसरे गोरी गोदी मांय॥ सरसधण॰ ॥ ५ ॥ थेराजन ऐसी करीसरे ऐसी करेयन कोय। कागदीया काठाकरचा सजी कछुयन राख्यो मोह । सर सधण॰ ॥ ॥ मोतीजीतनो मीलीयोसरे तील जीतना कींवाड़। मांय पखेरू रमरह्यो सरे राज॰ नके हुंणीयार॥ सरसधण॰ ॥ ७ ॥ मैं मेरी माके लाडलीसरे मोत्यां बीचलीलाल। सासु के अन खावणीसजी राजन आगे न्याव॥ सरसधण॰ ॥ लीली आंगी लीलकी सरे जिस्पर चन्द्रहार। केपरमेसर मोतदे सजी के चंचल भरतार॥ सरस धण॰ ॥ ८ ॥ फूलां भरीयो छाबड़ो सरे उपर पोली प्याज ।बाबुल परणी छैलनेस कोई नीकस्यो रणडीबाज ॥ सरसधण॰ ॥ ॥ पेचोतो ऐसो बन्योसरे टोपी ठोकम ठीक। भगतनके

जावो छोड्यो सरे म्हला आवो सीख ॥ सरस धण० ॥१०॥ गुनगीरीको चूंतरो सरे जीस्पर कतरुं पांन ॥ कतर कतर भेलाकरूं कोई चावो चतुर सुजान ॥ सरसधण० ॥ ११ ॥ दाहु सुके डागलेसरे घरसुके गीगनार । गोरी सूके बापके स्रे हीण पुरुषको नार ॥ सरसधण० ॥ १२ ॥ काली डब्बी कांचकीसरे बिन फोड़ी फूटज्याय । परदेशीकी गोरड़ीसरे बिन धक्के गुड़जाय ॥ सरसधण० ॥ १३ ॥ मोतीडो एकलाखकोसरे गयो पलेसेखुल । गोरीड़ो एक मोजकी बा गई बचनको भूल ॥ सरसधण उबी० ॥ १४ ॥



भांग

राजाराम रसीये न पावो थोड़ी भांग रंगरा प्याला प्यायदेस्यांजी बीजापुरका बीज मंगाय रंगरा प्याला प्यायदेस्यांजी । सोनेरुपेरा दोय हलीया मंगाय रंगरा प्याला प्यायदेस्यांजी सुर गऊका दोय बैल मंगाय रंगरा प्याला प्याय-देस्यांजी । मीरजापुरकी मीरच मंगाय रंगरा प्याला प्यायदेस्यांजी बीकाणेरी मिसरी मंगाय रंगरा प्याला प्यायदेस्यांजी आपसरीसा दोय छैल बुलाय रंगरा प्याला प्यायदेस्यांजी छोड़ी बड़ीरा दोय स्यालु मंगाय रंगरा प्याला प्याय देस्याजी । सोने रुपेरा दोय प्याला मंगाय रंगरा प्याला प्यादेस्यांजी एक प्यालो नाथु-रामजी न प्याय रंगरा प्याला प्यायदेस्यांजी

चढगयी भांग छैला तोड़े लागा तान। रंगरा प्याला प्यायद्स्यांजी। राणीरा जाया पीरोता णीरा जाया मोरगा नैनीरा भंवरजीरे चढगइ भांग रंगरा प्याला प्यायद्स्यांजी॥

नणदोई

रखड़ी घडाद्यो ओजो नणनोई भूटणारी साइ बालकसे लगाई हलवा हलवा बोलो ओजी नणदोई बाइजा सुणेगा म्हानद्गा गाली। बाइजी सुणछै राज करेछै आपां रुत माणा ओये सालाहेव्यो जाणोछोतो मांणोओजी नणदोई गल सरीरी साई बालमसे लगाइ॥ हलवा हलवा बोलो०॥ बाजुबन्द घड़ाद्यो ओजी नणदोई टड्डाकी साइ बालमसे लगाइ॥ हलवा हलवा०॥

चोली सीमाद्यो ओजी नणदोई कबजेकी साइ बालमसे लगाई ॥ दांवण सीमाद्यो ओजी नणदोई चुनडरी साइ बालमसे लगाइ ॥ हलवा हलवा ० ॥ पायल घड़ाद्यो ओजी नणदोई बींछी यारी सांइ बालमसे लगाइ ॥ हलवा हलवा बोलो ओजी नणदोइ बाइजी सुणेगा देगा म्हाने गाली ॥

टपो

केलेकीसी कामड़ी दरीयावमें खढ़ीरे मार चोबी छेखल्यो कुछ हाथबी लगीरे । हाथमें है झारीयांबजारमें स्रीयां खड़ीरे । घर आवो बालमा थाने प्यास तो लगीरे । हाथमें अलबेलीयां

जलेबीयां लींयां खड़ीरै । घर आवो बालमा थाने भुख तो लगीरे । लाडु करूं कसारका करड़ीमें राखुं पातरे । दिन दिन तो दुखसे काढ्युं बैरण होगई रातरे । हलदीने छोड़ी जरदी जरदीने छोड़ा रंगरे । गोरी बोचारी क्या करे वालमने छोड़े संगरे । हलदीने झेली जरदी जरदी झेला रंगरे । बालमने झेली गोरड़ी सेजामे माच्या जंग रे ।

बनडो

बालकिया बनडा माथेरो दुमालो मोये बकसावोजी रंगाल्यां चुनड मोजकी बना म्हारे

ताईजी ॥ १ ॥ बालकडी बनडी चलती रेला में कांई फरमावोये म्हेकरस्यां बावेजीरी नोकरी बनीथारे तांइये ॥२॥ बालकीयाजी बनडा आंख फरुके म्हारी बांइजी सुतीने सुपनो आइयो बनाथारे तांइजी ॥३॥ बालकीया बनडा काना रा मोती मोये बकसावोजी। घडाल्यां तीलडी तेवटो बनाम्हारेतांईजी ॥ ४ ॥ बालकिया बनडा गलमांयलो डोरो मोये बकसावोजी । घडल्या बाजु नोगरीबना म्हारेतांइजी ॥५ ॥ नादान बनडा हाथाराकडलामोये बकसावोजी घडाल्या पायल पैजनीबना म्हारेतांइजो ॥ ६ ॥ बालकीया बनडा जोडोरी बनडी मोये बकसावोजी। करद वां बनड़ी मोजकीबना थारे तांईजी। बालकडो बनडी चलतो रेलामेंकांई फरमावोजी। म्हेकरस्यांबापु जोरी नोकरीबनी थारे तांइजी ॥ ७ ॥

कुंजा

सुतीथी सुखभर नींदमें सुपनो भयोये जंजाल भंवर सुपने बतलाइजी ॥ १ ॥ तने सुपना मारस्युं रे कैतेरी कतल्ल कराय सुपनारे बैरी झुठो क्यों आयोरे ॥ २ ॥ क्यांने गोरी म्हाने मारस्योरे क्युं म्हारी कतल कराय । गोरी थारे पीवने मिलाद्यांये ॥ ३ ॥ आज संबारी उठीयाजी गई गई मायड़के पास । संुणा मायड़ थाने बातकुं सये कह्तां आवे लाज । ब्याई छुंक कंबारीये जंका अर्थबताय मायड म्हाने सांच बताद्योये ॥ ४ ॥ ब्याय चढ्याछा पीले पोतडा यें होगई जोध जुवान नलराजाको डीकरोये परण दिसावर जाय । बाई थाने सांच सुंणांवाये ॥ ५ ॥ आज सुंवारी उठीयाजी गई गई कुंजा

के पास तूछ धरमकी भायलीये एक सन्देस पुंचाय पत्री लिखदु प्रेमकीये दिजो पीयाजी नजाय कुंजा म्हार पीवन मिलाद्येये ॥ ६ ॥ मानस होयतो मुख कहेजी मोस बोल्योन जाय भायली म्हारी पांखा पर लिख द्योये ॥७॥ नींलसकरिये न जाय कहीये क्युं घरणथो आटा परण पीराछट क्युं लियो येजी रह्यो क्युंन अखन कुंवार कुंवारीने बरतो घणाछाजी ॥८॥ काजल टीकीको थारी घण खणलियोजी बींद लाको सर्व सुहाग गोट मिसरू कोथारी धणखण लियोजी चुनड़रो सबसुहाग दुध दहीको थारी धण खण लियो जाअन बिन रह्यो येनजाय कुंजा म्हार पीवन मीलाद्येये ॥ ९ ॥ आज संवारी उडियाजी गई गई कोस पचास डेरा तो हरि बागामें दिन्याजी ॥ १० ॥

ढालो मारुणी पासा ढालियाजी कुंजारही कुरलाय हाथारा पासा हाथ रयाजी बाजी रही पासा मांय ॥ ११ ॥ कुंण जीनावर बोलियोजी जिको करो बीचार साथ्यो म्हाने भेद बताद्योरे ॥ १२ ॥ हांथारा पासा ढालद्यो जीबाजी खेलोना दोय च्यार घणांईजीना वरबोल देसकाजी क्यांका करां बिचार भंवर थेंतो बाजी खेलोजी ॥ १३ ॥ बोगयो ढोलो बोगयोजी गयो गयो बागाके माय ढूंढे चम्पा बागमेंजी बैठीधण अमल्यारी डाल कुंजाकुरलावण लागीजी ॥ १४ ॥ कुण-जीरा भेजा अठे आइयाजी कुणजीरा कागद हाथ कुंजा म्हाने साच बतादेये ॥ १५ ॥ थारी धणकाभेजा अठे आइयाजी थारी धणका कागद हाथ भंवर म्हारी पांखापर बाचोजी ॥१६॥

आज अपूठा सोरह्याजी रह्योके अन्देसो छायके चित आयो थारो देसडोजी के चित आया थार माइये बाप भंवर दिलगीरी क्यों ल्यायाजी ॥१७॥ नाचितआयो म्हारो देसड़ोजी नाचितआया म्हारा माईये बाप एक चित आई म्हारी गोरडीजी बाधण घणीये उदास भायली म्हार गोरी चित आई जी ॥ १८ ॥ वो गयो ढोलो वोगयो जी गयो गयो करबां के पास म्हारी गोरीन मिलायोज ॥ १६ ॥ केगल घालुं घुघरा के गलघालुरेशम डोर तुं करबा म्हारे बापकोर लंगडो होकर बैठे छीटक पड़ेगी तेरी पांसली लटक पड़ेगो तेरो पेट करवार बैरी साग मत जाईर ॥ २० ॥ पानीतो पीवा ठंडे होदकोये चरस्या नागरबेल जास्याम्हे ढोलाजीके सासरे ये मनमें घणीये उमेद गोरीये म्हेतो सागे जास्याये ॥ २१ ॥

मालीडांरी डीकरी येतुंछ धम्मकी भाग्ग तेरे कनेकर ढोलो नीसरयोये किसये उमाब जाय बाई म्हान भेद बताद्ये ॥ २२ ॥ मेरे कनकर ढोलो नीसरयोये जाग्गो छोड़ी परग्गाबानजाय बाई थान साच सुग्गावांये ॥ २३ ॥ बेराकी बड बेरडीये तुंछ धम्मकी भाग्ग तेरे कनेकर ढोलो नीसरयोये राख्यो क्युंना बीलमाय भायली म्हार पीयोजी चीत आवये ॥ २४ ॥ तोड्याथा तापखा नहीं ये लिया गोजमें घाल बाई थान सांच सुग्गावाये ॥ २५ ॥ ढाल्लो पुंचा यर ओठी बावड्योजी जंको आवरोज चुले घाल गरे लियोजी धुबक मीसरोय मारुजी म्हान छोड़ सिधारयाजी ॥२६ ॥ करवा चाल उतबलोरे दिन थोड़ो घर दूर दो गोख्याको साहबोरे रह्योमें अकेलो आज करवा म्हारी गोरीस

मिलाद्येर ॥ २७ ॥ दांतण करो कुवा बावड़ीजी मल मल करो असनान चन्द छीप्यां सुरज उग्या जी दया थारी प्यारी मिलाय भंवर थान वेग पुंचाद्याजी ॥ २८ ॥

बनडो

सीस तेरे सवा लाखारो पेचो गीड़द पर दिल मेरा नादान लड़की डेरा बतादे तेरा। अबद बागमः सबद बगीचा आम तले घर मेरा सो साठ कलिया छूट रही नारं ी नीच डेरा सुलतान लड़की डेरा बतादे तेरा ॥ १ ॥ गल तेर सवा लाखांरो डोरो कंठी पर दिल मेरा नादान लड़की डेरा बतादे तेरा ॥ २ ॥ हाथ तेरा सवा लाखा रा कड़ला छला पर दिल मेरा नादान लड़की डेरा

बतादे तेरा ॥ ३ ॥ अबद बाग बिच सबज बगीचा आम तले घर मेरा सोसाठ कलिया छुट रही नारंजी नीच डेरा सुलतान लड़की डेरा बतादे तेरा ॥ ४ ॥ पास तेरे जोड़ीकी बनड़ी रुपां पर दिल मेरा सुलतान लड़की डेरा बतादे तेरा ॥ ५ ॥ अबदबाग बिच सबद बगीचा आम तले घर मेरा सो साठ कलिया छूट रही नारंजी नीच डेरा। ॥ ६ ॥

देवर।

रंगत पणियारी

पेचो तो सवा लाखारो ल्याद्युं रे कलंगी पर भावी अरज करे सुण सुण वो नखराला मेरा देवर वो जिलसो दिखाये ल्यावो दिल्लीरो ॥ १ ॥

थान तो भावज म्हारी जिलसो सुजये, म्हारो जीव घबराय रयो मनमें धीरज धारो म्हारी भावजये जीलसो दिखाय ल्याऊं दिलीरो ॥ २ ॥ मोती तो सवा लाखांरा ल्याद्यूं जी जुलफी पर भाजी अरज करे सुण सुण वो नखरालीरा देव-रीया भाबीन जीलसो दिखावोजी ॥ ३ ॥ थाने भावज म्हारी जिलसो चाये नाजक जीव घब-राय रहो सुण ज्योजी छिणगारी म्हारी भावजये जीलसो दिखाये ल्याऊं पटनको ॥ ४ ॥ कंठी तो सवा लाखांरी सोवजी गरदन पर भाबी अरज कर सुण सुण वो नखरालीरा देवरजी जीलसो दिखाये ल्यावा कासीरो ॥ ५ ॥ थानतो भावज म्हारी जीलसो सुज नाजक जीव म्हारो घबराव दीलमें धीरज राखो म्हारी भावजये जीलसो दीखांये ल्यावां कासीको ॥ ६ ॥ मोचा तो सवा

लाखांरा॰ लोव चलगत पर भाबी अरज करै सुन सुन वो चीता लंकीरा देवरीया जीलसो दीखा द्यो कलकत्तको ॥ ७ ॥ थानतो भावज म्हारी जीलसो सुज नाजक जीव घबराये रयो सुण जोये नखराली म्हारी भावजड़ी जीलसो दीखांवां कलकंत्तरो ॥ ८ ॥

जकड़ी

भायेलीकी।

माथने मंहमद पहर लीज्योये भायली रखडी रोहद सीनगार भायेली आया करो म्हारे मारूजीरी भायेली आया करो मारुजीरी लागो भायेलीये मीजाजण म्हारी ल्होड़ी सोक भायली आया करो ॥ १ ॥ गलने गलसरी

पहरल्योये हांयें भायेली कंठी रोहद सीनगार भायेली आया करो म्हार मारूजीरी भायेली आया करो मारूजीरी लागो भायेलीये हत्यारी म्हारी लागोसोक भायेली आया करो ॥ २ ॥ बांयाने वाज्रुवन्द पहरल्योये हांये भायेली पुंचीरो हद सीनगार भायेली आया करो छोरी छोरांरी लागो मावसीये हांये मृगानेणी म्हारी छोटी भण भायेली आया करो ॥ ३ ॥ कड्याने करनोडो पहरल्योये हांये भायेली पैजन्या रोहद सीणगार भायेली आया करो आया करो म्हार बाद्दीलेकी भायेली आया करो छोरी छोरांकी लागो मावसीये हांये म्हार मन भरीयेरो आधार भायेली आया करो ॥ ४ ॥ घुम घुमालो घाघ-रोये हांये भायेली उपर दिखनीरो चीर भायेली आया करो आया करो ये म्हार मारुजीर

भायेली आया करो पन्ना भंवरकी लागो भाय लीये हांये छीनगारी म्हारी लोडीसोक भायेली आया करो म्हार मारुजीरी भायेली आया करो आयो करो ये मत तरसाया करो हांये मीजा जण म्हारे बादीलरो मन बहलाया करो म्हार मारूजीरी प्यारी आया करो मदछकीयेकी प्यारी आया करो ॥ ५ ॥

लैरियो

ढुकबोच टोडाबीच आईआई लरियारी पोट राज लैरयो लेद्योजी लैरयोतो लेद्यो गौरीका साहबाजी कोई थारीधणान लैरयारोचाव राज लैरयोलेद्योजी ॥ कर टकारो थारो लैरियोजी कोई करटकां गजभांतराज लैरयो लेद्योजी ॥

अस्सीटकांको म्हारो लैरियोजी कोई लाख मुहर गज भांत राज लैर्‌यो लेद्योजी ॥ योकुण लर्‌यारो गायकीजीकोइ योकुण खरचगो दाम जी लैर्‌यालेद्योजी । सुसरोजी लैर्‌यांरा गायकी म्हारो मारुजी खरचगो दामजी लैर्‌यालेद्योजी ॥ लैर्‌योतो ओडर पाणी नीसरीजी कोइ सारो शहर सराइ राज लैर्‌यो लेद्योजी । अस्सीयेको सांकी चाली बादलीजी म्हारो लैर्‌यो आय भी जोयो राज लैर्‌यो लेद्योजी । लैर्‌योतो भीजगोरी कोरंगचुबजी कोइ लहर लहर जीब जायराज लैर्‌यो लेद्योजी । ऐसो तो जुगमें कोइ नहीं म्हारो लैर्‌यो आय सुखावेजी लैर्‌यो लेद्योजी। अस्सीये कोसाको चाल्यो साहेवोजी म्हारो लैर्‌यो आयनिचोयो राज लैर्‌यो लेद्योजी । गोखांतो वैठ्यो ढाढ़ी डुमको म्हारे देवरियको

रूप बखाणीराज लै’र्‌यो लेद्‌यो जी। ओजी ओ
छिनगारा म्हारा देवराथान द’वरीयो कवांकपन्ना
मारुराज लै’र्‌यो लेद्‌योजी। छिन दिन कवो
भाभी द’वरो सुखसेजड़ल्यामें कवो पन्नोमारुराज
लै’र्‌यो लेद्‌योजी। हाये छिनगारी म्हारी भावजा
थान’ भावजड़ीकवाक छोटी बहु राज लै’र्‌यो
लेद्‌योजी। साथणीयामें कहो म्हान भावजा
सुख सेजड़लीमें कहो छोटी बहुराज लै’र्‌यो
लेद्‌योजी। ओ छीनगारा म्हारा द’वरा थ’तो
लीलड़ी पीलाण कोठ’ चाल्या राज लै’र्‌यो
लेद्‌योजी। हाये छीनगारी म्हारी भावजा म्हे
तो लीलड़ीपीलाण बागा जास्यांराज लै’र्‌यो
लेद्‌योजी। हांओ छिनगारा म्हारा द’वराथे तो
बागांसे कांइ कांइ ल्यास्योराज लै’र्‌योलेद्‌योजी।
हांये छीनगारी म्हारी भावजा म्हे तो बागासें

नीमुड़ासा ल्यास्या राज लैस्यो लेद्योजी । हांत्रो छीनगारा म्हारा द्वेरा थे तो निम्बुड़ा सा ल्याकर कनैदे स्योराज लैस्यो लेद्योजी ॥ हांये छीनगारी म्हारी भावजा म्हे तो निम्बुडासा ल्यायर थाने देस्याराज लैस्यो लेद्योजी ॥ १४ ॥

छठा भाग सम्पूर्ण ।



वृधविवाह-नाटक,

मारवाड़ी बोलीमें

यह नाटक भी वाबू भगवती प्रसादजी दारूकाको लेखनीका एक [illegible] नमुना है। मारवाड़ीयोंमें कितनेही ऐसे महापुरुष विद्यामान हैं [illegible]नको बेटे पोतोंके होते हुए भो वृद्धावस्थामें विवाह करने की सूझती है तब धन खर्च करनेकी कुछ भी परवाह न करके वीचारी किसी निरपराधिनो वालिकासे विवाह कर जन्म भरके लिये दुःखी वना डालते हैं। धनके लोभी कन्या वेचनेवाले भी दश पांच हजारकी थेलो घरमें धरकर अपनी अवोध वालीकाको कवूयालो बूढ़े वाबाके साथ विवाह कर अपना काम वना लेते हैं। अन्तमें जव बालीका से स्त्री यौवनावस्था पर पहूंचती हैं तव कामातूरा हो भाग्य को धिक्कारती हूंई अपने प्राणोंसे प्यारे स्वधर्मको जलाञ्जली दे इसका कर्म करनेके लिये घरसेनिकल अपना सर्वस्व खो वैठतो हैं। इसका खाखा पूर्ण रूपसे दिखलाया हैं। नाटक ऐसा रोचक हैं कि पढनेसे हसों रोके नहीं रुक सकती। मुल्य—॥)

रामलाल नेमाणी।

नं० ६७ तुलापट्टी, कलकत्ता।

सरल

अगरेजी शिक्षा

लेखक जी० एस० पथिक

बी० ए०

इस पुस्तकके सहारे हिन्दी जाननेवाला आदमी थोड़े ही दिनोंमें विना उस्तादके अङ्गरेजीमें लिखना, वोलना, पढ़ना अच्छी तरह आसानीके साथ सीख लेता है। हिन्दीसे अङ्गरेजी सीखनेकी इच्छा रखनेवाले प्रत्येक मनुष्यको यह पुस्तक अवश्य ही खरीदनी और पढ़नी चाहिये। इस किताबसे एक मास्टर की तनख्वाहकी बचत हो जाती है और वड़ी आसानीसे अच्छी तरह अङ्गरेजीका ज्ञान हो जाता है। हिन्दी जाननेवालोंको अङ्गरेजी सिखलानेवाली जितनी पुस्तकें अवतक देखनेमें आयी हैं, उन सभीसे यह किताव सरलता और उपयोगितामें बढ़ी हुई है। वड़े बड़े विद्वानों और मास्टरोंने इस ग्रन्थकी प्रशंसा की है। प्रत्येक वालक, युवा और व्यापारीके कामको चीज है। मुल्य ||) रेशमी कपड़े पर सुनहरी जिल्द बंधीका १) रुपया।

रामलाल नेमाणी

न० ६७, काटन ष्ट्रीट, पो० बड़ाबाजार, कलकत्ता।



